खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 15 दिसंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-342

छेड़छाड़ पर भड़के राजा

मंगलहाट-दत्तात्रेयनगर को ना तोडे एक्जीबिशन वार्ड में सिर्फ 25 हजार क्यों?

हैदराबाद: जीएचएमसी वार्डों के परिसीमन की प्रारंभिक अधिसूचना के संदर्भ में गोशामहल के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (GHMC) के आयुक्त को पत्र लिखकर गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के तहत वार्डों के असमान और अनुचित विभाजन पर न केवल गंभीर आपत्तियां जताई, बल्कि सुझाव भी प्रस्तुत किए । राजा की प्रमुख आपत्तियां और सुझाव:1. मंगलाहाट और दत्तात्रेयनगर वार्डों के संबंध मेंआपत्ति: पूर्व में (वार्ड संख्या 63)-मंगलाहाट और (वार्ड संख्या 64) -दत्तात्रेयनगर विभाजन वैज्ञानिक आधार पर किए गए थे, लेकिन वर्तमान प्रस्तावित अधिसूचना में 148-दत्तात्रेयनगर और 149-मंगलाहाट वार्डों का मनमाना परिसीमन किया गया है। इससे मौजूदा समीपवर्ती मतदाता समूहों (विशेषकर हिंदू आबादी) को विभाजित करके जनसांख्यिकीय रूप से अलग समूहों के साथ मिला दिया गया है, जो चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकता है। सुझाव: चूंकि दोनों वार्ड एक ही राजस्व सीमाओं (राजस्व वार्ड संख्या 13, ब्लॉक संख्या 1 और 2) के अंतर्गत आते हैं, इसलिए उनकी मौजूदा वार्ड सीमाओं को बहाल करने और अनियमित परिसीमन में शामिल कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो।2. 153-एग्जीबिशन ग्राउंड्स और 150-गोशामहल वार्डों के संबंध में:आपत्ति: प्रस्तावित 150-गोशामहल वार्ड को लगभग 62,000 मतदाता आवंटित किए गए हैं, जबकि 153-एग्जीबिशन ग्राउंड्स वार्ड में केवल 25,000 मतदाता हैं, जिससे मतदाता संख्या में महत्वपूर्ण असंतुलन पैदा हो गया है।सुझाव: किसी विशेष पार्टी के प्रति पक्षपात से बचने और 150-गोशामहल तथा 153-एग्जीबिशन ग्राउंड्स वार्डों की मतदाता शक्ति को बराबर/तर्कसंगत बनाने के लिए राजस्व वार्ड संख्या 14, ब्लॉक संख्या 2 और 3 को संलग्न करने का अनुरोध है।3. 154-गनफाउंड्री और 219-खैराताबाद वार्डों के संबंध में (सर्किल 17 - खैराताबाद):आपत्ति: ऋक्ष्वउ अधिनियम और नियमों के अनुसार, परिसीमन संबंधित सर्किल अधिकार क्षेत्र के भीतर सख्ती से किया जाना चाहिए। हालांकि, प्रस्तावित अधिसूचना राजस्व वार्ड संख्या 5, ब्लॉक संख्या 9 (भाग) और 10 को, जो सर्किल-14 गोशामहल के अंतर्गत आते हैं, सर्किल-17 खैराताबाद के तहत 219-खैराताबाद वार्ड में रखता है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 जैसी प्राकृतिक सीमाओं का उल्लंघन करता है और ऋक्ष्वउ अधिनियम के विपरीत है, जिससे विकास कार्यों और बजटीय प्रक्रिया में प्रशासनिक देरी हो सकती है।सुझाव: अनुरोध है कि राजस्व वार्ड संख्या 5, ब्लॉक 9 और 10 के निवासियों को प्राकृतिक सीमाओं और सर्किल अधिकार क्षेत्र के अनुसार प्रस्तावित 154-गनफाउंड्री वार्ड से जोड़ा जाए।विधायक राजा सिंह ने आयुक्त से इन आपत्तियों की जांच करने और संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और नियम-आधारित तरीके से परिसीमन को संशोधित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि किसी भी राजनीतिक दल के प्रति कोई पक्षपात न दिखाया जाए और प्रक्रिया सच्चे धर्मनिरपेक्ष और प्रशासनिक सिद्धांतों को दर्शाए।

बुर्जू प्रतीक गायब हो सकता है!

GHMC में विलय के बाद बाडंगपेट नगर निगम के नाम बोर्ड से प्रतिष्ठित बाडंगपेट बुर्जू प्रतीक गायब हो सकता है।नागरिक निकाय वर्तमान में अपने नाम बोर्ड पर दो प्रतीकों का उपयोग करता है। तेलंगाना सरकार का आधिकारिक प्रतीक, जिसमें काकतीया कला तोरणम और चारमीनार के साथ सारनाथ सिंह राजधानी शीर्ष पर है, और ऐतिहासिक वाचटावर को दर्शाने वाला बाडंगपेट बुर्जू।

नगर निगम कार्यालय बुर्जू से केवल आधा किलोमीटर दूर है। दक्कन सल्तनतों ने बुर्जू को बड़े किलेबंदी के हिस्से के रूप में बनाया था, जो प्राचीन गाँव के लिए एक रणनीतिक रक्षात्मक कार्य प्रदान करता था और यह संरचना आसपास के क्षेत्र पर एक महत्व-पूर्ण सुविधाजनक स्थान प्रदान करती है।2013 में, तत्कालीन बीआरएस सरकार ने नागरिक निकाय के नाम बोर्ड पर बुर्जू प्रतीक को लगाने का प्रस्ताव दिया था, और तब से यह सभी आधिकारिक पत्राचार में शामिल रहा है।

बीआरएस सरकार ने बुर्जू के आसपास की पहाड़ी को चलने के ट्रैक के साथ एक पार्क में भी बदल दिया और क्षेत्र को स्थानीय लोगों के लिए सुलभ बनाया।विलय के आदेश मिलने के तुरंत बाद, बाडंगपेट नागरिक प्राधिकरणों ने फ्लेक्स बैनर पर GHMC प्रतीक के साथ नगर निगम का नाम ढंक दिया।

एमआईएम को भी आपत्ति

हैदराबाद: ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) ने ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (GHMC) द्वारा जारी प्रारंभिक वार्ड परिसीमन अधिसूचना पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं और सुधार की मांग की है।ऋक्ष्वउ ने छह दिन पहले वार्ड परिसीमन से संबंधित प्रारंभिक अधिसूचना जारी की थी और दावे तथा आपत्तियां आमंत्रित किए थे। सूत्रों के अनुसार, -खचखच् ने चंद्रायनगुट्टा, बहादुरपुरा, राजेंद्रनगर, याकूतपुरा और कुछ अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में कुछ वार्डों की सीमाओं पर आपत्ति जताई है।पार्टी चाहती है कि ऋक्ष्वउ यह सुनिश्चित करे कि वार्ड की सीमाएं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के साथ न मिलें, क्योंकि इससे कुछ मुद्दे पैदा हो सकते हैं। पार्टी ने हाल ही में ऋक्ष्वउ को अपनी आपत्तियां सौंप दी हैं और अंतिम अधिसूचना का इंतजार कर रही है।इस बीच, ऋक्ष्वउ में नए वार्डों की घोषणा से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है और उन्होंने पहले ही टिकटों के लिए लॉबिंग शुरू कर दी है। एक प्रथा के रूप में, पार्टी नेतृत्व किसी भी पार्टी कार्यकर्ता को टिकट देने से पहले स्थानीय विधायक से परामर्श करता है।AIMIM वर्तमान में GHMC में 42 वार्डों का प्रतिनिधित्व करती है। पार्टी सूत्रों ने कहा, अंतिम अधिसूचना जारी होने के बाद, नेतृत्व पार्टी के मुख्य निकाय के साथ चर्चा करेगा और उन सीटों की संख्या पर फैसला करेगा जिन पर वह चुनाव लड़ेगी।

पूरी संभावना है कि पार्टी हैदराबाद, सिकंदराबाद, चेवेल्ला और मलकाजगिरी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेगी। सबसे अधिक उम्मीदवार हैदराबाद और सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्रों से मैदान में उतारे जाएंगे। मलकाजगिरी, मुशीराबाद, सनतनगर, जुबली हिल्स और खैरताबाद विधानसभा क्षेत्रों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के कारण, यदि पार्टी गंभीरता से चुनाव लड़ती है, तो उसे यहां कुछ सीटें जीतने की उम्मीद है।

बाडंगपेट को बेहतर बुनियादी ढांचे की उम्मीद

हैदराबाद: ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (GHMC) में बाडंगपेट नागरिक निकाय का विलय, जिसे भौगोलिक क्षेत्र के मामले में प्रस्तावित 27 शहरी स्थानीय निकायों में सबसे बड़ा बताया गया है, ने स्थानीय लोगों के बीच बेहतर सुविधाओं की आकांक्षाएं बढ़ा दी हैं।इस एकीकरण से परमिट और नियमों को सुव्यवस्थित करने की उम्मीद है, जिससे संभावित रूप से क्षेत्र में अधिक ऊंची इमारतों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। कुछ संपत्ति मालिकों ने कहा, निवासी और डेवलपर्स लंबे समय से भवन मानदंडों में एकरूपता और तेजी से अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विलय से नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार होने और ऊंची इमारतों वाली परियोजनाओं में निवेश को प्रोत्साहित होने की भी उम्मीद है।बाडंगपेट नगर निगम प्राधिकरणों के अनुसार, नागरिक निकाय 74.52 वर्ग किमी में फैला हुआ था। विलय होने तक, बाडंगपेट नागरिक प्राधिकरण अपने पूरे अधिकार क्षेत्र में, जिसमें आठ नगरपालिकाएं शामिल थीं: बाडंगपेट, अलमासगुडा, नादेरगुल, कुरमालगुडा, गुर्रम गुडा, बालापुर (भाग), वेंकटापुर और मामिडीपल्ली, आवासीय और वाणिज्यिक दोनों श्रेणियों के लिए केवल ग्राउंड प्लस दो मंजिलों तक ही भवन निर्माण की अनुमति देते थे।बालापुर नगर पालिका, जो गणेश उत्सवों के दौरान अपनी वार्षिक लड्डू नीलामी के लिए देश भर में प्रसिद्ध है, रक्षा प्रतिष्ठानों के निकट होने के कारण अनूठी चुनौतियों का सामना करती थी, क्योंकि रक्षा प्रतिष्ठानों के 50 मीटर के दायरे में ऊंची संरचनाएं निषिद्ध हैं। बालापुर के कुछ संपत्ति मालिकों ने राय दी, हमें उम्मीद है कि बाडंगपेट के जीएचएमसी में विलय के बाद भवन की ऊँचाई में छूट मिलेगी।आठ नागरिक निकायों में लगभग 200 कॉलोनियों में पर्याप्त सड़क नेटवर्क का अभाव है, जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक कॉलोनियों में औपचारिक सड़कें नहीं हैं। निवासी सड़क चौड़ीकरण और जल आपूर्ति तथा सीवरेज प्रणालियों को मजबूत करने की मांग कर रहे हैं।हालांकि, यहां के कई निवासियों के लिए, विलय का एक चिंताजनक परिणाम संपत्ति करों और पानी के बिलों में संभावित वृद्धि है।

नितिन नबीन को मिली भाजपा की कमान

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार के दिग्गज नेताओं में एक नितिन नबीन को संगठन की जिम्मेदारी सौंप दी है। उन्हें कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। अब तक यह काम केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा संभाल रहे थे। लोकसभा चुनाव के बाद से ही राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की तलाश शुरू हो गई थी। लेकिन, अब बिहार चुनाव में भाजपा की जीत के ठीक महीने बाद राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुन लिया गया है। उन्होंने भाजपा की कोर कमेटी ने संगठन पर मजबूत पकड़ रखने वाले नितिन नबीन को पार्टी की कमान सौंपी। नितिन वर्तमान में नीतीश सरकार पथ निर्माण विभाग और नगर विकास विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

नितिन नवीन भाजपा के बड़े नेताओं से एक और जेपी आंदोलन से राजनीति की शुरुआत करने वाले दिवंगत नबीन सिन्हा के बेटे हैं। 23 मई 1980 पटना में नितिन नवीन का जन्म हुआ है। उनकी 12वीं तक की पढ़ाई दिल्ली में हुई। 2005 में पटना पश्चिम सीट से विधायक रहे 55 साल के नबीन सिन्हा का निधन दिल्ली में हो गया था। उस वक्त नितिन महज 26 साल के थे। भाजपा ने नितिन नबीन को अपने पिता की विरासत संभालेंगे के लिए कहा। लेकिन, शुरू में नितिन नहीं मानें। उनकी मां मीरा सिन्हा ने उन्हें समझाया तो वह मान गए। नितिन चुनावी मैदान में पटना पश्चिम उतरे। उपचुनाव में वह पहली बार जीते। इसके बाद से जो जीत का सिलसिला शुरू हुआ, वह आज तक जारी है।

नितिन नबीन का कद संगठन में भी बड़ा है। इस बात का सबूत उन्हें अलग-अलग समय पर मिलने वाली जिम्मेदारी है। 2008 में उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा, का राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य सह प्रभारी बनाया गया। 2010 से 2013 के बीच नितिन भाजयुमो राष्ट्रीय महामंत्री बने। 2013 में वह आईवीएलपी कार्यक्रम के अंतर्गत 15 दिनों की अमेरिकी यात्रा पर गए। इसके बाद 2016-2019 में वह भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष बने। 2019 में ही उन्हें भाजपा ने सिक्किम राज्य का लोकसभा और विधानसभ चुनाव प्रभारी बना दिया। इसके बाद 2021 से 2024 के बीच नितिन छत्तीसगढ़ में सह-प्रभारी रहे। 2024 में छत्तीसगढ़ के लोकसभा चुनाव प्रभारी बने। जुलाई 2024 से अब तक वह छत्तीसगढ़ के राज्य प्रभारी के रूप में संगठन के दायित्व को देख रहे हैं।

शुभ लाभ न्यूजपेपर के संस्थापक स्वर्गीय श्री गोपाल जी अग्रवाल के कनिष्ठ पुत्र श्री मृदुल जी अग्रवाल व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संजना अग्रवाल ने मुंबई के सुप्रसिद्ध एनकाउंटर स्पेशलिस्ट वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री दया नायक के पुत्र चैतन्या संग जूही के विवाह समारोह के भाग लेकर नव वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। 13 दिसंबर को नवापारा स्थित पंचसितारा होटल सितारा में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में सुपरस्टार सलमान खान, कामेडियन राजपाल यादव व अन्य ने भी शिरकत की।

ऑस्ट्रेलिया: बोंडी बीच पर त्यौहार मना रहे यहूदियों पर हमला, शूटर समेत 12 की मौत

पीएम मोदी ने घटना की निंदा की

सिडनी , 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में प्रसिद्ध बोंडी समुद्र तट पर त्योहार मना रहे यहूदियों पर दो बंदूकधारियों द्वारा की गई

अंधाधुंध फायरिंग में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई है। दो पुलिस अधिकारियों समेत 11 लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने दो हमलावरों में से एक को मार गिराया है, जबकि दूसरा हमलावर पकड़ा गया है और गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। पुलिस ने एक हमलावर की पहचान की है। हमलावर की पहचान 24 वर्षीय नवीद अकरम के रूप में हुई जो सिडनी का रहने वाला है। पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा है।प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीज ने इस घटना को स्तब्धकारी और दुखद बताया है। ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी को आतंकवादी हमला घोषित किया गया है।

पुलिस ने एक हमलावर समेत 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, यह गोलीबारी आठ दिवसीय यहूदी त्योहार हनुक्का की पहली रात को हुई। बंदूकधारियों ने उस वक्त गोलीबारी शुरू कर दी, जब यहूदी त्योहार की शुरुआत के

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

पंकज बन गये यूपी बीजेपी के चौधरी

मिशन 2027: पीडीए की काट, 'कुर्मी' का साथ

लखनऊ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

महराजगंज से सांसद व केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष बन गए हैं। उनके नाम की घोषणा रविवार को औपचारिक तौर पर प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन के केंद्रीय प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने की। शंख ध्वनि के बीच नाम का एलान होते ही डॉ राम मनोहर लोहिया

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय का सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस मौके पर निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने नए अध्यक्ष को भाजपा का झण्डा सौंपा।दरअसल अध्यक्ष पद के लिए पंकज चौधरी ही एकमात्र उम्मीदवार थे, इसलिए नामांकन के दिन ही उनके चुने जाने की तस्वीर साफ हो गई थी। प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की घोषणा होने के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्यों के नाम की घोषणा की। कार्यसमिति के लिए पूरे प्रदेश से 120 सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

राष्ट्रीय कार्यसमिति के लिए निर्वाचित सदस्यों की सूची में प्रमुख रूप से वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लखनऊ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गोरखपुर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रयागराज से केशव प्रसाद मौर्य, उन्नाव से उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भूपेंद्र चौधरी संभल से, स्मृति ईरानी सुल्तानपुर से, महेन्द्रनाथ पांडेय, सूर्यप्रताप शाही, रमापति राम त्रिपाठी सहित अन्य सदस्य शामिल है।

▶10 पर

रामलीला मैदान से राहुल गांधी की हुंकार

भाजपा और चुनाव आयोग को दी चेतावनी, आरएसएस पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली , 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की रैली में रविवार को सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला। साथ ही चुनाव अधिकारियों को हिदायत दी कि वे इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी विचारधारा, हिंदुस्तान की विचारधारा, हिंदू धर्म

और दुनिया के हर धर्म की विचारधारा कहती है कि सत्य सबसे जरूरी है। हिंदुस्तान में सत्य और असत्य के बीच लड़ाई हो रही है। इस लड़ाई में चुनाव आयोग, भाजपा की सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। राहुल गांधी ने ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू, विवेक जोशी पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्य-असत्य की इस लड़ाई में ये चुनाव आयुक्त भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने चुनाव आयुक्तों को बचाने के लिए कानून बदल दिया, जिसमें ये कुछ भी करें, इन पर कोई एक्शन नहीं लिया जा सकता, लेकिन याद रखिए हम इन चुनाव आयुक्तों की रक्षा करने वाले कानून को बदलेंगे और इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।उन्होंने कहा कि गांधीजी कहते थे, सत्य सबसे जरूरी चीज है। हमारे धर्म में 'सत्यम शिवम् सुंदरम' और 'सत्यमेव जयते' के

▶10 पर

मानव जीवन का हर क्षण मूल्यवान है: साध्वी भव्यगुणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वीवी पुरम स्थित पारसमणी पेरल में विराजित साध्वी भव्य गुणा श्री ने कहा कि जब मानव जीवन का हर क्षण मूल्यवान है तो मानव जीवन का ऐसा कौन सा क्षण है, जिसमें वह मानव जीवन का निर्माण करना प्रारंभ करे। जीवन में सोने का भी समय होता है, उठने का भी समय होता है, दुकान खोलने का भी समय होता है, बंद करने का भी समय होता है।

जीवन निर्माण का समय कब, जिस क्षण आत्मा मोक्ष मार्ग पर प्रस्थान करने का सोचती है। वही समय जीवन की महान इमारत निर्माण के लिए शुभ घड़ी है। जीवन के जिस क्षण में आत्म चेतना उजागर हो गई, वही क्षण सर्वश्रेष्ठ। जो मानव जीवन निर्माण के लिए जाग जाएगा उसी क्षण में वह सब कुछ पाएगा, जिस क्षण में आत्म कल्याण की भावना जगती है वही जीवन निर्माण की शुभ घड़ी है। सत्य सहज है। सहजता में जीवन असाधारण होता है। सरलता के बगैर सत्य का सान्निध्य नहीं मिलता। मानव को सहज और सरल जीवन व्यतीत करने का अभ्यास करना चाहिए। सरलता से पृथक होते ही यह जीवन कष्टमय बन जाता है। पद और ज्ञान का दंभ जीवन को जटिलतम बनाता है। सहज और सरल जीवन के माध्यम से प्रयास के बगैर मंजिल मिलती है। सहजता में जीवन असाधारण होता है। साध्वी ने कहा कि सत्य सहज है। सत्य का यथार्थ से संबंध है। सत्य बोलना कठिन नहीं है। जो वास्तविकता है उसे ही कहना है। सत्य में जोडना घटाना और गुणा-भाग नहीं करना पड़ता। झूठ बोलना इसके ठीक विपरीत है। जो नहीं है, वही कहना है। वास्तविकता से दूर जाना पड़ता है। संबंध की दीर्घता में सत्य सरल सेतु है। सत्य को कभी स्मरण नहीं रखना पड़ता। स्वयं स्मृति में रहता है। झूठ को सदा स्मृति पटल पर रखना होता है। झूठ को जितनी बार दोहराते हैं उतनी बार उसका अर्थ बदलता जाता है। झूठ जटिलताएं उत्पन्न करता है, जो मानसिक तनाव का कारण बनकर सरलता नष्ट करती है। सरलता के बगैर सत्य का सान्निध्य नहीं मिलता। जटिलता छोड़ने पर आनंद धारा फूट पड़ती है। निकेश भंडारी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में उवसग्गहरं स्तोत्र के 108 अभिषेक पूजन जाप का आयोजन धूमधाम से संपन्न हुआ। गौतमचंद कांठेड परिवार ने लाभ लिया।

जैन तीर्थ के दर्शन हेतु प्रति वर्ष स्नेह मिलन की परम्परा की शुरुआत हो: आचार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सिद्धाचल स्थूलभद्रधाम जैन तीर्थ चन्द्रहिल्स तीर्थ स्थापक दक्षिणकेसरी आचार्य श्री स्थूलभद्रसूरीश्वरजी व तीर्थप्रेरक शिल्पकलामनीषि आचार्य श्री चन्द्रयशसूरीश्वरजी के दर्शन का लाभ लेकर विस्तार से धर्म चर्चा की व तीर्थ के निर्माण की आगामी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। आचार्य श्री ने बताया कि जिस तरह जैन धर्म के अधिकांश तीर्थंकर क्षत्रिय जाति से हुए हैं व वर्तमान में भी अनेक संप्रदाय के जैन साधु भी जैनेतर जाति से दीक्षा ग्रहण किये हुए हैं अत जैन धर्म के अनुयायियों को भी इस परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। प्रति वर्ष प्रवासी राजस्थानी बंधुओं के लिये भी जैन तीर्थों के दर्शन हेतु स्नेह मिलन के कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। जिससे जैन धर्म को विशेष महत्व प्राप्त होगा व सभी समुदाय को एक दूसरे से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। आचार्य श्री ने इस तीर्थ पर भंडारी परिवार के योगदान की भी सराहना कर उनको आशीर्वाद दिया। श्री मरूधरा जैन संघ के सलाहकार भंवरलाल भंडारी के नेतृत्व में शनिवार को संघ के पूर्व अध्यक्ष डूंगरमल पारख व प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री व मरुधरा जैन संघ के वर्तमान अध्यक्ष डॉ. जवरीलाल लूनावत व उपाध्यक्ष कांतिलाल गुलेच्छा ने जैन तीर्थ के नव निर्माण पर खुशी जाहिर करते हुए गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर कहा कि जिस प्रकार गुरुदेव की दूरदर्शिता व उनके समर्पण भाव से जो निर्माण चल रहा है उससे आगामी कुछ महीनों में इस भव्य तीर्थ स्थल की झलक देखने को मिलेगी। युवा पीढ़ी को भी इस तीर्थ से जोड़कर उनको लाभान्वित करने की दिशा में जो कार्य करवाया जा रहा है उससे निश्चय ही एक नई ऊर्जा व चेतना का संचार होगा। लूनावत ने समस्त जैन समाज के अग्रणी संस्थाओं व संगठनों से भी अनुरोध किया कि इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रखें व आने वाली पीढ़ी को भी इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ाते रहें।

छर्रा लगने से व्यक्ति घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बसवनगुड़ी के 57 साल के एक बिजनेसमैन को उस वक्त चोट लग गई, जब एक छर्रा, जिसके एयरगन से होने का शक है, कथित तौर पर उनकी गर्दन पर लगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उस आदमी की पहचान डी. राजगोपाल के रूप में हुई है और वह उसी इलाके में एक रेस्टोरेंट चलाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना 10 दिसंबर को कृष्णा राव पार्क के पास रात 8 बजे से 8.30 बजे के बीच हुई। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने कहा राजगोपाल एक रिश्तेदार के साथ टहल रहे थे, तभी उन्हें अचानक एक तेज आवाज सुनाई दी और तुरंत उनकी बाईं कान के पीछे, गर्दन के ठीक ऊपर तेज दर्द महसूस हुआ। यह महसूस होने पर कि उन्हें छर्रा लगा हो सकता है, उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया और फिर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उनके बयान के आधार पर, बसवनगुड़ी पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। राज गोपाल को एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनके घाव का इलाज किया गया और उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। अधिकारी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या चोट एयरगन से लगी थी और क्या यह जानबूझकर किया गया हमला था।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ नाद प्रभु केम्पेगौडा चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गंगाम्मा तिम्मय्या विद्या संस्थान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पौधे को जल अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों ने मन भावन सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। ट्रस्ट की तरफ से विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई । मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा बच्चे राष्ट्र का भविष्य है उन्हें अच्छे संस्कारों से पोषित करें। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

पंडितानहल्ली और हेग्गेरे में आरओबी के निर्माण की आधारशिला

राज्य और केंद्र सरकारें एक ही सिक्के के दो पहलू: वी. सोमन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को तुमकुरु जिले के पंडितानहल्ली और हेग्गेरे में रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए, वी. सोमन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य और केंद्र सरकारें एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और उन्हें क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निकट समन्वय में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बार आरओबी पूरा हो जाने के बाद, लोगों को लेवल क्रॉसिंग पर इंतजार नहीं करना पड़ेगा, जिससे बहुमूल्य समय की बचत होगी और सड़क और रेल यातायात दोनों की सुचारू और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित होगी। मंत्री ने बताया कि हेग्गेरे रेलवे स्टेशन को सभी आवश्यक यात्री सुविधाओं के साथ उन्नत किया जाएगा। उन्होंने आगे घोषणा की कि लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए बेंगलूरु-तुमकुरु रेलवे लाइन को चार गुना किया जाएगा।

सोमन्ना ने यह भी कहा कि रायदुर्गा-तुमकुरु और तुमकुरु-दावणगेरे नई रेलवे लाइन परियोजनाओं को तेजी से क्रियान्वित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि बेंगलूरु और मुंबई के बीच प्रस्तावित नई ट्रेन सेवा तुमकुरु में रुकेगी, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को काफी फायदा होगा। इस अवसर पर बोलते हुए, कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि आरओबी कार्यों के शुरू होने से हेग्गेरे और पंडितनहल्ली के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है।

उन्होंने कहा कि चल रही तुमकुरु-रायदुर्गा नई रेलवे लाइन परियोजना के लिए, अधिकांश भूमि अधिग्रहण पहले ही पूरा हो चुका है, और समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए शेष भूमि जल्द ही सौंप दी जाएगी। विधायक, तुमकुरु ग्रामीण सुरेश गौड़ा ने कहा कि अधिकांश लंबित रेलवे कार्यों को शुरू कर दिया गया है और तेज गति से प्रगति हो रही है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरओबी कनेक्टिविटी और सुरक्षा में सुधार करके आबादी के एक बड़े हिस्से को लाभान्वित करेंगे।

भद्रावती में दो लोगों की चाकू मारकर हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भद्रावती के जय भीम नगर में शुक्रवार शाम को कुछ लोगों के ग्रुप ने दो लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी। मरने वालों की पहचान किरण (25) और मंजूनाथ (65) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना एक लव अफेयर के सिलसिले में हुई। भद्रावती का रहने वाला नंदिश कथित तौर पर दो दिन पहले श्रुष्टि नामक महिला के साथ भाग गया था। वे शुक्रवार को शहर लौटे, और पुलिस की मौजूदगी में लड़की ने कथित तौर पर कहा कि वह अपने माता-पिता और रिश्तेदारों को निराश करके अपने दोस्त के साथ रहेगी। लड़का और लड़की एक ही जाति के थे, और दोनों बालिग हैं। बाद में, लड़की के परिवार वालों सहित कुछ लोगों के ग्रुप ने किरण पर हमला किया, उस पर दोनों का साथ देने का आरोप लगाया। जब किरण पर हमला हो रहा था, तो मंजूनाथ नाम के एक सीनियर सिटीजन ने हमलावरों को रोकने के लिए बीच-बचाव किया। लेकिन उन्हें भी गंभीर चोटें आईं और उनकी मौत हो गई। शिवमोग्गा एसपी जी.के. मिथुन कुमार ने मीडिया को बताया कि भद्रावती ओल्ड टाउन पुलिस ने हत्या के सिलसिले में पांच लोगों को हिरासत में लिया है।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से समाजसेविका गवरीदेवी-कानसिंह राजपुरोहित की ओर से नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन रखा गया। शिविर में मैसूरु, बेंगलूरु और मांड्या जिलों के आसपास के गांवों के 195 लोगों ने नेत्र जांच करवाई। चिकित्सकिय परामर्श के बाद 69 लोगों को आंखों के ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय लेकर जाएंगे। कोयम्बत्तूर अरविंद नेत्र चिकित्सालय में आंखों की समस्या से ग्रस्त रोगियों की नि:शुल्क सर्जरी होगी और चश्मे देंगे। समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित (कालापा) ने स्वयं रोगियों की स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनकी सहायता की। इस अवसर पर रोटरी के कृष्ण गौड़ा, सिद्ध गौड़ा, प्रसन्न गौड़ा, मुरली गौपाल, दिलीप सीरवी, श्रीधर, मूर्ति, सुचित्रा, अरविंद नेत्र चिकित्सालय के पीआरओ विजयगंथ, डॉ.चंद्रवदन, डॉ.कुर्थीन शाह, संतोष कंवर, राजेश सिंह, विराट सिंह, वन्य कंवर आदि उपस्थित रहे।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ श्री दक्षिण नाकोड़ा पार्श्व भैरव भक्त मंडल बेंगलूरु एवं जैन दोस्ती फेडरेशन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को तुमकुरु रोड स्थित आदि संस्कार जैन तीर्थ से विशाल संघ दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ श्री संकट मोचन पार्श्व भैरव धाम अरसिकेरे के लिए रवाना हुआ। गौ प्रेमी महेंद्र मुणोत ने जैन ध्वज लहराकर संघ यात्रा बसों को रवाना करते हुए संघ यात्रियों की सफल एवं सुखद यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी। मितेश सुराणा एवं मंडल के सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

सुख शांति दायक है प्रभु पार्श्वनाथ का नाम: साध्वीश्री संयमलता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान, शांतिदूत, महातपस्वी, आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री संयमलताजी के सान्निध्य में 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान की पार्श्व जयंति का आयोजन राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में किया गया। साध्वी जी ने प्रभु पार्श्व की अति महिमा, प्रसिद्धि व प्रभावना का कारण बताते हुए कहा प्रभु पार्श्व ने अनेक जीवों का कल्याण किया। उन्हें संसार मार्ग से ऊपर शाश्वत सुख का रास्ता दिखाया। वे आत्माएं आज भी उनके उपकार को मानती है और जो भक्त भगवान पार्श्व की स्तुति करते है वे उनका सहयोग करते है। भगवान पार्श्व नाम चमत्कारी है। उनका नाम मात्र जीवन का अंधकार दूर कर देता है, मन के सारे मनोरथ पूर्ण कर देता है। आज भी दुनिया उनके नाम से सुख शांति प्राप्त कर रही है। साध्वी मार्दव जी ने प्रभु पार्श्व को रिझाने वाला विशिष्ट आध्यात्मिक अनुष्ठान करवाया। मंत्र व ध्वनि के द्वारा वातावरण व आभामंडल को विशुद्ध बनाते हुए शक्तिशाली नमिऊण का जप करवाया। साध्वी श्री ने कहा मंत्र शक्ति से मन को एकाग्र कर हम अपनी प्राण उर्जा को एक आराध्य पर केन्द्रित करके उस शक्तिशाली प्रभुत्ता संपन्न प्रभु की सकारात्मक उर्जा व पवित्रता से संपर्क साध कर स्वयं भी प्रभुता संपन्न बन जाते है। तेरापंथी सभा, युवक परिषद, महिला मंडल ने पार्श्व स्तुति से सामूहिक मंगलाचरण किया। राजराजेश्वरीनगर के सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ एवं विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल जी कोचर ने प्रभु पार्श्व देव के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की। इस कार्यक्रम में राजराजेश्वरी नगर, विजयनगर, हनुमंतनगर, केगेंरी तथा अन्य क्षेत्रों के पदाधिकारीगण एवं श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही। राजराजेश्वरी नगर एवं विजयनगर सभा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सभा मंत्री गुलाब बांठिया एवं आभार ज्ञापन तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर ने किया।

ऐतिहासिक और चामत्कारिक तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ: साध्वीश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ की जन्मजयंती को दो चरणों में मनाया गया। प्रथम चरण चन्नपट्टना में और द्वितीय चरण मत्तीकेरे स्कूल में मनाया गया। साध्वी पुण्ययशाजी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा भगवान श्री पार्श्वनाथ एक ऐतिहासिक और चामत्कारिक तीर्थंकर थे। वाराणसी उनका जन्म स्थान था। विघ्न निवारणार्थ तथा उपसर्गों को दूर करने के लिए विशेष रूप से उनका स्मरण किया जाता है। उन्होंने सुदूर क्षेत्रों में तथा अनार्य क्षेत्रों में यात्राएं की। जब वे राजकुमार थे उस

समय उन्होंने एक यज्ञ में आहूत की जाने वाली काष्ठ लकड़ी में जल रहे नाग-नागिन के जोड़े को अवधि ज्ञान से जाना। उसे बाहर निकलवाकर नमस्कार महामंत्र सुनाया परिणाम स्वरूप उनकी सद्गति हो गई। वे धरणेन्द्र पद्मावती नामके देव बने और भगवान पार्श्व के अधिष्ठायक देव हो गये। उक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी जी ने भगवान पार्श्वनाथ की स्तुति में निर्मित उवसग्गहर स्तोत्र व कल्याणमंदिर स्रोत्र के ऐतिहासिक और चामत्कारिक घटना प्रसंगों को बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वश्री बोधिप्रभाजी के मंगला-चरण से हुआ। साध्वी वर्धमानयशाजी ने एक गीतिका के माध्यम से भगवान पार्श्वकी स्तुति की। केंगेरी से सुरेश दक, जितेन्द्र घोषल, उत्तम भटेवरा, दिलखुश दक ने भगवान पार्श्वनाथ की महिमा और उनके व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व को व्याख्यायित किया। सभी भाई बहनों ने सामुहिक जप-ानुष्ठान किया। इस अवसर पर मैसूरु, शांतिनगर, हनुमंतनगर, राजराजेश्वरी नगर, मांड्या, इगल्टन, बिड़दी, चन्नपट्टना आदि क्षेत्रों से श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

बसवराज होराट्टी को एमएलसी के तौर पर 45 साल पूरे करने पर किया गया सम्मानित

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के चेयरमैन बसवराज होराट्टी, जिन्होंने शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से लगातार आठवीं जीत का रिकॉर्ड बनाया है, को शनिवार को हुब्बल्ली के नेहरू स्टेडियम में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा भव्य और गर्मजोशी से सम्मानित किया गया। बसवराज होराट्टी अभिनंदन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में, स्पीकर यू.टी. खादर, पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर और बसवराज बोम्मई, केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी, श्रम मंत्री संतोष लाड, विधान परिषद में मुख्य सरकारी सचेतक सलीम अहमद और विधायक एन.एच. कोनारड्डी सहित सभी लोगों ने अनुभवी नेता की शिक्षकों के प्रति प्रतिबद्धता और उनके विनम्र स्वभाव की प्रशंसा की, जिसके कारण उन्हें अपने राजनीतिक विरोधियों से भी प्रशंसा मिली है। यह सम्मान समारोह होराट्टी के

एमएलसी के रूप में 45 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। होराट्टी के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि होराट्टी के साथ उनकी दोस्ती चार दशक पुरानी है और उन्हें वह इसलिए पसंद हैं क्योंकि रिकॉर्ड संख्या में बार जीतने के बावजूद वह विनम्र हैं। उन्होंने कहा होराट्टी को उनके सीधे-सादे स्वभाव के कारण पसंद किया जाता है। परिषद के चेयरमैन के रूप में, उन्होंने निष्पक्ष रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है और इस तरह पद का महत्व बढ़ाया है। कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि वह शिक्षकों के कल्याण के लिए उनके अथक कार्य के लिए उनकी प्रशंसा करते हैं। शिक्षक उनके कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उनसे प्यार करते हैं और उनकी आठवीं रिकॉर्ड जीत इसी का संकेत है। मेरे पिता भी उनके काम के लिए उन्हें पसंद करते थे। राज्य के लिए होराट्टी की सेवा की प्रशंसा करते हुए लाड ने होराट्टी को एक और कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं, जबकि अहमद ने इसे एक दुर्लभ कार्यक्रम बताया जहां विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता उन्हें सम्मानित करने के लिए एक साथ आए थे। शेट्टर ने याद किया कि कैसे होराट्टी दशकों से शिक्षकों के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सबसे अधिक स्कूलों और कॉलेजों को मंजूरी देने का श्रेय होराट्टी को जाता है। उन्होंने कहा कि जबकि वह और जोशी स्नातकों के निर्वाचन क्षेत्र से पाटिल को हराने में कामयाब रहे, वे शिक्षकों के निर्वाचन क्षेत्र में ऐसा नहीं कर सके। हालांकि, उन्होंने कहा कि होराट्टी खुद अब बीजेपी में शामिल हो गए हैं। बोम्मई ने कहा कि होराट्टी, जैसा कि शिक्षक उन्हें प्यार से बुलाते हैं, शिक्षकों के लिए मुख्यमंत्रियों से भी लड़ने में संकोच नहीं करेंगे, लेकिन राजनीतिक जुड़ाव की परवाह किए बिना उनके साथ अच्छे संबंध बनाए रखते थे। खादर ने कहा कि उन्होंने और दूसरों ने होराट्टी से बहुत कुछ सीखा है और उनका संघर्ष दूसरों के लिए प्रेरणा होगा। जोशी ने कहा कि यह कार्यक्रम होराट्टी के गैर-राजनीतिक व्यक्तित्व का आईना था। जबकि कुछ नेता ऐसे हैं जिन्होंने रिकॉर्ड संख्या में चुनाव जीते हैं, होराट्टी का रिकॉर्ड अलग है क्योंकि उन्होंने शिक्षकों की दो पीढ़ियों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल की है। होराट्टी ने कहा कि वह सम्मान समारोह के गैर-राजनीतिक स्वभाव से खुश हैं। उन्होंने कहा मैं आपके प्यार के लिए आपका आभारी हूं और मैं ईमानदारी से सेवा करके आपका कर्ज चुकाने का वादा करता हूं।

पूर्व विधायक बनीं जीवनरक्षक: अंजलि निंबालकर ने फ्लाइट में अमेरिकी महिला की जान बचाई

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

खानापुर की पूर्व विधायक और एआईसीसी गोवा की प्रभारी डॉ. अंजलि निम्बालकर ने शनिवार को गोवा से नई दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट में एक अमेरिकी महिला की जान बचाई। टेक-ऑफ के कुछ ही मिनटों बाद, कैलिफोर्निया की रहने वाली जेनी नाम की महिला की तबीयत अचानक बहुत खराब हो गई, उसे तेज कंपकंपी और बेहोशी आने लगी। उसका ब्लड प्रेशर बहुत कम हो गया था, और उसकी पल्स लगभग महसूस नहीं हो रही थी।

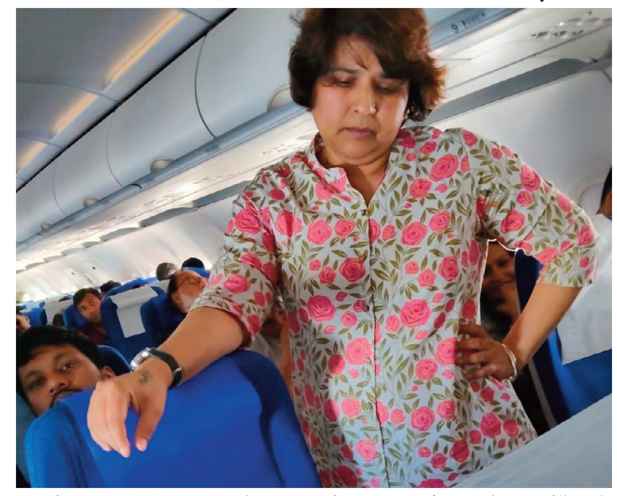

जेनी बेहोश हो गई और उसे दौरे पड़ने लगे। उसी फ्लाइट में यात्रा कर रही डॉ. अंजलि तुरंत मदद के लिए आगे आईं। उन्होंने तुरंत कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन दिया, जो दिल की समस्याओं के लिए एक जीवन बचाने वाला इलाज है। जेनी की हालत थोड़ी स्थिर हुई और वह अपनी सीट पर वापस बैठ गई, लेकिन आधे घंटे बाद वही लक्षण फिर से दिखने लगे। डॉ. अंजलि उसके पास रहीं, लगातार इमरजेंसी केयर देती रहीं, और आखिरकार उसकी जान बचा ली। जब प्लेन लैंडिंग की तैयारी कर रहा था, तो डॉ. अंजलि ने फ्लाइट क्रू के साथ मिलकर यह सुनिश्चित किया कि रनवे पर एक एम्बुलेंस इंतजार कर रही हो। पहुंचते ही जेनी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए, जिसमें कई लोगों ने 30,000 फीट की ऊंचाई पर डॉ. अंजलि की बहादुरी की तारीफ की, जिससे यात्रियों और एयरलाइन स्टाफ ने भी उनके साहस और सूझबूझ के लिए उनकी प्रशंसा की। इस अनुभव के बारे में बताते हुए डॉ. अंजलि ने कहा, जेनी मौत के कगार पर थी। एक पल के लिए मैं भी डर गई थी। लेकिन मैंने उसे बचाने के लिए जो भी जरूरी था, वह किया। जब उसकी हालत थोड़ी स्थिर हुई, तो जेनी ने कहा, आप मेरे लिए एक फरिश्ता बनकर आईं। उन्होंने आगे कहा, ऐसी इमरजेंसी डिहाइड्रेशन, खाने-पीने की समस्याओं, या दवाओं के रिएक्शन से भी हो सकती है। तुरंत इलाज न मिलने पर दिल कुछ ही सेकंड में बंद हो सकता है। फ्लाइट में मेडिकल सुविधाएं होने के बावजूद, जान बचाना बहुत मुश्किल होता है। फ्लाइट में कम से कम बेसिक मेडिकल उपकरण होने चाहिए। एक सेट भी बहुत मददगार हो सकता है।

परिवहन निगम की बसों के दुर्घटनाग्रस्त होने और खराब होने की स्थिति में आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी ने परिवहन निगमों की बसों के दुर्घटनाग्रस्त होने और खराब होने की स्थिति में तत्काल मदद के लिए स्पंदन वाहन लॉन्च किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इन वाहनों को मोबाइल वर्कशॉप मॉडल में शामिल करने का इरादा है ताकि दुर्घटना या खराबी की स्थिति में केएसआरटीसी बसों की शीघ्र मरम्मत की जा सके। उन्होंने कहा इन वाहनों को बेंगलूरु और मैसूरु में केंद्रीय स्थानों पर तैनात किया जा रहा है, जिससे बेंगलूरु, तुमकुरु, कोलार, चिक्कबल्लापुर, मैसूरु, मांड्या के आसपास के क्षेत्रों में होने वाली दुर्घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया की सुविधा मिलेगी। केम्पेगौड़ा बस स्टैंड और मैसूरु रोड बस स्टैंड से राज्य के विभिन्न हिस्सों और अंतरराज्यीय के लिए विभिन्न प्रकार की बसें संचालित हो रही हैं। यह वाहन उस समय यातायात समस्या के समाधान में सहायक होगा जब उक्त बसें तकनीकी खराबी के कारण जगह-

जगह खराब हो जाती हैं, जिससे जनता को असुविधा होती है। इसलिए, केम्पेगौड़ा बस स्टैंड और मैसूरु रोड बस स्टैंड के तकनीकी कर्मचारियों के लिए एक मोबाइल वर्कशॉप वाहन जोड़ने का प्रस्ताव है ताकि वाहन के खराब होने, दुर्घटना के समय स्पेयर पार्ट्स, अन्य सहायक उपकरण के साथ संबंधित स्थानों पर तुरंत जाकर वाहन की मरम्मत की जा सके। बसों की दुर्घटना (ब्रेक डाउन) की स्थिति में चालक, परिचालक को तत्काल सहायता प्रदान करने तथा घायलों को नजदीकी अस्पताल तक पहुंचाने के लिए भी स्पंदन वाहन उपयोगी है। प्रत्येक वाहन की कीमत 7.22 लाख रुपये होगी। उन्होंने बताया कि जनवरी-2026 के अंत तक अतिरिक्त 10 नए वाहन जोड़े जाएंगे और इन वाहनों को शेष जिलों को सौंपा जाएगा। इस अवसर पर नॉर्थ वेस्ट ट्रांसपोर्ट के चेयरमैन भरमागौड़ा (राजू) अला गौड़ा कागे, कल्याण कर्नाटक ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के अरुणकुमार एमवाई, पाटिल, बीएमटीसी के चेयरमैन वीएस अराध्य, केएसआरटीसी के वाइस चेयरमैन मोहम्मद रिजवान, नवाब, प्रबंध निदेशक अकरमपाशा, बीएमटीसी के एमडी शिवकुमार, नॉर्थ वेस्ट ट्रांसपोर्ट के एमडी प्रियंगा, कल्याण कर्नाटक ट्रांसपोर्ट के एमडी डॉ. सुशीला और अन्य मौजूद थे।

कांग्रेसी हार से नहीं डरते और जीत पर गर्व नहीं करते: डी.के.शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी.के.शिवकुमार ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बलिदान के बारे में कहा कि कांग्रेसी हार से नहीं डरते और जीत पर गर्व नहीं करते। दिल्ली के कर्नाटक भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोटों में धांधली के खिलाफ हो रहे विरोध को दबाने के लिए तरह-तरह की कवायद कर रही है। मतदाता धोखाधड़ी विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए कर्नाटक से दो हजार से अधिक नेता पहुंचेंगे। केपीसीसी की ओर से 1500 लोगों के लिए व्यवस्था की गयी थी। उन्होंने कहा लोग इससे आगे आ गए हैं। केंद्र सरकार विरोध प्रदर्शन को विफल करने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रही है।

दिल्ली आने वाले वाहनों को रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि विरोध से केंद्र सरकार चाहे कितनी भी हिल जाए, हमारा विरोध सफल होगा। कर्नाटक में वोटों में धांधली के खिलाफ 1 करोड़ 42 लाख हस्ताक्षर जुटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वह विरोध स्वरूप इसे वरिष्ठों को सौंप देंगे। हम बीजेपी के प्रयासों से डरने वाले नहीं हैं, हम देश के 140 करोड़ लोगों के मताधिकार को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें कोई राजनीति नहीं है। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वालों के लिए काली टी-शर्ट विशेष रूप से दिल्ली की ठंड के लिए डिजाइन की गई थी। मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को यह कहते हुए सुना है कि कांग्रेस अपनी हार की हताशा के कारण विरोध कर रही है। उन्हें अपनी खुशी के लिए कुछ भी बात करने दें। कांग्रेस पार्टी जीत-हार के बारे में नहीं सोचती। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी के वरिष्ठों ने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया है। हम देश में एक संविधान लेकर आये हैं। सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री का पद आर्थिक विशेषज्ञ मनमोहन सिंह के लिए छोड़ दिया। जवाहर लाल नेहरू और महात्मा गांधी जेल में थे। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने अपने प्राणों की आहुति दी। डीके शिवकुमार ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे अब मुश्किल हालात में पार्टी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह कांग्रेस दफ्तर जाकर वरिष्ठों से मुलाकात करेंगे। इस बीच डीके शिवकुमार ने दिल्ली में कई विधायकों और मंत्रियों से मुलाकात की और बातचीत की।

अगर होराट्टी हमारी तरफ आते हैं तो वह पद पर बने रहेंगे: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधान परिषद के चेयरमैन बसवराज होराट्टी को विधान परिषद के सदस्य के तौर पर 45 साल पूरे होने पर जो शानदार और गर्मजोशी भरा सम्मान दिया गया, उससे यह संभावना दिखती है कि सत्ताधारी पार्टी आखिरकार इस अहम पद पर अपने ही सदस्य को लाने की कोशिश करेगी। बसवराज होराट्टी के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए और उनकी तारीफ करते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने यह बताने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि होराट्टी इस कुर्सी पर इसलिए हैं क्योंकि इस समय विधान परिषद में कांग्रेस के पास जरूरी संख्या नहीं है। वह मेरे दोस्त हैं, लेकिन राजनीति अलग है। एक राजनीतिक विरोधी के तौर पर मैंने उन्हें हराने की कोशिश की है, लेकिन नहीं हरा पाया। व्यक्तिगत रूप से मैं चाहता हूं कि वह जीतें लेकिन राजनीतिक रूप से मैं चुनाव में उन्हें हराने की कोशिश करूंगा। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी की इस टिप्पणी के जवाब में कि वह (होराट्टी) सिद्धरामैया के कार्यकाल के दौरान चेयरमैन बने रहेंगे, मुख्यमंत्री ने कहा कि होराट्टी इसलिए बने हुए हैं क्योंकि इस समय परिषद में उनके पास संख्या नहीं है। आने वाले परिषद चुनावों के बाद, मुझे विश्वास है कि हमारे पास बहुमत होगा। हल्के-फुल्के अंदाज में, उन्होंने कहा अभी तक, उन्होंने बीजेपी टिकट पर चुनाव जीता है। लेकिन अगर वह हमारी तरफ आते हैं, तो वह बने रह सकते हैं। मुख्यमंत्री की टिप्पणी ने चेयरमैन के पद पर अपना उम्मीदवार रखने की कांग्रेस के अंदर बढ़ती मांग की और पुष्टि कर दी है, हालांकि होराट्टी सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के साथ अच्छे संबंध रखते हैं।

दिल्ली में एआईसीसी के वरिष्ठ नेताओं के साथ शिवकुमार की बैठक चर्चा का विषय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को दिल्ली में एआईसीसी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की, वहीं सत्ता साझेदारी पर गंभीर चर्चा हो रही है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने आए नेताओं के लिए रात्रिभोज की व्यवस्था की थी। जिसमें से चुनिंदा नेताओं को ही बोजन की बैठक में बुलाया गया था। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और बीके हरिप्रसाद को भी आमंत्रित किया गया था। सिद्धरामैया देर से दिल्ली पहुंचे। डी.के. शिवकुमार शनिवार को दिल्ली पहुंचे और अपनी राजनीतिक गतिविधियां शुरू कीं। कई विधायकों और मंत्रियों ने कर्नाटक भवन में डीके शिवकुमार से मुलाकात की और बातचीत की। बाद में डिनर पार्टी में शामिल हुए डीके शिवकुमार ने एआईसीसी

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत महत्वपूर्ण नेताओं से मुलाकात की। सूत्रों का कहना है कि डीके शिवकुमार ने अपनी दलील वरिष्ठ अधिकारियों को बता दी है। कर्नाटक में सत्ता साझेदारी की चर्चाएं काफी जोरों पर हैं। डीके शिवकुमार के करीबी विधायक इकबाल हुसैन ने घोषणा की है कि डीके शिवकुमार 6 या 9 जनवरी को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। विधान परिषद के सदस्य, डॉ. यतींद्र, जो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के बेटे हैं, ने स्पष्ट किया कि राज्य में नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं हुआ है और सिद्धरामैया खुद कार्यालय में 5 साल पूरे करेंगे। इस पर अक्सर बहस होती रहती है। पिछले महीने सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार के बीच सत्ता साझेदारी को लेकर लगातार चर्चा हुई थी। स्थिति चरम पर पहुंचने पर आलाकमान नेताओं ने हस्तक्षेप कर निर्देश दिये। तदनुसार, सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार के बीच दो नाश्ता बैठकें हुईं। तब नेताओं के बीच एक अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की गई। लेकिन नेताओं और विधायकों के बीच सत्ता बंटवारे का विवाद लगातार गहराता जा रहा है।

राज्य में पिछले एक हफ्ते से कड़ाके की ठंड पड़ रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में पिछले एक हफ्ते से कड़ाके की ठंड पड़ रही है और लोग ठंडी हवाओं से परेशान हैं। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में काफी गिरावट आई है। मौसम की गड़बड़ी की वजह से कल्याण कर्नाटक और नॉर्थ कर्नाटक के जिलों में न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि ठंडी हवाएं आ रही हैं और लोगों से सावधानी बरतने को कहा गया है। ठंड दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। रात में जमा देने वाली ठंड के साथ-साथ सुबह कई जगहों पर कोहरा भी पड़ रहा है। साथ ही, बार-बार ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिससे ठंड और भी बढ़ रही है। दिन में भले ही गर्मी हो, लेकिन ठंडी हवाओं की वजह से ठंड बढ़ रही है। इसलिए, लोगों ने स्कार्फ समेत गर्म कंबल का सहारा लिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, बीदर में न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे ठंड से लोग कांप रहे हैं। कारवार में अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तटीय इलाकों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, राज्य के बाकी जिलों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया जा रहा है। ऐसे ही हालात चार से पांच दिनों तक बने रहने की संभावना है। बेलगावी में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री, विजयपुरा में 10, धारवाड़ में 9.5, गदग में 10.6, कलबुर्गी में 15, कोप्पल में 13.3, हावेरी में 10.2, अगुम्बे में 9.3, बेंगलूरु शहर में 14.5, केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में 12.9, चित्रदुर्ग में 14.9, दावणगेरे में 9, हासन में 8.7, मांड्या, चिंतामणि में 11.2, मैसूरु में 15.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 28-29 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है।

मछली पकड़ने वाली नाव आग में जलकर हुई नष्ट

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मशरिक नाम की एक मछली पकड़ने वाली नाव, जो मछली पकड़ने के लिए गहरे समुद्र में गई थी, आग में जलकर नष्ट हो गई। नाव मालिक फातिमा शफा ने मेंगलूरु तटीय सुरक्षा पुलिस स्टेशन और मत्स्य पालन विभाग के उप निदेशक से शिकायत की है। नाव 10 दिसंबर को सुबह 4.30 बजे सात मछुआरों को लेकर मेंगलूरु बंदरगाह से निकली थी। उसी दिन शाम लगभग 6.15 बजे, मेंगलूरु तट से लगभग 12 समुद्री मील दूर मछली पकड़ने के दौरान, मछुआरों ने नाव के इंजन कक्ष से अचानक आग की लपटें निकलते देखीं। हालांकि आग बुझाने की कोशिशें की गईं, लेकिन वे असफल रहीं। इसके बाद चालक दल ने पास की मछली पकड़ने वाली मिजान नामक नाव से मदद मांगी, जो उसी क्षेत्र में चल रही थी। मछुआरों को सुरक्षित रूप से सहायक नाव में स्थानांतरित कर दिया गया और वे सुरक्षित बच गए। हालांकि, नाव पूरी तरह से आग की लपटों में घिर गई और नष्ट हो गई। शिकायत में कहा गया है कि यह घटना सूरथकल और कौप के बीच गहरे समुद्र में हुई, जिससे लगभग 1 करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ।

दुनियाभर में कर पारदर्शिता का अग्रदूत बना भारत

172 देशों ने टैक्स चोरी रोकने में इंडिया की पहल को सराहा

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।
एक तरफ पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देश में हवाला नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी लेन-देन और बेनामी संपत्तियों में निवेश जैसी अवैध अर्थव्यवस्था का बोलबाला है, वहीं भारत की टैक्स पारदर्शिता नीति की दुनियाभर में प्रशंसा हो है और उदाहरण के तौर पर पेश किया जा रहा है।

172 सदस्य देशों वाले वैश्विक मंच 'आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी)' ने भारत को वैश्विक कर पारदर्शिता के क्षेत्र में मजबूत चैंपियन'' करार देते हुए कहा है कि आफशोर टैक्स चोरी के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता से उल्लेखनीय नतीजे सामने आए हैं।

हालिया अभियान के तहत करदाताओं द्वारा 29,000 करोड़ से अधिक की अघोषित विदेशी संपत्तियों का खुलासा किया गया है।ओईसीडी सचिवालय की प्रमुख जायदा मनाटा ने एक साक्षात्कार में कहा कि यह उपलब्धि कर पारदर्शिता और सूचनाओं के स्वचालित आदान-प्रदान (एईओआइ) मानकों को लागू करने के प्रति भारत की गंभीरता को दर्शाती है।

मनाटा हाल ही में दो से चार दिसंबर के बीच नई दिल्ली में आयोजित 'टैक्स उद्देश्यों के लिए पारदर्शिता और सूचना के आदान-प्रदान पर वैश्विक मंच' की वार्षिक पूर्ण बैठक

में भाग लेने भारत आई थीं।172 देशों की सदस्यता वाला ये वैश्विक फोरम 'ओईसीडी' आर्थिक और सामाजिक नीतियों को बढ़ावा देने के लिए दुनियाभर में जाना जाता है।

इसका मुख्यालय फ्रांस में स्थित है। उन्होंने कहा कि भारत 2009 से ही वैश्विक मंच के कार्यों का सक्रिय समर्थन कर रहा है और आफशोर टैक्स चोरी के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

कामन रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड (सीआरएस) के तहत वित्तीय खातों की स्वचालित जानकारी साझा करने के लिए भारत ने आवश्यक कानूनी ढांचा तैयार कर लिया है और इसका प्रभावी क्रियान्वयन जारी है।

अभियानमनाटा के अनुसार, आयकर विभाग और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा शुरू किए गए 'नान-इंट्रूसिव यूसेज आफ डाटा टू गाइड एंड इनेबल' (एनयूडीजीई-नज) अभियान से ठोस परिणाम मिले हैं। इस पहल के तहत विदेशी संपत्तियों की रिपोर्टिंग करने वाले करदाताओं की संख्या में 45.17 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि लगभग 29,200 करोड़ की संपत्तियां और 1,089 करोड़ की विदेशी आय घोषित की गई।

सीबीडीटी ने नवंबर 2024 में पहला 'नज' अभियान शुरू किया था, जिसके बाद नवंबर 2025-26 आकलन वर्ष के लिए दूसरा चरण भी शुरू किया गया है। ओईसीडी अधिकारी ने कहा कि एईओआइ व्यवस्था के तहत 2024 में 17.1 करोड़ खातों से जुड़ी 13 खरब की जानकारी का आदान-प्रदान हुआ, जिससे सदस्य देशों को बड़ा लाभ मिला है।

मनाटा ने यह भी बताया कि ओईसीडी अब क्रिप्टोकरेंसी जैसी नई परिसंपत्ति श्रेणियों को कर पारदर्शिता के दायरे में लाने पर काम कर रहा है। क्रिप्टो एसेट रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क (सीएआरएफ) के तहत 2027 से देशों के बीच डाटा साझा होने की उम्मीद है। अगली ग्लोबल फोरम पूर्ण बैठक 2026 में युगांडा में प्रस्तावित है।

हॉर्नबिल महोत्सव भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक : मोदी

नई दिल्ली , 14 दिसंबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव की सराहना की है और इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का सशक्त प्रतीक बताया है।

श्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा एक अखबार में हॉर्नबिल महोत्सव को लेकर लिखे गये लेख को साझा किया है और इसकी प्रशंसा करते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक समृद्धि तथा जनजातीय विरासत की चिरस्थायी जीवंतता का एक शक्तिशाली प्रतीक बताया है।

उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर एक नये, आत्मविश्वासी भारत का चेहरा प्रस्तुत करता है।

नागालैंड की अनूठी सांस्कृतिक पहचान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह राज्य केवल एक महोत्सव की मेज़बानी नहीं करता, बल्कि स्वयं में एक उत्सव का प्रतीक है, जो 'त्योहारों की भूमि' के गौरवशाली नाम को सही सिद्ध करता है।

श्री सिंधिया ने एक अंग्रेजी अखबार में नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव में पूर्वोत्तर की झलकियां नाम से एक लेख लिखा है, जिसे श्री मोदी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा किया है। श्री मोदी ने लिखा कि नागालैंड का हॉर्नबिल महोत्सव मानवीय भावना के विविध रंग और प्राचीन तथा आधुनिकता के अद्भुत समन्वय के रूप में चित्रित करता है। उन्होंने कहा, ''जब हमारा पूर्वोत्तर प्रकाशमान होगा, तभी समूचा राष्ट्र उन्नति की ऊंचाइयों को छूएगा।''

उल्लेखनीय है कि नागालैंड की समृद्ध संस्कृति और जीवन शैली को प्रस्तुत करने वाला यह महोत्सव नागालैंड की लड़ाकू जनजातियों का सबसे बड़ा उत्सव है। इसे 'त्योहारों का त्योहार' भी कहा जाता है। इस हर साल एक से 10 दिसंबर यानी दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में मनाया जाता है।

कानून-व्यवस्था ढाका की जिम्मेदारी : भारत

बांग्लादेश के आरोपों पर भारत का सख्त जवाब

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।
भारत और बांग्लादेश के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के आरोपों पर भारत ने कड़ा जवाब दिया है। भारत ने साफ कहा है कि उसने कभी भी अपनी जमीन का इस्तेमाल बांग्लागेश के खिलाफ गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया और वह हमेशा वहां स्वतंक्ष, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनावों के पक्ष में रहा है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से जारी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लगाए गए आरोपों को वह पूरी तरह खारिज करता है। मंत्रालय ने दोहराया कि भारत की नीति इस मुद्दे पर पहले जैसी ही है और उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत लगातार यह कहता रहा है कि बांग्लादेश में शांत माहौल में सभी को शामिल करते हुए भरोसेमंद चुनाव होने चाहिए।भारत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश ने भारत में तैनात अपने उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को विदेश मंत्रालय बुलाया। बांग्लादेश ने भारत में रह रहीं शेख हसीना को लेकर गहरी चिंता जताई। ढाका का आरोप है कि शेख हसीना भारत से ऐसे बयान दे रही हैं, जो बांग्लादेश में नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिंसक और आतंकी गतिविधियों के लिए उकसा सकता है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि वह बांग्लादेश को अस्थिर करने की किसी भी कोशिश में शामिल नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने कभी भी अपनी जमीन से बांग्लादेश के लोगों के हितों के खिलाफ गतिविधियों की इजाजत नहीं दी।साथ ही, भारत ने यह भी कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखे।

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में महिला अधिकारियों को प्राथमिकता दें सभी राज्य : केंद्र

नई दिल्ली , 14 दिसंबर (एजेंसियां)।
केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति के लिए महिला अधिकारियों और अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अधिकारियों को मनोनीत करने को कहा है ताकि उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्रदान किया जा सके।

कार्मिक मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों को भेजे पत्र में केवल उन्हीं अधिकारियों के नामांकन मांगे हैं, जिनके कम से कम दो वर्षों तक पदोन्नति का लाभ उठाने के आधार पर वापस बुलाए जाने की संभावना नहीं है।

प्रायोजित अधिकारियों को केंद्रीय कर्मचारी योजना (सीएसएस) के अंतर्गत पदों पर और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) और अन्य केंद्रीय सरकारी संगठनों में मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) के पदों पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाना है। सीवीओ सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार की जांच करने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग की एक दूरस्थ शाखा के रूप में कार्य करते हैं।10 दिसंबर को भेजे पत्र में कहा गया है, ''महिलाओं और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अधिकारियों के पर्याप्त नाम भेजे जाएं ताकि उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिल सके।'' इसमें यह भी कहा

गया है कि आवेदक की सतर्कता स्थिति को प्रभावित करने वाली किसी भी जांच/शिकायत/कार्यवाही का विवरण भी भेजा जाए।

पत्र में कार्मिक मंत्रालय ने कहा कि राज्यों से केंद्र में अधिकारियों का इस प्रकार का स्थानांतरण क्षमताओं के निर्माण और भारत सरकार में राज्य के दृष्टिकोण को विकसित करने या राज्य में निर्णय लेने के स्तर पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण को विकसित करने में योगदान देने के लिए महत्वपूर्ण है।

कार्मिक विभाग में अतिरिक्त सचिव मनीषा सक्सेना द्वारा जारी पत्र में कहा गया है, ''मैं आपका ध्यान आ-इएएस अधिकारियों के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति रिजर्व (सीडीआर) आंकड़ों की ओर भी आकर्षित करना चाहूंगी, जो यह निर्धारित करते हैं कि भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर कितने अधिकारी भेजे जा सकते हैं। उचित कैडर प्रबंधन के लिए केंद्रीय कर्मचारी योजना के तहत केंद्र में पर्याप्त संख्या में अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति आवश्यक है।''

राहुल गांधी पर आचार्य प्रमोद कृष्णम का तीखा हमला, कहा- वोट नहीं, अक्ल चोरी हो गई है

संभल , 14 दिसंबर (एजेंसियां)। कल्कि पीठ के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने रविवार को कांग्रेस और राहुल गांधी की दिल्ली में हुई रैली पर जुबानी हमला बोला है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कांग्रेस की सियासत और नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में राहुल गांधी की रैली पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस देश में करीब 60 साल तक शासन किया है। अगर आज राहुल गांधी वोट चोरी की बात कर रहे हैं तो क्या कांग्रेस की सरकारें भी वोट चोरी करके बनी थीं? क्या कांग्रेस ने वोट चोरी करके इतने साल तक सरकार बनाई है? आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि वोट चोरी नहीं हो रही, बल्कि राहुल गांधी की अक्ल चोरी हो गई है। किसी ने उनकी समझ-बूझ चुरा ली है, इसलिए उन्हें थाने जाकर एफआईआर दर्ज करानी चाहिए कि मेरी अक्ल मुझे वापस दिलाई जाए। राहुल गांधी को अपनी अक्ल खोजनी चाहिए, वो वोट खोज रहे हैं, इसलिए नहीं मिल रही है।

विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि जब से विपक्ष ने राहुल गांधी को अपना नेता माना है, तब से उनके दिमाग में कब्र जिहाद

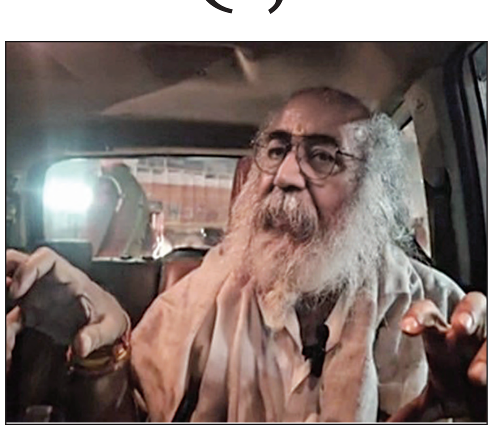

और पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे मुद्दे ही चलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के विचारों में भारत माता की जय, वंदे मातरम्, राम मंदिर, रामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद नहीं हैं, बल्कि उनके विचारों में जिन्ना, कब्र और जिहाद जैसे शब्द चलते हैं। उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस को फातिहा पढ़ने की ट्रेनिंग देनी चाहिए।

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राजस्थान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें 2029 में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनने की बात कही गई थी। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि देश का प्रधानमंत्री ताली बजाने वाले नहीं, बल्कि देश की जनता बनाती है। प्रधानमंत्री का फैसला जनता करती है, किसी मंच पर बैठे लोग नहीं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कॉन्फिडेंस को लेकर राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि आज नरेंद्र मोदी सिर्फ भारत के नेता नहीं, बल्कि पूरे विश्व के नेता बन चुके हैं। अमेरिका, रूस, सऊदी अरब, ईरान, इजराइल, जापान और फ्रांस तक में मोदी-मोदी हो रहा है। ऐसा नजारा दुनिया ने पहले कभी नहीं देखा। राहुल गांधी यह बात कभी नहीं समझ सकते क्योंकि उनका खुद का कॉन्फिडेंस कमजोर हो चुका है। असल में राहुल गांधी का कॉन्फिडेंस कमजोर हो रहा है, इसलिए वे बेबुनियादी बातें कर रहे हैं।आचार्य प्रमोद कृष्णम ने वोट चोरी रैली में गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ दिए गए बयान पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बाद अगर किसी में साहस और हिम्मत है तो वह देश के गृहमंत्री अमित शाह हैं, जिन्होंने धारा 370 हटाकर देश को मजबूत करने का काम किया। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि भारत के स्वर्णिम इतिहास में सरदार पटेल और अमित शाह दोनों का नाम लिखा जाएगा।

अहमदाबाद के ब्रिजों पर हाइट बैरियर लगाने का फैसला एक्सपर्ट रिपोर्ट के बाद

अहमदाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (एएमसी) की सीमा में आने वाले सभी ब्रिजों पर फिलहाल हाइट बैरियर नहीं लगाए जाएंगे। शहर के ब्रिजों पर हाइट बैरियर लगाने को लेकर पहले की गई घोषणा को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। अब इस संबंध में अंतिम निर्णय एक्सपर्ट एजेंसी की रिपोर्ट और सिफारिशों के बाद ही लिया जाएगा। दरअसल, गुजरात हाईकोर्ट और राज्य सरकार की ओर से राज्य के सभी ब्रिजों पर उनकी लोडिंग क्षमता दर्शाने वाले डिजाइन कैपेसिटी सूचना साइन बोर्ड लगाने तथा पुराने और संवेदनशील ब्रिजों पर प्रतिबंधात्मक हाइट बैरियर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के अनुपालन में अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अपनी सीमा में आने वाले सभी ब्रिजों की विस्तृत तकनीकी जांच शुरू की है। एएमसी द्वारा कराई जा रही इस जांच के तहत प्रत्येक ब्रिज की मौजूदा स्थिति, संरचनात्मक मजबूती, डिजाइन क्षमता और सुरक्षा मानकों का गहन मूल्यांकन किया जा रहा है। निगम का स्पष्ट कहना है कि हाइट बैरियर लगाने से पहले यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इससे ब्रिज की संरचना, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। निगम प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि फिलहाल हाइट बैरियर लगाने के लिए किसी भी एजेंसी की नियुक्ति नहीं की गई है। इस विषय में कोई भी ठोस कदम केवल एक्सपर्ट एजेंसी की रिपोर्ट मिलने और उसकी सिफारिशों का अध्ययन करने के बाद ही उठाया जाएगा।

यह पूरी प्रक्रिया राज्य विकास एवं गृह निर्माण विभाग के निर्देशों और म्युनिसिपल कमिश्नर द्वारा प्रोजेक्ट रिव्यू मीटिंग में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित की जा रही है। वर्तमान में ब्रिज एक्सपर्ट्स के साथ परामर्श जारी है और परामर्श पूरा होने के बाद ही हाइट बैरियर लगाने के संबंध में उचित और अंतिम निर्णय लिया जाएगा। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि शहर के ब्रिजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कोई भी कदम तकनीकी जांच और विशेषज्ञों की सलाह के बाद ही उठाया जाएगा।

11 साल में भारत और भारतीयों के प्रति दुनिया का बदला नजरिया : योगी

पंकज चौधरी की ताजपोशी पर बोले ,अनुभवी कार्यकर्ता को मिली जिम्मेदारी

लखनऊ, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का स्वागत और अभिनंदन करते हुए सीएम योगी ने कहा, एक अनुभवी कार्यकर्ता को प्रदेश अध्यक्ष को जिम्मेदारी दी गई है। वह सरकार और संगठन एक नई ऊर्जा के साथ प्रधानमंत्री के मिशन को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा,भूपेंद्र चौधरी का योगदान अतुलनीय था। संगठन सृजन का दायित्व पूर्णाहुति की ओर आ पहुंचा है। 11 साल में पूरी दुनिया का नजरिया भारत और भारतीयों के प्रति बदला है। जो लोग भारतीयों को हेय दृष्टि से देखते थे, उन्हें अब भारत में क्षमता दिखती है। सीएम योगी ने कहा, 11 साल से भारत को दुनिया के सबसे यशस्वी नेता नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन मिल रहा है। डबल इंजन की ताकत और स्पीड से काफी कुछ बदला है। बीमारू राज्य से आगे निकलकर यूपी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बनकर उभरा है। यूपी दंगामुक्त हुआ है। यूपी में निवेश आए हैं। पौने नौ लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी मिली है। डेढ़ करोड़ युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया। 6 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी होनी है। पीयूष जी का धन्यवाद कि जैसे ही हमने उनसे उत्तर प्रदेश के लिए कुछ मांगा, उन्होंने तत्काल उसे स्वीकृत किया। यूपी में निवेश इसलिए आया क्योंकि राजनीतिक स्थिरता थी, प्रधानमंत्री का सहयोग था, डबल इंजन सरकार की ताकत थी। कोई रामभक्त पर कोई उंगली नहीं उठा सकता था। कोई सोच सकता था पहले? पहले जब रामभक्त कहते थे रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे। लोग कहते थे, ऐसे ही कह रहे। अब कह सकते हैं क्या? अयोध्या में रामजन्म भूमि, विंध्याचल, नैमिष, भगवान बुद्ध से जुड़े तीर्थ स्थलों का विकास, पश्चिम में शुक तीर्थ, मथुरा वृंदावन, बरसाना का विकास हुआ।2017 से पहले यूपी में हो रही बिजली कटौती पर तंज कसते हुए सीएम योगी ने कहा, 2017 से पहले बिजली नहीं आती थी क्योंकि डकैती तो अंधेरे में होती है। अप्रैल में 2017 में बिजली का जो रोस्टर पीयूष जी ने तय किया था, वही आज भी लागू है। देश में एक्सप्रेसवे का 55 फीसदी हिस्सा यूपी में है।भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सीएम योगी बोले,यूपी की इस नई यात्रा के लिए पंकज जी नए कप्तान के तौर पर आ गए हैं। 2027 की लड़ाई के लिए विपक्ष के पास इतनी ताकत नहीं है। लेकिन हमें उसके छल और छद्म का जवाब देने के लिए ताकत होनी चाहिए। आपकी मेहनत और पुरुषार्थ में कोई संदेह नहीं है लेकिन हमारी अति उदारता, सहिष्णुता हमें धोखा दे देती है। एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। पूछो तो बताते हैं कि हमारे यहां 98 फीसदी या 99फीसदी हो गया। लेकिन ये सच्चाई नहीं है। यह मतदाता सूची की शुद्धि है।सीएम योगी ने कहा, यूपी की आबादी है 25 करोड़। मतदाता होने चाहिए 65 फीसदी। 18 साल से जो भी ऊपर उसका नाम मतदाता सूची में। यह संख्या है 16 करोड़। एसआईआर के बाद नाम आए हैं 12 करोड़। 2025 की मतदाता सूची में नाम थे 15 करोड़ 44 लाख।

मुख्यमंत्री योगी बोले– बूथ ही रणभूमि, एसआईआर ही हथियार', फर्जी वोटरों के खिलाफ आर–पार की लड़ाई का ऐलान

लखनऊ,14 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि आने वाला चुनाव बूथ स्तर पर लड़ा जाएगा और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ही उसकी सबसे बड़ी धुरी है। नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं को चेताते हुए कहा गया कि विरोधियों के पास ताकत नहीं है, लेकिन उनके छद्म और छल का जवाब देने के लिए कार्यकर्ताओं में उतना ही शौर्य और साहस होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को संगठन पर्व के अंतर्गत प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य निर्वाचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि काशी कॉरिडोर का निर्माण, नैमिषारण्य सहित अन्य तीर्थ स्थलों का कायाकल्प और अयोध्या में भव्य राम मंदिर, यह सब बदले हुए उत्तर प्रदेश की पहचान है। पहले प्रदेश में बिजली इसलिए नहीं आती थी क्योंकि डकैती अंधेरे में ही डाली जा सकती थी, लेकिन अब रोस्टर के हिसाब से बिजली आपूर्ति हो रही है।

एसआईआर को बेहद अहम बताते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की क्षमता पर कोई शक नहीं है, लेकिन कई बार उदारता के कारण लापरवाही हो जाती है। एसआईआर के दौरान अगर पूछा जाए तो अक्सर जवाब मिलता है कि हमारे यहां काम हो गया जबकि हकीकत यह नहीं होती। एक जिले में तो विरोधियों ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम तक मतदाता सूची में दर्ज करवा दिए हैं, जहां बेटे की उम्र 20 साल, पिता 30 साल और दादा 40 साल दिखाए गए हैं, जबकि मतदाता असम के रहने वाले हैं।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर बूथ से फर्जी नामों पर आपत्ति दर्ज कराई जाए और जो वास्तविक मतदाता सूची से छूट गए हैं, उनके नाम हर हाल में जुड़वाए जाएं। बताया गया कि यूपी की आबादी करीब 25 करोड़ है, इस हिसाब से लगभग 16 करोड़ मतदाता होने चाहिए, लेकिन एसआईआर के बाद सूची में केवल 12 करोड़ नाम सामने आए हैं। यानी चार करोड़ मतदाताओं का गैप है, जिनमें 85 से 90 प्रतिशत भाजपा के संभावित मतदाता हैं। कार्यकर्ताओं के पास केवल 12 दिन हैं और याद रखें–चुनावी लड़ाई बूथ पर ही जीती जाती है।

उन्होंने कहा कि चुनाव की तीन–चौथाई मेहनत अभी करनी है। अगर यह मेहनत कर ली गई तो चुनाव में एक–चौथाई प्रयास से ही तीन–चौथाई सीटें जीती जा सकती हैं। हर बूथ पर फॉर्म नंबर–6 भरवाने में कोई कोताही न बरती जाए, क्योंकि बूथ की मेहनत ही परिणाम लाती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का स्वागत करते हुए चुनाव प्रक्रिया को निर्विवाद रूप से संपन्न कराने के लिए डॉ. महेंद्रनाथ पांडे का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अनुभवी कार्यकर्ता को जिम्मेदारी मिलने से सरकार और संगठन मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को पूरा करेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि आज पूरी दुनिया का नजरिया भारत और भारतवासियों के प्रति बदला है। जो देश कभी भारत को नजरअंदाज करते थे, अब वही भारत को वैश्विक नेतृत्व के रूप में देख रहे हैं। उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है, वह डबल इंजन सरकार और एक–एक कार्यकर्ता की ताकत का परिणाम है। आज यूपी दंगा, माफिया और अपराध मुक्त होकर पर्यटन और निवेश का बड़ा केंद्र बन चुका है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पौने नौ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है, 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं धरातल पर उतरी हैं और यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 11 हजार करोड़ रुपये का व्यापार हुआ है।

कफ सिरप के अवैध कारोबार पर ईडी का शिकंजा, यूपी समेत कई राज्यों में तलाशी

लखनऊ,14 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल कार्यालय ने कोडीन–आधारित कफ सिरप के अवैध व्यापार और डायवर्जन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 12 और 13 दिसंबर को व्यापक तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश, झारखंड और गुजरात सहित कई राज्यों में फैले कुल 25 ठिकानों पर की गई, जिनमें लखनऊ, वार–णसी, जौनपुर, सहारनपुर, रांची और अहमदाबाद शामिल हैं। तलाशी आरोपियों और उनके सहयोगियों के आवासीय और कार्यालय परिसरों में की गई। ईडी ने यह जांच उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज की गई 30 एफआईआर के आधार पर शुरू की है। एफआईआर एनडीपीएस अधिनियम, भारतीय दंड संहिता और अन्य लागू कानूनों के प्रावधानों के तहत दर्ज की गई थीं।

एफआईआर में एक सुव्यवस्थित और बहुस्तरीय आपराधिक सिंडिकेट के अस्तित्व का आरोप लगाया गया है, जो वैधानिक नियमों और नियंत्रणों का गंभीर उल्लंघन करते हुए कोडीन–आधारित कफ सिरप की अवैध खरीद, भंडारण, डायवर्जन और बिक्री में संलिप्त था। जांच में आरोप है कि संबंधित व्यक्तियों ने अपनी विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से भारी मात्रा में कोडीन–आधारित कफ सिरप की खरीद की।

इसके बाद उन्होंने कई फर्जी और फ्रंट कंपनियां बनाईं, धोखाधड़ी से लाइसेंस हासिल किए और दस्तावेजों व रिकॉर्ड में हेरफेर कर इस स्टॉक को गैर–चिकित्सकीय और नशीले पदार्थों के उपयोग के लिए डायवर्ट किया।

जांच एजेंसियों के अनुसार, इस अवैध नेटवर्क के जरिए कफ सिरप का अंतर–राज्यीय स्तर पर डायवर्जन किया गया और नेपाल तथा बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में इसकी तस्करी भी की गई। ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि इस अवैध व्यापार से भारी मात्रा में अपराध की आय अर्जित की गई। यह राशि पहले फ्रंट संस्थाओं के बैंक खातों में जमा कराई गई और फिर कई जटिल लेनदेन के जरिए आरोपी व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित अन्य संस्थाओं और खातों में स्थानांतरित की गई, ताकि धन के वास्तविक स्रोत को छिपाया जा सके।

पीएमएलए, 2002 की धारा 17 के तहत की गई तलाशी के दौरान ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच से संबंधित कई आपत्तिजनक दस्तावेज, रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद कर जब्त किए हैं। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि इन दस्तावेजों से पूरे अवैध नेटवर्क, धन के प्रवाह और शामिल व्यक्तियों की भूमिका को समझने में मदद मिलेगी।

नगर विकास मंत्री ने किया महर्षि वाल्मीकि सुदर्शन धर्मशाला भवन का शिलान्यास

समाज के शैक्षिक व सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल : शर्मा

लखनऊ,14 दिसंबर (एजेंसियां)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कानपुर नगर के रायपुरवा क्षेत्र में निर्माणाधीन महर्षि वाल्मीकि सुदर्शन धर्मशाला भवन का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। यह भवन हरिजन सहायक समिति द्वारा निर्मित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों सहित समस्त समाज के शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को गति देना है।इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि सामाजिक भवन समाज में एकता, समरसता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। महर्षि वाल्मीकि जैसे महान ऋषि और समाज सुधारक के नाम पर निर्मित भवन सामाजिक नवनिर्माण का सशक्त माध्यम बनेगा और समाज को नई दिशा प्रदान करेगा। भवन के पूर्ण होने के बाद विवाह एवं अन्य पारिवारिक कार्यक्रमों, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों, तथा विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग, मार्गदर्शन कक्षाएं और शैक्षिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इससे समाज के प्रतिभावान युवक–युवतियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर प्राप्त होंगे और उनका आत्मविश्वास सुदृढ़ होगा। शिक्षा और संस्कार किसी भी समाज की प्रगति की नींव होते हैं। इस भवन के माध्यम से संचालित होने वाली शैक्षिक गतिविधियों से समाज के होनहार बालक–बालिकाओं का भविष्य उज्ज्वल बनेगा और वे प्रदेश व देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। विधान परिषद सदस्य सलिल बिश्नोई द्वारा भवन निर्माण हेतु प्रदान की गई 25 लाख की सहयोग राशि की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए ऐसे सहयोग समाज सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। समिति के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के लिए पहल प्रेरणादायी है। प्रदेश सरकार सर्वसमावेशी विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस तरह के सामाजिक भवन सामाजिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामूहिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

रामलला पार्क में जन्म से ताड़का वध तक दिखेगा श्रीराम का जीवन चरित्र

अयोध्या,14 दिसंबर (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक अनोखा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से प्रेरित रामलला पार्क का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। यह पार्क भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र को जीवंत रूप से प्रदर्शित करेगा। अमृत 2.0 योजना के तहत 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर साकेत सदन के पीछे स्थित लगभग 5 एकड़ भूमि पर फैले इस पार्क का निर्माण नगर विकास विभाग द्वारा कराया जा रहा है। कुल 17.22 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस पार्क से अयोध्या को एक नया आकर्षण मिलेगा, जो धार्मिक पर्यटकों के लिए विशेष महत्व रखेगा। रामलला पार्क न केवल एक मनोरंजन स्थल होगा, बल्कि यह श्रीराम की जीवन गाथा को चार जोनों में विभाजित कर दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेगा। कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक देवव्रत पवार के अनुसार, पार्क में प्रवेश द्वार से लेकर पार्किंग तक सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसमें वॉच टावर, टिकट काउंटर, स्क्रीन वॉल और शौचालय जैसी व्यवस्थाएं भी शामिल हैं।

पार्क को चार मुख्य जोनों में बांटा गया है। जोन प्रथम में भगवान श्रीराम के जन्म का दृश्य, जोन द्वितीय में उनकी बाल अवस्था के दृश्य, जोन तृतीय में गुरुकुल जीवन और जोन चतुर्थ में ताड़का वध की कथा को मूर्त रूप दिया जाएगा।

इन दृश्यों को स्टैच्यू और अन्य कलात्मक तरीकों से सजाया जाएगा, जो आगंतुकों को रामायण की इन महत्वपूर्ण घटनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराएंगे। पार्क की अन्य सुविधाओं की बात करें तो यहां ओपन–एयर थियेटर, म्यूजिकल फाउंटेन, भव्य स्टैच्यू, बच्चों के लिए प्ले एरिया और ओपन जिम की व्यवस्था होगी। इसके अलावा रोड, वाटर बॉडी और हरित क्षेत्र भी विकसित किए जाएंगे। ये सभी विशेषताएं पार्क को परिवारों, बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षक बनाएंगी।

उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य चल रहा है। रामलला के भव्य मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। रोजाना करीब एक लाख दर्शनार्थी रामलला के दर्शन कर रहे हैं।

ऐसे में रामलला पार्क जैसे नए केंद्र अयोध्या को विश्व स्तरीय धार्मिक पर्यटन स्थल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राम मंदिर निर्माण के साथ–साथ शहर में नए पार्क, संग्रहालय और अन्य परियोजनाएं चल रही हैं।

नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि रामलला पार्क भी इसी क्रम की एक कड़ी है, जो राम भक्तों को श्रीराम के जीवन से जुड़ी यादें ताजा कराएगा। निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और जल्द ही यह पार्क पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। यह पार्क न केवल धार्मिक भावनाओं को मजबूत करेगा, बल्कि अयोध्या की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगा। रामनगरी अब विश्व पटल पर एक आदर्श तीर्थ स्थल के रूप में उभर रही है।

दुधवा नेशनल पार्क के लिए किफायती जंगल सफारी टूर पैकेजों का ऐलान

दुधवा टूर पैकेज से इको टूरिज्म और जंगल सफारी को मिलेगा बढ़ावा : जयवीर

लखनऊ,14 दिसंबर (एजेंसियां)। दुधवा नेशनल पार्क की हरियाली, रोमांच से भरे जंगल सफारी अनुभव और दुर्लभ वन्य जीवों की झलक को पर्यटक पहले से कहीं अधिक आसान और किफायती तरीके से देख सकेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम यूपीएसटीडीसी ने सैलानियों, परिवार के सदस्यों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक रात, दो दिन के पांच विशेष बजट पैकेज तैयार किए हैं। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्यूपीएसटीडीसी की ओर से तैयार टूर पैकेज पर्यटकों को दुधवा नेशनल पार्क के प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता को करीब से अनुभव करने का मौका देगा। यह बजट पैकेज उत्तर प्रदेश में इको टूरिज्म, जंगल सफारी और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देगा। लखनऊ के होटल गोमती से 15 दिसंबर से शुरू होने वाले इस टूर पैकेज से संबंधित विशेष जानकारी यूप–ीएसटीडीसी की वेबसाइटू ु.िीिविल.ले.ळप से प्राप्त होगी।

राज्य पर्यटन विकास निगम यूपीएसटीडीसी द्वारा तैयार श्दुधवा बजट पैकेजश् अधिकतम आठ यात्रियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। टेम्पो ट्रैवलर से सफर की शुरुआत होगी, जिसका प्रति व्यक्ति किराया 6,175 रुपए होगा। दो दिनी यात्रा के पहले दिन लखनऊ स्थित होटल गोमती से सुबह 8 बजे टेम्पो ट्रैवलर यात्रियों के साथ दुधवा के लिए रवाना होगा। दोपहर 1:30 बजे दुधवा पहुंचकर होटल में लंच और रात 8 बजे रात्रि भोजन के बाद पर्यटक आराम करेंगे। दूसरे दिन सुबह 6–10 बजे तक पर्यटक जंगल सफारी का आनंद लेंगे। तत्पश्चात सुबह 11 बजे वापसी के लिए लखनऊ रवाना होंगे। दंपति के साथ पांच वर्ष आयु तक के बच्चे मुफ्त में सफर कर सकते हैं। स्टैंडर्ड जंगल सफारी पैकेज अंतर्गत चार यात्रियों का दल सेडान कार से होटल गोमती से दुधवा के लिए रवाना होगा। एक रात और दो दिन वाले सफर में प्रति व्यक्ति किराया 6,500 रुपए होगा। इस पैकेज में भी पहले दिन पर्यटक दोपहर 12 बजे दुधवा होटल पहुंचेंगे और दिन–रात के भोजन उपरांत आराम करेंगे। अगले दिन सुबह 6 बजे से 10 बजे तक जंगल सफारी का आनंद लेंगे और नाश्ते के बाद लखनऊ के लिए वापस लौट जाएंगे।यूप–ीएसटीडीसी द्वारा तैयार 'प्रीमियम वाइल्ड लाइफ एक्सपीरियंस' पैकेज छह पर्यटकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस पैकेज के लिए प्रति व्यक्ति किराया 6,000 रुपए 5 प्रतिशत जीएसटी अतिरिक्त देने होंगे। इनोवा से लखनऊ से रवाना दल दोपहर 12 बजे दुधवा पहुंचेगा। लंच के बाद पर्यटकों का दल गाइड के साथ फॉरेस्ट वॉक करते हुए व्याख्या केंद्र का भ्रमण करेगा। अगले दिन सुबह 6–10 बजे तक जंगल सफारी का आनंद लेने के बाद वापस लखनऊ लौट जाएंगे। लखनऊ से दुधवा तक का यह पैकेज विशेष रूप से स्कूल–कॉलेज के विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। टेम्पो ट्रैवलर से सफर के दौरान दो शिक्षक और एक स्टाफ साथ रहेंगे। अन्य पैकेज की तरह दुधवा पहुंचने के बाद विद्यार्थी लंच करेंगे और खेल सहित अन्य गतिविधियों में शामिल होंगे। शाम में चाय और रात के भोजन के उपरांत आराम करेंगे। अगले दिन जंगल सफारी और नाश्ते के बाद वापस लखनऊ के लिए रवाना हो जाएंगे। इस पैकेज के लिए प्रति व्यक्ति 4,751 रुपए 5 प्रतिशत जीएसटी अतिरिक्त भुगतान करना होगा। इस समूह में कम से कम 20 विद्यार्थी होंगे। यूपीएसटीडीसी द्वारा तैयार 'दुधवा बजट पैकेज' में कम से कम चार पर्यटक होंगे, जिसका किराया प्रति व्यक्ति 4,950 रुपए तय किया गया है। इस पैकेज में अन्य की ही तरह सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। लखनऊ–दुधवा–लखनऊ का यह किफायती पैकेज पर्यटकों को कम बजट में बेहतर सुविधाओं के साथ मिलेगा। लखनऊ–दुधवा यात्रा पैकेज की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुविधा है। यात्रा पैकेज में पर्यटकों के ठहरने के लिए जंगल से मात्र डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर आरामदायक होटल की व्यवस्था की गई है, जिससे प्रकृति का अनुभव और भी नजदीक से लिया जा सकेगा। यात्रा के दौरान स्वादिष्ट भोजन, प्रति यात्री दो पानी की बोतल, चाय की चुस्कियों के साथ अलाव बोनफायर का आनंद, अनुभवी गाइड और रोमांच से भरपूर जंगल सफारी भी पैकेज में शामिल है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने बताया कि श्दुधवा नेशनल पार्क के लिए तैयार किए गए ये विशेष बजट राज्य में इको–टूरिज्म और वाइल्ड लाइफ टूरिज्म को नई दिशा देंगे। यूपीएसटीडीसी का उद्देश्य है कि पर्यटकों को सुरक्षित, किफायती यात्रा अनुभव उपलब्ध कराया जाए, ताकि परिवार, विद्यार्थी और प्रकृति प्रेमी उत्तर प्रदेश की जैव विविधता को नजदीक से महसूस कर सकें।

कृषि मंत्री ने की किसान पाठशाला की समीक्षा

ग्राम पंचायत स्तरीय गोष्ठी,किसान पाठशाला के सफल क्रियान्वयन हेतु दिये निर्देश

लखनऊ,14 दिसंबर (एजेंसियां)। कृषि भवन में कृषि मंत्री, सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत स्तरीय गोष्ठी,किसान पाठशाला की समीक्षा बैठक आहूत की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 12 दिसंबर को बाराबंकी के ग्राम दौलतपुर में पद्मश्री कृषक रामशरण वर्मा के प्रक्षेत्र से शुभारम्भ किए गए इस कार्यक्रम के सफल आयोजन और क्रियान्वयन की रणनीति तय करना तथा संबंधित अधिकारियों को दिशा–निर्देश देना था। मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन किए जाने के कारण यह कार्यक्रम और महत्वपूर्ण हो जाता है। हम सभी का दायित्व है कि इसका आयोजन प्रदेश भर में सही ढंग से किया जाए।

इस वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश की 21,000 ग्राम पंचायतों में कराने हेतु समस्त जनपदीय मंडलीय कार्यालयों को निर्देशित कर दिया गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं क्रियान्वयन हेतु मंत्री ने जनपदीय उप कृषि निदेशक एवं मंडलीय संयुक्त कृषि निदेशकों को निर्देश दिए गए। कार्यक्रम का आयोजन शासन द्वारा जारी शासनादेश एवं निदेशालय द्वारा प्रेषित निर्देशों के क्रम में जनपद के अंदर स्थित पैक्स सोसायटी, किसान कल्याण केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र एवं ग्राम पंचायत सचिवालय प्राथमिक विद्यालयों के साथ–साथ जनपद के प्रगतिशील पुरस्कृत कृषकों के खेत पर किया जाए। जनप्रतिनिधियों को प्रतिभाग हेतु अपने अथवा जिलाधिकारी मुख्य विकास अधिकारी के स्तर से पत्र जारी करते हुए व्यक्तिगत रूप से आग्रह कर लिया जाए। जिन ग्राम पंचायतों में पाठशाला का आयोजन किया जाना है, उनके ग्राम प्रधान को पहले से अवगत करा दिया जाए। इस बैठक में प्रमुख सचिव कृषि रविंद्र, कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी, अपर कृषि निदेशक प्रसार, अपर कृषि निदेशक तिलहन एवं दलहन, कृषि रक्षा, गेहूं मोटा अनाज, भूमि संरक्षण, सामान्य, संयुक्त कृषि निदेशक उर्वरक, ब्यूरो, बाढ़ोन्मुखी उपस्थित रहे। इसके साथ ही के समस्त मंडलीय संयुक्त कृषि निदेशक एवं जनपदीय उप कृषि निदेशक वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता से खुली लूट : संजय

959 करोड़ रुपये के घोटाले का हिसाब दे भाजपा सरकार

लखनऊ,14 दिसंबर (एजेंसियां)।आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता से स्मार्ट मीटर के नाम पर खुली लूट की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह आदेश न केवल जनविरोधी है बल्कि इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 की धारा 55 का खुला उल्लंघन भी है, जिसमें उपभोक्ता की सहमति के बिना किसी घर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने पर रोक है लेकिन आम आदमी पार्टी स्मार्ट मीटर के नाम पर सरकार के तुगलकी फरमान का पुरजोर विरोध करती है और सड़क से संसद और जरूरत पड़ी तो न्यायालय तक इस लड़ाई को लड़ने का काम करेगी। स्मार्ट मीटर के नाम पर लाखों उपभोक्ताओं को ठगा जा रहा है। 2018 में जब 2जी स्मार्ट मीटर लगाए गए थे, तब भी लोगों ने विरोध किया था क्योंकि ये मीटर 15 से 20 प्रतिशत तेज़ चलते हैं। यानी अगर किसी उपभोक्ता का बिजली बिल 2000 आता है, तो स्मार्ट मीटर के बाद उसे 2400–2500 रूपये तक देना पड़ता है। जनता में इस मुद्दे पर गुस्सा, आक्रोश और नाराज़गी चरम पर है।

2018 में 2 जी स्मार्ट मीटर लगाने का आठ साल का कॉन्ट्रैक्ट किया गया था, जिसके तहत लगभग 12 लाख घरों में मीटर लगाए गए और 40 लाख घरों में लगाने का लक्ष्य था। लेकिन अब अचानक बिजली विभाग ने एक तुग़लकी फरमान जारी कर दिया है कि अब 2जी मीटर हटाकर 4जी मीटर लगाए जाएंगे। संजय सिंह ने कहा, सरकार यह बताए कि जब 4जी मीटर ही लगाने थे, तो 2018 में 2जी मीटर क्यों लगाए गए? आखिर 959 करोड़ रुपये जनता की गाढ़ी कमाई का हिसाब कौन देगा? आम आदमी पार्टी स्मार्ट मीटर घोटाले के खिलाफ सड़क से लेकर संसद और ज़रूरत पड़ने पर न्यायालय तक लड़ाई लड़ेगी।

मिल गया बुरी यादों से छुटकारा पाने का तरीका

हॉलिवुड की सायेंस फिक्शन फिल्म 'इटरनल सनशाइं ऑफ द स्पॉटलेस माइंड' में दिखाया गया है कि किस तरह दो लोगों के दिमाग से उनकी बुरी और तकलीफदेह यादों को क्लिनिकली मिटा दिया गया जिसके बाद दोनों ने नए सिरे से अपने रिश्ते की शुरुआत की। फिलहाल यह स्थिति भले ही फिक्शन लग रही हो लेकिन जल्द ही यह हकीकत में बदल सकती है। वैज्ञानिकों ने प्रूफ ऑफ प्रिंसिपल के जरिए यह साबित किया है कि मस्तिष्क से बुरी और तकलीफ देने वाली यादों को मिटाया जा सकता है।

चूहों पर की गई रिसर्च से यह बात साबित हुई है कि इलेक्ट्रिक शॉक के जरिए उत्पन्न की गई एक आवाज से पैदा हुई डरावनी याद को मिटाया जा सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इंसानों पर इस रिसर्च को करने में कई तरह की नैतिक समस्याएं हैं जिस वजह से फिलहाल इंसानों पर यह रिसर्च करने का रास्ता बंद है। लेकिन वैज्ञानिकों की खोज में यह बात साबित हुई है कि निकट भविष्य में यह संभव हो पाएगा। इससे ड्रग अडिक्शन या किसी तरह के ट्रॉमा से तनाव में रहने वाले लोगों के इलाज में मदद मिल सकेगी।

अमेरिका के बॉस्टन में अमेरिकन असोसिएशन फॉर द अडवांसमेंट ऑफ सायेंस की सालाना बैठक में बोलते हुए प्रफेसर शीना जोसलीन ने कहा, 'हमें विशिष्ट ब्रेन सेल की खोज में सफलता मिली है जहां एक खास मेमरी बंद रहती है। इसलिए अब हम टार्गेट कर सकते हैं कि ब्रेन में कोई मेमरी कहां चली गई। उसके बाद इन सेल्स की ऐक्टिविटी को कम किया जा सकता है। और यह ठीक वैसा ही है जैसा हमने किसी मेमरी को डिलीट कर दिया हो।' यह करने के बाद इलेक्ट्रिक शॉक से उत्पन्न आवाज का उन चूहों पर कोई असर नहीं पड़ा और वे बेफ्रिक थे।

वहीं दूसरी तरफ सेल्स की ऐक्टिविटी बढ़ा देने के बाद वह शॉक की मेमरी दोबारा बहाल हो गई जिससे चूहे असहज महसूस करने लगे। हालांकि उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। प्रफेसर जोसलीन कहती हैं, 'हम मेमरी को ऑन-ऑफ कर सकते हैं। इससे हमें सचमुच प्रिंसिपल का प्रूफ मिलता है। अगर यादाश्त से संबंधित कोई समस्या है तो हमें पूरे शरीर या पूरे मस्तिष्क को टार्गेट करने की जरूरत नहीं है।' कनाडा के टॉरंटो यूनिवर्सिटी की जोसलीन कहती हैं कि यह संभव है कि भविष्य में वैज्ञानिक ऐसे हीट सीकिंग मिसाइल या हीट सीकिंग ड्रग बना सकेंगे जो सिर्फ उन सेल्स पर काम करेंगे जो इस मेमरी के लिए जरूरी है।

मिशिगन यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर मेमरी एंड ब्रेन के डायरेक्टर हॉवर्ड इशेनबॉम जो इस सालाना बैठक में शामिल थे का मानना है कि इस तरह की मेमरी में बेहद सीमित ब्रेन सेल्स शामिल होते हैं। ऐसे में किसी एक सेल को नष्ट कर देने से दूसरे सेल्स पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, अगर वह मेमरी या बुरी याद बेहद कठोर है और आपकी जिंदगी को तबाह कर रही है तो यह समझौता बुरा नहीं है।

सेहत

शहद और लहसुन खाएं, इन रोगों को दूर भगाएं

लहसुन और शहद का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है और इनके फायदों से भी हम सभी वाकिफ हैं। वहीं शहद ऐंटि-बायॉटिक, ऐंटि-बैक्टीरियल गुणों और लहसुन में एलिसिन व फाइबर की मौजूदगी के कारण हमें कई तरह के पोषक तत्व देता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर इन दोनों को एक साथ मिला दिया जाए तो यह और भी फायदेमंद हो जाता है।

शहद में डूबे हुए लहसुन के सेवन से आप कई बीमारियों से भी बच जाते हैं। यह एक तरह का सुपर फूड है जो ऐंटिबायॉटिक की तरह काम करता है और शरीर को डिटॉक्स करके हर तरह के इंफेक्शन को भी खत्म करता है। साथ ही इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। अगर आप लगातार 7 दिन शहद में डूबा हुआ लहसुन का सेवन करेंगे, तो कुछ ही दिनों में असर दिखने लगेगा।

दिल के लिए फायदेमंद

लहसुन और शहद के पेस्ट का सेवन करना दिल के लिए फायदेमंद है। इसका सेवन करने से दिल की धमनियों में जमा फैट बाहर निकल जाता है। इसके कारण ब्लड सर्कुलेशन ठीक ढंग से होने लगता है। जो दिल के लिए फायदेमंद है। इन दोनों चीजों को मिलाकर खाने से कॉलेस्ट्रॉल कम होता है और शरीर का ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है।

गले में खराश

इस पेस्ट में ऐंटि-इन्फ्लेमेंटरी गुण पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से आपके गले में खराश और सूजन से आपको आराम मिल जाएगा। अगर आप इसका सेवन करते हैं तो इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होगा और बीमारियों से बचने में मदद मिलेगी। यह एक प्राकृतिक डिटॉक्स है। इसको खाने से शरीर की अंदर से सफाई हो जाती है। इसके कारण आप सेहतमंद रहते हैं।

दांतों की समस्या दूर करे

इनमें मौजूद फास्फोरस से दांत मजबूत रहते हैं। यह दांतों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने का काम करता है।

डायरिया

अगर आपको बार-बार डायरिया की समस्या हो रही है तो इस पेस्ट का सेवन काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इसका सेवन करने से आपका पाचन तंत्र ठीक ढंग से काम करता है। इसके कारण आपको पेट संबंधी किसी भी तरह का संक्रमण नहीं होता है।

मोटापा घटाए

शहद और लहसुन को मिलाकर खाने से शरीर का वजन कम होता है। साथ ही मोटापे परेशानी से छुटकारा मिलता है।

सर्दी-जुकाम से राहत

शहद में डूबे हुए लहसुन का सेवन करने से शरीर में गर्मी आती है। इसके कारण आपको सर्दी-जुकाम जैसी समस्या से निजात मिल जाता है। इसको खाने से सर्दी-जुखाम के साथ साइनस की तकलीफ भी काफी कम हो जाती है।

पार्टनर को किस करना हो सकता है खतरनाक...

यूं तो किस करना प्यार के इज़हार का एक तरीका है लेकिन अगर इमोशन्स को अलग रखकर सेहत के लिहाज से देखें तो इसके कई खतरे भी हैं। किस करने के दौरान किस करने वाले लोगों के बीच कैविटी सहित कई बीमारियों का आदान-प्रदान भी होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ एरिज़ोना के डॉक्टर केली रेनॉल्ड्स का कहना है कि किस करने के कई खतरे हो सकते हैं। सामान्य भाषा में कहें तो किस करने से इन चार तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

1. दिमाग का बुखार या फिर ग्रन्थीय ज्वर

ग्रन्थीय ज्वर को किसिंग डिज़ीज के नाम से भी जाना जाता है। संक्रमण की स्थिति में इसके होने की आशंका बहुत अधिक बढ़ जाती है। इसका प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है और संक्रमित शख्स को हमेशा थकान और कमजोरी महसूस होती रहती है। वहीं मस्तिष्क ज्वर की स्थिति में इस संक्रमण का असर दिमाग के चारों ओर मौजूद खोल पर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी भी इससे प्रभावित होती है। यह असर 10 दिन तक बना रह सकता है। यह भी हो सकता है कि यह जीवनभर की समस्या बन जाए। कुछ मामलों में तो यह मौत का कारण भी बन सकता है।

2. एसटीआई

किस करने के दौरान स्लाइवा का भी आदान-प्रदान हो जाता है। हमारे स्लाइवा के माध्यम से कई बार गानरीअ (पेशाब करने के दौरान दर्द होना), दाद-खाज और दूसरी संक्रामक बीमारियों के बैक्टीरिया ट्रांसफर हो जाते हैं।

3. कैविटी

किस करने के दौरान कई बार कैविटी ट्रांसफर हो जाती है। लोगों को लगता है कि सांस की बदबू नहीं आ रही तो मुंह साफ है लेकिन ऐसा नहीं है। किसी को भी ओरल इंफेक्शन हो सकता है और किस करने के दौरान यह ट्रांसफर हो सकता है।

4. संक्रमण

स्वीडन में हुए एक सर्वे के मुताबिक, करीब 12 फीसदी मामलों में लोगों को फूड ऐलर्जी होती है और किस करने के दौरान ये ट्रांसफर हो जाता है। इससे स्किन प्रॉब्लम, सांस लेने में तकलीफ और उल्टियां हो सकती हैं।

हेल्दी रिलेशन के लिए इस समय करें प्यार का इज़हार

अगर आप चाहते हैं कि आपका रिलेशनशिप हेल्दी रहे, तो जरूरी है आपको यह पता होना कि आपको प्यार का इज़हार कब करना है। कई बार लोग बिना सोचे समझे बिना मौका देखे अपने प्यार का इज़हार कर देते हैं, जो उनके लिए कई बार उल्टा पड़ जाता है और चीजें बनने की जगह बिगड़ जाती हैं। अगर आप भी इस मामले को लेकर कन्फ्यूजन में हैं, तो यह सर्वे आपके सवालों का जवाब है।

प्यार का इज़हार करने के लिए अगर आप एक से दो सप्ताह का समय लेते हैं तो आपके रिलेशनशिप के हेल्दी होने के चांसेज़ बढ़ जाते हैं। वहीं अगर आप ज्यादा समय ले रहे हैं, तो इसका मतलब आप अपने पार्टनर को समझना चाहते हैं और उसके साथ लॉन्ग टर्म चलना चाहते हैं। जानिए इस बारे में क्या कहते हैं बाकी के सर्वे और आंकड़ें।

इजहार करें, पर सब्र के साथ

हाल ही में वेबसाइट शादी डॉट कॉम ने ब्रिटेन में 2000 लोगों पर एक सर्वे किया। इस सर्वे में 60% लोगों ने माना कि अपने पार्टनर को आई लव यू कहने के लिए उनको कम से कम 6 महीने का समय चाहिए। 31% लोगों का कहना था कि वे रिलेशनशिप के तत्काल बाद डेट करना पसंद करेंगे। वहीं 34% का कहना था कि वे एक दूसरे का हाथ पकड़ने में ही 1-2 सप्ताह का समय लेंगे। 27% लोगों का कहना है कि वे अपने पार्टनर के साथ बेड पर जाने के लिए दो सप्ताह का इन्तजार करेंगे तो 23% का मानना था कि इसमें महीना भर का समय लग सकता है।

6 महीने का समय

प्यार का इज़हार करने के लिए छह महीने का समय बेहद जरूरी है। इतने समय में आप एक दूसरे की आदतें, व्यवहार और दूसरी कई चीजें समझ जाते हैं। इसके बाद आपके लिए आसान हो जाता है कोई निर्णय लेना। यह रिलेशनशिप बाकी रिलेशनशिप से ज्यादा मजबूत भी होता है क्योंकि इसमें पूरी तरह सोच समझकर आगे बढ़ा जाता है। सर्वे में यह बात भी निकलकर सामने आई है कि जो लोग अपने पार्टनर को आई लव यू कहने में छह महीने का समय लेते हैं, उनका रिलेशनिशप हेल्दी रहने के साथ ही जिंदगीभर का साथ बन जाता है। 60 % लोगों ने माना भी है कि अपने पार्टनर को अपना बेस्ट फ्रेंड कहने में उनको भी कम से कम 6 महीने का समय चाहिए। उनका मानना है कि इतना समय एक-दूसरे को समझने के लिए बेहद जरूरी है। इसमें आपका पार्टनर आपसे बिना किसी कन्फ्यूजन के खुलकर कह पाता है कि हां मैं प्यार करता हूं।

मिलते ही इज़हार

31 फीसदी लोग इस समय ऐसे हैं, जो मिलने के 1 से 2 घंटे बाद ही इज़हार करना पसंद करते हैं। यही नहीं, वे चाहते हैं कि अगले दिन से ही डेट शुरू कर दी जाए। लेकिन रिलेशनशिप एक्सपर्ट की मानें, तो ऐसी रिलेशनशिप लंबे समय तक नहीं चल पाते। ये जितनी तेजी इस रिलेशनशिप को निभाने में दिखाते हैं, उतनी ही तेजी से वह खत्म भी होते है। सर्वे के मुताबिक, प्यार का इज़हार जितनी देर से होगा, रिलेशनशिप में उतनी मजबूती आएगी।

एक से दो सप्ताह का समय

प्यार का इज़हार करने के लिए अगर आप एक से दो सप्ताह का समय लेते हैं, तो आपकी रिलेशनशिप हेल्दी होने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। रिलेशनशिप एक्सपर्ट की मानें, तो आप ज्यादा समय ले रहे हैं, तो इसका मतलब आप अपने पार्टनर को समझना चाहते हैं और उसके साथ लंबे समय तक रहना चाहते हैं। अगर आप एक से दो सप्ताह में ही प्यार का इज़हार करने जा रहे हैं, जो भले ही है बहुत जल्दी, लेकिन हंसते हुए करते हैं, तो आप सफल हो सकते हैं। सर्वे के मुताबिक, हंसी में इज़हार में सफल होने की संभावना करीब 37 प्रतिशत तक होती है। वहीं, 34% लोगों जो एक-दूसरे का हाथ पकड़ने में ही 1-2 सप्ताह का समय लेते हैं, उनका रिश्ता भी हेल्दी रहता है।

और सस्ते हो जाएंगे स्टेंट, कंपनियां उठा रहीं ये बड़ा कदम

कुछ दिनों पहले नैशनल फार्मासूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने एक नोटिफिकेशन जारी कर इस बात की जानकारी दी थी कि सरकार ने स्टेंट की कीमत तय कर दी है।

सरकार द्वारा तय की गई कीमतें पहले की कीमतों की तुलना में 85 फीसदी तक कम की गई हैं लेकिन अब इस दिशा में मरीजों को और राहत मिल सकती है।

स्टेंट बनाने वाली कंपनियां सीधे तौर पर अस्पताल को ही स्टेंट बेचने की योजना बना रही हैं। ताकि वितरकों की मनमानी पर काबू पाया जा सके। स्टेंट का काम किसी मरीज की धमनी को चालू रखने के लिए किया जाता है।

जिस धमनी में रुकावट होती है, उसे स्टेंट डालकर खोला जाता है जिससे खून का बहाव बिना रुकावट चलता रहता है। इसकी सबसे ज्यादा जरूरत बाईपास सर्जरी और किडनी से

जुड़ी समस्याओं में पड़ती है।

प्रबंधन का कहना है कि मरीजों को सीलिंग प्राइस के ऊपर कुछ भी अधिक भुगतान करने की जरूरत नहीं क्योंकि इसमें पहले से ही 8 फीसदी मार्जिन जुड़ा हुआ है। हालांकि यह मार्जिन कुछ परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है। इसके अलावा अकस्मात स्थिति में स्टेंट की सप्लाई को लेकर भी कुछ परेशानियां हैं।

पनीर का यह ज़ायका आप भूल नहीं पाएंगे

रेसिपी

अगर आप अपने मेहमानों को अपनी पाक कला के जादू से हैरान कर देना चाहते हैं तो यह मारवाड़ी पनीर रेसिपी ट्राई कर सकते हैं। आपने पनीर के बहुत से स्वाद चखे होंगे लेकिन यकीन कीजिए यह स्वाद आपको हमेशा के लिए याद रह जाएगा।

बनाने में लगने वाला कुल समय - 75 मिनट
तैयारी में लगने वाला समय - 5 मिनट
कैलरी - 291
चार लोगों के लिए

जरूरी सामग्री

- एक लीटर फुल क्रीम दूध
- 2 ग्राम कटा हुआ किशमिश
- 2 ग्राम कटा हुआ पिस्ता
- एक चुटकी केसर
- 3 ग्राम लाल शिमला मिर्च
- 125 ग्राम कटा हुआ प्याज
- 5 ग्राम सफेद प्याज
- 10 ग्राम अदरक का पेस्ट
- 25 मिली रिफाइंड तेल
- 10 ग्राम जीरा पाउडर
- 8 ग्राम फ्रेश क्रीम
- 5 ग्राम सफेद मक्खन
- 10 ग्राम कटी हुई हरी धनिया पत्ती
- 2 ग्राम कटा हुआ बादाम
- 2 ग्राम कटा हुआ अखरोट
- 2 ग्राम कटा हुआ काजू
- 4 मिली नींबू का रस
- 3 ग्राम हरा शिमला मिर्च
- 150 ग्राम टमाटर
- 10 ग्राम अदरक का पेस्ट
- 25 मिली टमाटर प्यूरी
- 10 ग्राम धनिया पाउडर
- 6 ग्राम गरम मसाला
- 2 चुटकी नमक
- 10 ग्राम देगी मिर्च
- 3 ग्राम काला जीरा

बनाने की विधि

- सबसे पहले दूध को खूब उबाल लें और फिर नींबू का रस डालकर उसे फाड़ लें।
- जब दूध फट जाए तो उसमें सारे ड्राई फ्रूट्स और केसर डालकर पानी निकलने के लिए मलमल के कपड़े में बांध दें। इसे एक घंटे तक यूं ही रहने दें और फिर पनीर बना लें।
- जब पनीर बन जाए तो इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।
- अब एक सॉस पैन में तेल गर्म करें और सभी मसालों को इसमें डाल दें। जब बीज चटकना शुरू कर दें तो काला जीरा डाल दें और कटी हुई प्याज भी डाल दें।
- जब यह भूरा हो जाए तो अदरक, लहसुन का पेस्ट इसमें डाल दें। इसमें कटे हुए टमाटर और सफेद प्याज भी डाल दें।
- इसके बाद सारे सूखे मसाले इसमें डाल दें। ऊपर से पनीर और शिमला मिर्च काटकर डाल दें।
- फ्रेश क्रीम और कटी हुई हरी धनिया डालकर सर्व करें।

संपादकीय

अराजकता का कूपन

अब इंडिगो ने अपनी अराजकता पर पर्दा डालने के मद्देनजर 'कूपन' (वाउचर) बांटने की पेशकश की है। ये कूपन 10,000 रुपए के होंगे और 'गंभीर रूप से प्रभावित यात्रियों' को ही दिए जाएंगे। क्या ऐसे यात्रियों की परिभाषा और पात्रता इंडिगो ने स्पष्ट की है? क्या सरकारी तंत्र भी 9 लाख से अधिक यात्रियों की परेशानी और नुकसान की कीमत की भरपाई इस कूपन को स्वीकार कर रहा है? क्या अदालत इस कूपन को मान्यता देगी? फिलहाल मौखिक बयान आ रहे हैं कि ये कूपन मुआवजे से अतिरिक्त होंगे। यात्री अगले 12 माह तक इंडिगो की किसी भी यात्रा में इन कूपन का उपयोग कर सकेंगे, लेकिन इंडिगो ने डीजीसीए के नियमानुसार अभी तक मुआवजा नीति को अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक नहीं किया है। यह अनिवार्य नियम है। सरकारी निर्देश ये भी हैं कि मुआवजा नकद, बैंक ट्रांसफर अथवा यात्री की सहमति पर ही कूपन के रूप में दिया जा सकता है। एकतरफा कूपन की पेशकश नियमानुसार नहीं है। बहरहाल देश ने टीवी चैनलों पर एक चित्र देखा होगा, जिसमें इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स हाथ जोड़े केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू के पास बैठे हैं, मानो देश से माफी मांग रहे हों! देश ऐसे माफ नहीं करेगा। इंडिगो ने उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती का शैड्यूल सरकारी तंत्र के सामने रखा है, लेकिन गुरुवार, 11 दिसंबर, को दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु की 220 उड़ानें भी कंपनी ने रद्द की हैं। ऐसा क्यों किया गया? क्या यह पूर्वघोषित था? नतीजा यह रहा कि यात्रियों को एक बार फिर तकलीफ, परेशानी उठानी पड़ी। इंडिगो की कार्य-प्रणाली और गवर्नेंस मॉडल की जांच सेबी और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने भी शुरू कर दी है। इंडिगो का संचालन मॉडल ही संदेह के घेरे में माना जा रहा है। सेबी का बयान आया है कि सूचीबद्ध कंपनियों को नोटिस जैसी संवेदनशील जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को देनी होती है। इंडिगो को डीजीसीए ने ही दो गंभीर नोटिस जारी कर रखे हैं। चार सदस्यीय समिति ने भी कंपनी के सीईओ से सवाल-जवाब किए हैं। इंडिगो के मुख्यालय में डीजीसीए की निगरानी टीम तैनात कर दी गई है, जिसमें तकनीकी अधिकारी भी हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक न तो कोई जुर्माना थोपा है और न ही कोई अन्य दंड दिया है, बल्कि गुरुवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से संसद को बताया गया कि इंडिगो ने 2024-25 में कुल 7253 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, जबकि अन्य विमानन कंपनियां घाटे में रहीं। सरकार को इस पहलू की भी चिंता करनी पड़ेगी कि विमानन कंपनियां घाटे में क्यों हैं? क्या इंडिगो उनकी उड़ानों पर कब्जा करके मुनाफा कमा रहा है? यही कारण हो सकता है कि इंडिगो का विमानन क्षेत्र में एकाधिकार है। क्या इससे देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित नहीं होती? जब इंडिगो के कारण देश के लाखों यात्री बंधक की स्थिति में थे, तो दूसरी कंपनियों ने खूब कालाबाजारी की। यह सवाल दिल्ली उच्च न्यायालय में भी उठा कि विमानन कंपनियों ने सरकार द्वारा किराया तय करने, फ्रीज करने के बावजूद 80-90 हजार रुपए तक का किराया कैसे वसूल किया? उच्च न्यायालय का निर्देश है कि लूट की यह रकम यात्रियों को वापस की जाए। भारत कोई 'केला गणतंत्र' देश नहीं है कि मनमर्जी के किराए वसूले जाएंगे और इंडिगो जैसी कंपनियां सरकार के आदेशों को मानने से इंकार कर देंगी। इंडिगो ने यह नहीं बताया है कि कितनी देरी, मिस्ड कनेक्शन अथवा रात भर फंसे यात्रियों को स्वतः ही कूपन का पात्र मान लिया जाएगा। एक अनुमान बताया जा रहा है कि 5000 से अधिक उड़ानें रद्द की गईं, लिहाजा करीब 5 लाख यात्रियों को 'गंभीर रूप से प्रभावित' मानना चाहिए। यह तो इंडिगो स्पष्ट करेगी। बहरहाल यह आर्थिक अराजकता भी है और सार्वजनिक सेवा में एकाधिकार का दुरुपयोग भी है, लिहाजा सभी विमानन कंपनियों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। यह दायित्व भारत सरकार का ही है। सवाल यह है कि जब नए नियम सभी एयरलाइन कंपनियों पर लागू होते हैं, पर इसका सबसे ज्यादा असर इंडिगो पर ही क्यों दिखा? इसका जवाब है कि इंडिगो के पास पायलटों की कमी हो गई है। इंडिगो ने जानबूझ कर यह कमी की। अन्य एयरलाइंस कंपनियों की तरह इंडिगो के पास भी नए पायलटों की भर्ती के लिए पर्याप्त समय था, किन्तु कंपनी ने भारी आर्थिक भार को टालने के लिए भर्ती नहीं की।

सरकारी तंत्र भी 9 लाख से अधिक यात्रियों की परेशानी और नुकसान की कीमत की भरपाई इस कूपन को स्वीकार कर रहा है? क्या अदालत इस कूपन को मान्यता देगी? फिलहाल मौखिक बयान आ रहे हैं कि ये कूपन मुआवजे से अतिरिक्त होंगे। यात्री अगले 12 माह तक इंडिगो की किसी भी यात्रा में इन कूपन का उपयोग कर सकेंगे, लेकिन इंडिगो ने डीजीसीए के नियमानुसार अभी तक मुआवजा नीति को अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक नहीं किया है। यह अनिवार्य नियम है। सरकारी निर्देश ये भी हैं कि मुआवजा नकद, बैंक ट्रांसफर अथवा यात्री की सहमति पर ही कूपन के रूप में दिया जा सकता है। एकतरफा कूपन की पेशकश नियमानुसार नहीं है। बहरहाल देश ने टीवी चैनलों पर एक चित्र देखा होगा, जिसमें इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स हाथ जोड़े केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू के पास बैठे हैं, मानो देश से माफी मांग रहे हैं! देश ऐसे माफ नहीं करेगा। इंडिगो ने उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती का शैड्यूल सरकारी तंत्र के सामने रखा है, लेकिन गुरुवार, 11 दिसंबर, को दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु की 220 उड़ानें भी कंपनी ने रद्द की हैं। ऐसा क्यों किया गया? क्या यह पूर्वघोषित था? नतीजा यह रहा कि यात्रियों को एक बार फिर तकलीफ, परेशानी उठानी पड़ी। इंडिगो की कार्य-प्रणाली और गवर्नेंस मॉडल की जांच सेबी और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने भी शुरू कर दी है। इंडिगो का संचालन मॉडल ही संदेह के घेरे में माना जा रहा है। सेबी का बयान आया है कि सूचीबद्ध कंपनियों को नोटिस जैसी संवेदनशील जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को देनी होती है।

कुछ अलग

उनकी अटैची, मेरी अटैची

मेरे पास एक सिंपल-सी अटैची है। पच्चीस साल पुरानी। उसका रंग अब तय नहीं कर पाता कि वह कभी काली थी या भूरे रंग की। कोनों पर जिंदगी के इतने ठोकरों के निशान हैं कि लगता है उसने भी मेरे साथ नौकरी की हो। कबाड़ी के पास बेचने जाऊं तो वह पहले अटैची का हाल देखेगा, फिर मेरा, फिर दोनों पर तरस खाकर बोलेगा- 'पांच रुपए दूं या अटैची वापस रख दूं?' सरकार की तरफ से कोई महंगाई भत्ते की किस्त अभी तक नहीं मिल पाई है। एरियर फाइलों में कैद है, मेडिकल बिल ट्रेजरी में बीमार पड़े हैं और मैं उधार की दवाइयों के सहारे सरकारी सेहत का नमूना बना बैठा हूं। ऐसी हालत में नई अटैची खरीदने का सपना भी भ्रष्टाचार जैसा लगता है। इसीलिए फिलहाल अपुन ने मुख्यमंत्री बनने का आईडिया कैंसिल कर दिया है। अब आप पूछेंगे- मुख्यमंत्री और अटैची का क्या रिश्ता? तो साहब, पहले मैं भी इसी भ्रम में जी रहा था कि मुख्यमंत्री जनसेवा, त्याग, संघर्ष और बलिदान से बनता है। लेकिन जैसे ही पंजाब की एक महिला नेत्री का बयान पढ़ा कि 'मुख्यमंत्री वही बनता है जो हाईकमान को 500 करोड़ की अटैची देता है', मेरी राजनीतिक समझ को वही चक्कर आए जो आम आदमी को पेट्रोल के दाम देखकर आते हैं।

भारत के प्रशासनिक तंत्र का बड़ा हिस्सा इसी तरह की मानसिकता में काम करता है

प्रशासनिक तंत्र की तय हो जवाबदेही..

उमेश चतुर्वेदी

अरब सागर तटीय इस राज्य में सर्दियों में उत्तर भारतीय सैलानियों की आवक बढ़ जाती है। लेकिन हो सकता है कि इस बार यह आवक कम हो। गोवा में साल के आखिरी दिनों और अगले साल की छुट्टियां मनाने का मन बना चुके सैलानियों में इस बार हिचक हो सकती है। वजह है, यहां के मशहूर नाइट क्लब 'बर्क बाय रोमियो लेन' में लगी आग, जिसमें पांच सैलानी समेत पच्चीस लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। दुर्घटनाएं कह कर नहीं आतीं, लेकिन उनकी रोकथाम की मुकम्मल तैयारी से शायद ही किसी को इनकार हो। लेकिन समंदर के किनारे से छनकर आती रोशनियों के बीच स्थित गोवा के इस नाइट क्लब में लगी आग और उसमें गई निर्दोष जान ने सबसे बड़ा सवाल उस प्रशासनिक तंत्र पर लगाया है, जिस पर इस हादसे की रोकथाम की जिम्मेदारी थी।

उत्तर भारत की सर्दियां गोवा के लिए वरदान होती हैं। अरब सागर तटीय इस राज्य में सर्दियों में उत्तर भारतीय सैलानियों की आवक बढ़ जाती है। लेकिन हो सकता है कि इस बार यह आवक कम हो। गोवा में साल के आखिरी दिनों और अगले साल की छुट्टियां मनाने का मन बना चुके सैलानियों में इस बार हिचक हो सकती है। वजह है, यहां के मशहूर नाइट क्लब 'बर्क बाय रोमियो लेन' में लगी आग, जिसमें पांच सैलानी समेत पच्चीस लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। दुर्घटनाएं कह कर नहीं आतीं, लेकिन उनकी रोकथाम की मुकम्मल तैयारी से शायद ही किसी को इनकार हो। लेकिन समंदर के किनारे से छनकर आती रोशनियों के बीच स्थित गोवा के इस नाइट क्लब में लगी आग और उसमें गई निर्दोष जान ने सबसे बड़ा सवाल उस प्रशासनिक तंत्र पर लगाया है, जिस पर इस हादसे की रोकथाम की जिम्मेदारी थी। बताया जा रहा है कि अनधिकृत ढंग से इस नाइट क्लब का निर्माण किया गया था। इस अनधिकृत निर्माण को तोड़ने के लिए गोवा की संबंधित पंचायत ने निर्देश भी दे रखा है। आग लगने की दशा में उसके रोकथाम और बचाव को लेकर इस नाइट क्लब में कोई मुकम्मल इंतजाम नहीं था। इतना ही नहीं, यह क्लब बेहद संकरी जगह पर है, जहां आसानी से जाना संभव नहीं है। भारत में एक चलन स्वीकार कर लिया गया है। नियमावलियां तो खूब बनाई गई हैं। लेकिन वे सिर्फ दस्तावेजों के लिए हैं। जिन्हें इन नियमावलियों को लागू करने की जिम्मेदारी है, जिन पर इन नियमावलियों को तोड़ने वालों को उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत दंडित करने-कराने की जवाबदेही है, अक्सर वे इससे आंखें मूंद लेते हैं। कई बार नियम तोड़ने वालों से संबंध पलकों को मोड़ने का जरिया बनते हैं तो कई बार रिश्वत की रकम का बोझ पलकों को झुकने के लिए मजबूर कर देता है। भारत के प्रशासनिक तंत्र का बड़ा हिस्सा इसी तरह की मानसिकता में काम करता है। वह दुर्घटनाओं और हादसों का इंतजार करता है। वह तभी जागता है, जब हादसे हो जाते हैं, उनमें मासूम जानें चली जाती हैं। तब उन्हें नियमों की तेजी से याद आने लगती है। प्रशासनिक तंत्र की बंद आंखे तब ऐसे खुल जाती हैं, जैसे भगवान शिव का तीसरा नेत्र खुलता है। तब उसे अनधिकृत निर्माण भी दिखने लगता है, तब उसे

कार्रवाई की भी सूझने लगती है। कार्रवाई होती भी है। गोवा के 'बर्क बाय रोमियो लेन' क्लब के मालिकों पर भी होगी, लेकिन इसका असर कितनी देर तक रहेगा, कहना मुश्किल है। क्योंकि वक्त बीतते-बीतते कार्रवाई में ढिलाई भी शुरू हो सकती है और अगर किसी सामाजिक संस्था, किसी राजनीतिक व्यवस्था या किसी न्यायिक व्यवस्था की निगाह उस पर नहीं पड़ी तो कार्रवाई धीरे-धीरे टलती चली जाएगी, उसकी तासीर ठंडी होती जाएगी और फिर हो सकता है कि नियमों को तोड़ने वाले किसी और जगह नियम तोड़कर ऐसा ही किसी और नाम से नाइट क्लब चलाने लगें भारत में अंग्रेजों ने प्रशासनिक ढांचा अपने राजकाज को चलाने के लिए बनाया था। उसे लंबी अवधि तक बनाए रखने के लिए बनाया था। देखते ही देखते यह तंत्र स्टील फ्रेम में तब्दील होता चला गया। वैसे भी जर्मन दार्शनिक मैक्स वेबर इसे स्टील फ्रेम ही बताते हैं। संविधान सभा ने भारत के भावी प्रशासनिक तंत्र की रूपरेखा को लेकर चर्चा की थी। उसने इस पर गंभीर विमर्श किया था। संविधान सभा में प्रशासनिक तंत्र पर व्यापक चर्चा हुई, जिसका उद्देश्य एक ऐसा ढांचा तैयार करना था जो स्वतंत्र भारत के लिए प्रभावी, निष्पक्ष और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति जवाबदेह हो। संविधान सभा के सदस्यों को संदेह था कि भारत की भावी नौकरशाही भारतीय मूल्यों और भारतीय व्यवस्था के अनुरूप नहीं हो पाएगी। इसी लिए संविधान सभा में तत्कालीन सदस्यों ने नौकरशाही की भूमिका पर ना सिर्फ व्यापक चर्चा की, बल्कि उसकी राजनीतिक तटस्थता, कार्यक्षमता, जवाबदेही और नए स्वतंत्र राष्ट्र के लोकतांत्रिक ढांचे में उसकी स्थिति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया। इन बहसों का उद्देश्य एक ऐसी सिविल सेवा प्रणाली स्थापित करना रहा, जो संविधान के सिद्धांतों के प्रति निष्ठावान हो और लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हो। सवाल यह है कि क्या संविधान सभा की बहसों के अनुरूप आज की नौकरशाही बन पाई है। उसके ज्यादातर हिस्सों को देखिए तो लगता है कि बिल्कुल नहीं। आज भी उसमें अंग्रेजी राज जैसी अकड़ है, उसका ध्यान ज्यादातर अपनी ताकत को बचाए रखने और उसके जरिए आर्थिक साम्राज्य खड़ा करने पर है। भारत का शायद ही कोई राज्य हो, जहां की नौकरशाही में अकूत संपत्ति के मालिक, भ्रष्टाचारी और कर्त्तव्यहीन अफसर ना होंगे। मध्य प्रदेश जैसे जिन राज्यों में लोकपाल व्यवस्था कायम है, वहां आए दिन ऐसे अफसरों पर छापे पड़ते हैं, उनके घर मिले नोटों को गिनने के लिए मशीनें लानी पड़ती हैं। कई बार तो नोट गिनने में ही दो-दो तीन-तीन दिन लग जाते हैं। सवाल यह है कि क्या अफसरों के पास अकूत धन उनके सत्कर्मों और कर्त्तव्यपरायाणता के चलते आता है? निश्चित रूप से इस सवाल का जवाब ना में हैं। पैसे आते हैं, अवैध निर्माण को बढ़ावा देने से, नियमों की अवहेलना करने वालों से मिलने वाली रकम से, लोक के लिए आए फंड की बंदरबांट से। बिना प्रशासनिक मिलीभगत के यह कल्पना बेकार है कि किसी नाइट क्लब में अवैध निर्माण होगा, वह संकरी गलियों में चलेगा और उसमें सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी होंगे। हाल के दिनों में सड़कों पर बसों के आग का गोला बनने की घटनाएं भी बढ़ी हैं, अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर भी चले हैं या चल रहे हैं, सवाल यह है कि क्या खटारा बसें बिना प्रशासनिक मिलीभगत और लापरवाही से सड़कों पर चल सकती हैं, क्या अवैध निर्माण बिना प्रशासनिक सहयोग के हो सकता है, निश्चित तौर पर ऐसे सवालों का जवाब ना में है। जब भी हादसे होते हैं, जब कोई बस आग का गोला बनती है, जब अवैध निर्माण सामने आता है, संबंधित बस मालिक के खिलाफ कार्रवाई हो जाती है, अवैध निर्माण गिरा दिया जाता है। लेकिन इन सबके लिए प्रशासनिक रूप से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती। वे साफ बच जाते हैं। सवाल यह है कि जब भ्रष्ट प्रशासनिक तंत्र के बिना कोई नाइट क्लब नियमों को तोड़ते हुए निर्माण नहीं करा सकता, रोकथाम के उपायों की अनदेखी कर सकता है, बिना तंत्र के सहयोग के कोई अवैध निर्माण नहीं कर सकता, बिना तंत्र की आंखें मूंदने के कोई टूर ऑपरेटर खटारा बसों को सड़कों पर उतार नहीं सकता तो उस तंत्र पर सवाल क्यों ना उठे, उस भ्रष्ट प्रशासनिक ढांचे पर प्रहार क्यों न हो, अनधिकृत निर्माण जिस दौर में हुआ, उस वक्त उस इलाका विशेष में तैनात रहे अफसरों, कर्मचारियों और पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों न हो, उन्हें क्यों न जवाबदेह ठहराया जाए। आज जरूरत इस बात की है कि अब हर गलत कार्य के लिए, गलत कार्य करने वाले, नियम तोड़ने वाले, कानून का उल्लंघन करने वाले को दोषी ठहराने की न्यायिक प्रक्रिया तो चले ही, साथ ही उसके लिए परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार रहे अधिकारियों को भी जवाबदेह बनाया जाए, उन्हें खोजकर उचित प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रिया के जरिए दंडित किया जाए। जब तक ऐसा नहीं किया जाता, तब तक देश में ऐसी निर्दोष जानें जाती रहेंगी, सड़कों पर अव्यवस्था फैली रहेगी, नियमों की अनदेखी से अराजकता बनी रहेगी। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या इस तरीके से सोचने को हमारा राजनीतिक ढांचा तैयार है।

देश दुनिया से

डीपसीक गाथा में भारत के लिए मौजूद सबक

इस वर्ष जनवरी में, एक अल्पज्ञात चीनी स्टार्टअप ने नाटकीय घोषणा की, जिसने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया को हिला दिया। कंपनी थी 'डीपसीक', जिसने अपने लार्ज लेंग्वेज मॉडल यानी एलएलएम को अमेरिकी तकनीकी दिग्गजों, जैसे कि चैट जीपीटी के विकसित मॉडलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए जारी किया। जिस चीज़ ने सब को हैरान किया, वह था इसको विकसित करने में आई बेहद कम लागत, यह सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करके सिलिकॉन वैली के दिग्गजों द्वारा विकसित किए एआई की तुलना में अंश मात्र है। इस नई घटना ने दुनिया को दिखा दिया कि एआई क्षेत्र में चीन बहुत आगे है और अमेरिका तकनीकी विकास में एकमात्र प्रभावी शक्ति नहीं रहा। अब, विज्ञान पत्रिका 'नेचर' ने डीपसीक के संस्थापक लियांग वेनफेंग को 2025 के दौरान वैश्विक स्तर के प्रमुख वैज्ञानिक विकास के पीछे के शीर्ष 10 लोगों में नामित किया है। डीपसीक का सामान्य उद्देश्य 'वी-3 मॉडल' और उन्नत मॉडल, 'आर-1' ने केवल सनसनीखेज सुर्खियां बटोरी बल्कि करीब एक वर्ष में एआई परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव भी लाए हैं। 'आर-1' एक तर्कशील एलएलएम है जो गणित और कोडिंग में जटिल कार्यों को संभाल सकता है। चीनी फर्म ने अमेरिकी कंपनियों से एक कदम आगे बढ़ते हुए डीपसीक को एक ओपन मॉडल बना दिया, जिसके तहत शोधकर्ताओं को विभिन्न क्षेत्रों के लिए मॉडल के एल्गोरिद्म अपने अनुसार अनुकूलित करने की अनुमति है। कंपनी ने यह राज़ भी खोला कि वह 'प्रशिक्षण' लागत इतनी कम कैसे रख पाई। सभी एलएलएम को पहले विशाल मात्रा में डेटा भरना पड़ता है या उन्हें कुशल बनाने के लिए 'डेटा-प्रशिक्षित' करना पड़ता है। एक उद्योग सर्वेक्षण से पता चला है कि इस वर्ष चीनी मॉडल एआई बाजार में तेजी से आगे बढ़े हैं, जिसकी बदौलत वे इस तकनीक के वैश्विक उपयोग का एक-तिहाई हिस्सा बन चुके हैं। टोकन वॉल्यूम में इंग्लिश के बाद चीनी भाषा के प्रॉम्प्ट दूसरे स्थान पर हैं। यह दर्शाता है, चीनी मॉडल वैश्विक स्तर पर अच्छा कर रहे हैं और चीन के भीतर भी व्यापक रूप से उपयोग किए जा रहे। टोकन डेटा की वे इकाइयां हैं जिन्हें एआई मॉडल द्वारा ट्रेनिंग और अनुमान के दौरान संसाधित किया जाता है व ये भविष्यवाणी, सृजन और तर्क को सक्षम करने में मदद करते हैं। डीपसीक की धूमधाम के तुरंत बाद, भारत ने भी बुनियादी मॉडल विकसित करने के लिए परियोजनाओं का एक समुच्चय घोषित किया, जिसमें एलएलएम, लघुभाषा मॉडल और भारतीय आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त समस्या-विशिष्ट एआई समाधान शामिल हैं। इस योजना में 'डिजिटल इंडिया भाषिणी' (भारतीय भाषाओं के लिए एआई भाषा अनुवाद प्लेटफॉर्म), भारतजेन (सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए मल्टीमॉडल एलएलएम), सर्वम-1 एआई मॉडल (10 भारतीय भाषाओं के लिए एलएलएम), चित्रलेखा (वीडियो ट्रांसक्रिएशन प्लेटफॉर्म) और 'हनुमान'स एवरेस्ट' 1.0 (35 भारतीय भाषाओं के लिए बहुभाषाई एआई प्रणाली) का विकास करना शामिल है। प्रौद्योगिकी संस्थानों का संघ यानी 'भारतजेन' मुख्यालय आईआईटी-बॉम्बे में स्थापित किया गया है; इसे विभिन्न मंत्रालयों से वित्त पोषण के साथ 'संप्रभु बहुभाषी एलएलएम' विकास का कार्य सौंपा गया, जिसमें राष्ट्रीय एआई मिशन से 980 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह वित्तीय मदद भारतजेन को एलएलएम विकसित करने के लिए राष्ट्रीय लक्ष्य के रूप में पहला ऐसा उद्यम बनाती है। चूंकि भारतीय घोषणा डीपसीक के ऐलान के तुरंत बाद आई, भारतजेन को चीनी पहल के सीधे जवाब के रूप में देखा गया। हालांकि, महत्वपूर्ण अंतर हैं। डीपसीक एक व्यावसायिक उद्यम है, जो स्टार्टअप मोड में निर्मित है और जिसका मंतव्य वैश्विक बाजारों में उपयोग है। वहीं, भारतजेन रणनीतिक राष्ट्रीय मिशन है, जो पूरा सरकार द्वारा वित्त पोषित होगा और तकनीकी संप्रभुता प्राप्ति पर केंद्रित है। चैट जीपीटी और डीपसीक जैसे वैश्विक मॉडलों की प्रमुख चुनौती भारत की जटिल भाषाई व सांस्कृतिक विविधता समझना है। भारतजेन यह अंतर भरने का प्रयास करेगा क्योंकि इसे भारतीय-विशिष्ट डेटा की विशाल मात्रा पर प्रशिक्षित किया जाएगा। डीपसीक के मॉडल सामान्य उद्देश्य के हैं और वैश्विक उपभोग के लिए बनाए हैं, जबकि भारतजेन भारत-विशिष्ट होगा। सबसे बड़ा अंतर यह है कि डीपसीक पहले से बाजार में है, जबकि भारतजेन ने अभी ठोस समय सीमा की घोषणा नहीं की। चैट जीपीटी, डीपसीक और अन्य ऐसे एलएलएम मॉडल विकसित करने वाली कंपनियों के विपरीत, भारतजेन वाणिज्यिक उद्यम नहीं। इसे इस महीने आईआईटी-बॉम्बे द्वारा एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया। भले यह पूरी तरह सरकारी वित्तपोषित है, तथापि यह एक कॉर्पोरेट इकाई होगा। आईआईटी प्रोफेसर गणेश रामकृष्णन जो भारतजेन टेक्नोलॉजी फाउंडेशन के प्रमुख हैं, ने स्पष्ट किया कि एआई मॉडल को प्रयोगशाला से बाजार में लाया जा सके इसके लिए स्वायत्तता और संचालन लचीलापन आवश्यक है। भारतजेन दिलचस्प उदाहरण है जिसे 'सरकारी उद्यमिता' कहा जा सकता है—1970 और 1980 के दशक का एक मॉडल। उस समय के दो सफलतम तकनीकी उद्यम - कंप्यूटर मेंटेनेंस कॉर्पोरेशन (सीएमसी) और सेंटर फॉर टेलीमैटिक्स (सी-डॉट)- ने इस मॉडल का पालन किया। दोनों का गठन तकनीकी संप्रभुता स्थापित करना और रणनीतिक क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए किया गया था। दोनों मामलों में, आईआईटी और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च जैसे शोध संस्थानों का योगदान अहम रहा। आधारभूत मॉडलों के विकास में भारतीय तकनीकी निजी कंपनियों की बेरुखी रोचक है, हालांकि निजी क्षेत्र ने डेटा केंद्रों जैसी एआई अवसंरचना बनाने में वैश्विक कंपनियों के साथ सहयोग करने के लिए उत्साह दिखाया। भारतीय तकनीकी सेवा उद्योग, जिसकी आय करीब 200 अरब डॉलर है, को तेजी से बदलते एआई परिदृश्य में मात्र दर्शक या बाहरी तकनीक अपनाने वाले के रूप में नहीं रहना चाहिए। इसके पास प्रतिभा, अनुभव और वित्तीय शक्ति है जिसका उपयोग भारतजेन जैसे राष्ट्रीय उद्यमों हेतु करना चाहिए। डीपसीक एक चीनी मात्रात्मक हेज फंड, हाई फ्लेयर के स्वामित्व वाला और वित्तपोषित है। दोनों कंपनियों के संस्थापक व सीईओ लियांगवेनफेंग हैं। इसे सरकार द्वारा वित्तीय मदद नहीं मिलती, लेकिन इसके द्वारा विकसित मॉडल सरकारी सेंसरशिप नियमों का पालन करते हैं। वर्तमान चीनी नियमों के अनुसार सभी एआई सेवाओं के लिए जरूरी है कि वे समाजवादी बुनियादी मूल्य प्रतिबिंबित करने वाली हो और उन्हें ऐसी सामग्री वितरित करने से बचना चाहिए जो 'राज्य शक्ति को कमजोर' करें' या 'राष्ट्रीय एकता को चोट पहुंचाने वाली' हों। यही वजह है, चीनी एआई मॉडल तियानमिन स्क्वायर प्रदर्शन, ताइवान की स्थिति, मानवाधिकार उल्लंघन और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी नेतृत्व की आलोचना जैसे विषय पर चुप्पी साध लेते हैं या आधिकारिक दृष्टि प्रदान करते हैं।

आप का नजरिया

आठवीं अनुसूची में शामिल हो पहाड़ी भाषा

किसी भी राष्ट्र या देश के अतीत, सभ्यता, संस्कृति और उसके मानवीय विकास को परखने की कसौटी उसकी बोली है। इसके अलावा बोली का महत्त्व इस बात पर निर्भर करता है कि सामाजिक व्यवहार, शिक्षा और साहित्य में उसका क्या महत्त्व है। प्रत्येक भाषा का विकास बोलियों से हो होता है। यहां तक कि पशु-पक्षी अपनी भाव अभिव्यक्तियों के लिए जिन ध्वनियों का प्रयोग करते हैं, उन्हें भी समूह में बोली ही कहते हैं। पुरानी भाषा या बोलियों के नमूने हमें अनेक शिलालेख, ताम्रपत्र, भोजपत्र तथा स्तंभ आदि पर प्राचीनकालीन लिपियों के रूप में मिलते हैं। इसलिए, शायद हमारी पहाड़ी भाषाओं का उद्गम वैदिक संस्कृति से ही माना जाता है। हिमाचली भाषा का इतिहास काफी गौरवपूर्ण रहा है। साथ ही हमारी गौरवपूर्ण सभ्यता, संस्कृति और साहित्य को वर्तमान संदर्भ में कलमबद्ध करने की नितांत आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ी बोलियों की इस अमूल्य धरोहर से वंचित न रह जाए। हिमाचल के अधिकतर क्षेत्रों में स्थानीय बोलियां प्रचालित हैं। इनमें महासुवी, कुल्लवी, कांगड़ी, मंडियाली, किन्नौरी, चंबयाली आदि बोलियां प्रमुख हैं। वर्तमान में हिमाचल में करीब 33 क्षेत्रीय बोलियां बोली जाती हैं। ये बोलियां लोक साहित्य, दलांगी साहित्य, लोक गीत, लोक गाथाओं और नैतिक मूल्यों का बेशकीमती खजाना अपने आप में संजोए हुए हैं। जनजातीय क्षेत्र जैसे किन्नौर की बात करें तो पुराने जमाने में यहां रेखड़ पद्धति थी। रामपुर बुशहर में टांकरी का प्रचलन रहा और ऊपरी किन्नौर में तिब्बती या भोटी भाषा में तीन भाषाओं के तत्त्व मिले हैं। तिब्बती भाषा को किन्नौरी भाषा का मूल अंश भी माना जाता है। भरमौर के गद्दी जनजातीय क्षेत्र में भरमौरी भाषा बोली जाती है। रोहड़ू, जुब्बल, कोटखाई, कोटगढ़ यानी अपर हिमाचल में महासुवी बोली बोली जाती है। जैसा कि कहा भी जाता है कि बारह कोस पर बदले बोली, यह कहावत हिमाचल की बोलियों के लिए चरितार्थ होती है। हिमाचल प्रदेश का गौरवमयी इतिहास रहा है। हिमाचल प्रदेश की लोक कला, वास्तुकला, पहाड़ी चित्रकला, पहाड़ी रूमाल तथा हस्तशिल्प कला, काष्ठकला इत्यादि देश में ही नहीं, बल्कि विश्वभर में अपना लोहा मनवा चुकी है। परंतु खेद का विषय है कि हम 21वीं सदी में भी पहाड़ी बोली को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान नहीं दिला पाए हैं। पहाड़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए पहाड़ी भाषा बोलने वाले आम आदमी को प्रयासरत रहना होगा। मेरा यह मानना है कि युवाशक्ति ही ऐसी शक्ति है, जो समाज की धारा ही बदल सकती है। वर्तमान संदर्भ में इंटरनेट का प्रचलन बहुत बढ़ गया है। युवा वर्ग अपनी स्थानीय बोली में ब्लॉग लिख कर या सोशल मीडिया द्वारा हिमाचली पहाड़ी भाषा के प्रचार प्रसार से भी विश्वग्राम की परिकल्पना को साकार कर सकती है। पाश्चात्य सभ्यता के रंग में न रंगकर युवा अपनी अमूल्य धरोहर बोली के माध्यम से संजोकर रख सकता है। हिमाचल प्रदेश का कला संस्कृति विभाग विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोक संस्कृति, साहित्य, कला व बोलियों के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रहा है। ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में भी समय-समय पर लोक भाषा में नाटकों का मंचन किया जाता है। आकाशवाणी शिमला, हमीरपुर, धर्मशाला केंद्र भी स्थानीय बोलियों के संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। पहाड़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए हिमाचल के साहित्यकार, कवि व लेखक पहाड़ी बोली में ज्यादा से ज्यादा लेखन कार्य कर विशेष योगदान दे सकते हैं। हिमाचली पहाड़ी भाषा का इतिहास काफी गौरवपूर्ण रहा है। साथ ही हमारी गौरवपूर्ण सभ्यता, संस्कृति और साहित्य को वर्तमान संदर्भ में कलमबद्ध करने की नितांत आवश्यकता है ताकि आने वाली पीढ़ी बोलियों की इस अमूल्य धरोहर से वंचित न रह जाए। अभिभावक भी इसमें अपना योगदान दे सकते हैं। वे अपने बच्चों को संस्कार का बीज अपनी स्थानीय बोली को जीवित रख कर बो सकते हैं, जिससे न केवल बच्चों में लोक संस्कृति, लोक साहित्य व इसके इतिहास में रुचि पैदा होगी, साथ ही उनका नैतिक और बौद्धिक विकास भी होगा। आधुनिकता की चकाचौंध भी उनकी मानसिकता व मूल्यों को बदल नहीं पाएगी। समाज की आम जनता और बुद्धिजीवियों से भी यही निवेदन है कि वे भी हमारी अमूल्य हिमाचली पहाड़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने का प्रयास करें ताकि हिमाचल की पहचान, पहाड़ की शान और हर पहाड़ी भाषा बोलने वालों का मान, यह पहाड़ी बोली देशभर में अपनी पहचान बना सके। यह काम अकेले सरकार नहीं कर सकती है। इसके लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है।

प्रत्येक भाषा का विकास बोलियों से हो होता है। यहां तक कि पशु-पक्षी अपनी भाव अभिव्यक्तियों के लिए जिन ध्वनियों का प्रयोग करते हैं, उन्हें भी समूह में बोली ही कहते हैं। पुरानी भाषा या बोलियों के नमूने हमें अनेक शिलालेख, ताम्रपत्र, भोजपत्र तथा स्तंभ आदि पर प्राचीनकालीन लिपियों के रूप में मिलते हैं। इसलिए, शायद हमारी पहाड़ी भाषाओं का उद्गम वैदिक संस्कृति से ही माना जाता है। हिमाचली भाषा का इतिहास काफी गौरवपूर्ण रहा है। साथ ही हमारी गौरवपूर्ण सभ्यता, संस्कृति और साहित्य को वर्तमान संदर्भ में कलमबद्ध करने की नितांत आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ी बोलियों की इस अमूल्य धरोहर से वंचित न रह जाए। हिमाचल के अधिकतर क्षेत्रों में स्थानीय बोलियां प्रचालित हैं। इनमें महासुवी, कुल्लवी, कांगड़ी, मंडियाली, किन्नौरी, चंबयाली आदि बोलियां प्रमुख हैं। वर्तमान में हिमाचल में करीब 33 क्षेत्रीय बोलियां बोली जाती हैं। ये बोलियां लोक साहित्य, दलांगी साहित्य, लोक गीत, लोक गाथाओं और नैतिक मूल्यों का बेशकीमती खजाना अपने आप में संजोए हुए हैं।

दृष्टि कोण

बड़ी कंपनी के सामने लाचार है सरकार

देश में कोई ताकतवर कंपनी कैसे कानून का दावपेंच इस्तेमाल करके सरकार को उसी के बनाए कानून के जाल में उलझा कर अपना उल्लू सीधा कर सकती है, इंडिगो एयरलाइंस विवाद इसका बड़ा उदाहरण है। इस एयरलाइंस ने चार दिन तक हजारों यात्रियों को बंधक जैसी हालत में रखा। इसका फायदा दूसरी विमानन कंपनियों ने उठा कर जम कर चांदी कूटी। इस पूरी हालत के दौरान केंद्र सरकार तमाशबीन बनी रही। सरकार हवाई यात्रियों को हैरान-परेशान और लुटते हुए देखती रही। जब पानी सिर से गुजरने लगा तब सरकार को होश आया। आखिरकार सरकार को नियमों में छूट देकर एयरलाइंस कंपनी के समक्ष बैकफुट पर आने के लिए विवश होना पड़ा। सरकार को यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर पायलटों के लिए बनाए गए कायदे-कानूनों में ढील देने का निर्णय लेना पड़ा। केंद्र सरकार ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) के नए नियम लागू किए थे। इन नियमों को जनवरी 2024 में लाया गया था। हालांकि, इन्हें अब जाकर पूरी तरह से लागू किया गया। इनमें पायलटों और क्रू मेंबर का ड्यूटी टाइम कर दिया गया है और आराम करने का समय बढ़ा दिया है। ऐसा पायलटों की थकान कम करने और सेफ्टी बढ़ाने के लिए किया गया है। एफडीटीएल के नए नियम तय करते हैं कि पायलट कितनी देर ड्यूटी पर रह सकते हैं, कितने घंटे विमान उड़ा सकते हैं, रात में कितनी बार लैंडिंग कर सकते हैं, उन्हें कितना आराम मिलना चाहिए, कितनी बार नाइट ड्यूटी कर सकते हैं? नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इन नियमों को पिछली साल जनवरी में पेश किया था। इन्हें पिछले साल ही 31 मई से लागू किया जाना था। मगर एयरलाइन कंपनियों ने इसके लिए समय मांगा, जिसके बाद इन्हें टाल दिया गया। इसके बाद इन नियमों को इस साल दो फेज में लागू किया गया। इन नियमों का पहला फेज इस साल जुलाई में लागू किया गया। दूसरा फेज 1 नवंबर से

लागू कर दिया गया। सवाल यह है कि जब नए नियम सभी एयरलाइन कंपनियों पर लागू होते हैं, पर इसका सबसे ज्यादा असर इंडिगो पर ही क्यों दिखा? इसका जवाब है कि इंडिगो के पास पायलटों की कमी हो गई है। इंडिगो ने जानबूझ कर यह कमी की। अन्य एयरलाइंस कंपनियों की तरह इंडिगो के पास भी नए पायलटों की भर्ती के लिए पर्याप्त समय था, किन्तु कंपनी ने भारी आर्थिक भार को टालने के लिए भर्ती नहीं की। कंपनी ने बड़ी चालाकी से सरकार को उसी के बनाए नियमों में फांस कर इनमें ढील देने के लिए विवश कर दिया। इसके लिए कंपनी ने यात्रियों को मोहरा बनाया। यह जानते हुए भी कि कंपनी के पास पायलटों की कमी है, लगातार बुकिंग जारी रखी। फिर अचानक हाथ खड़े कर दिए। हजारों यात्रियों के फंसे होने से जब देश में हाहाकार मचा तो केंद्र सरकार को नए नियमों में ढील देने के लिए झुकना पड़ा। डीसीजीए ने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए नियमों में ढील दी जा रही है। डीजीसीए ने उन नियमों में ढील दी है, जो अहमदाबाद फ्लाइट क्रैश के बाद लागू किए गए थे। साथ ही अभी क्राइसिस के समय पायलटों से मदद की अपील की। डीजीसीए ने अब इंडिगो से एक डिटेल्ड रोडमैप जमा करने को कहा, जिसमें उससे क्रू की भर्ती, क्रू की ट्रेनिंग का प्लान, रोस्टर रिस्ट्रक्चरिंग और सेफ्टी रिस्क असेसमेंट का प्लान मांगा गया है। इसके साथ ही डीजीसीए ने इंडिगो को हर 15 दिन में एक प्रोग्रेस रिपोर्ट भी देने को कहा है। सरकार की ओर से केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सफाई दी कि यह फैसला केवल यात्रियों के हित में लिया गया है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, मरीजों और जरूरी यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए। मंत्रालय ने एयरलाइनों के साथ कम से कम छह महीने तक निरंतर संवाद भी किया। पहले इस नियम के बारे में कोई समस्या नहीं थी।

यूक्रेन का आरोप – रूसी ड्रोन हमले में तुर्किये का नागरिक जहाज बना निशाना

कीव, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूक्रेन की नौसेना ने आरोप लगाया है कि रूस ने एक ड्रोन हमले के जरिए तुर्किये के एक नागरिक जहाज को जानबूझकर निशाना बनाया। यह जहाज सनफ्लावर ऑयल लेकर मिस्र जा रहा था। यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब एक दिन पहले रूस ने यूक्रेन के दो बंदरगाहों पर भी हमले किए थे।

यूक्रेनी नौसेना ने टेलीग्राम पर जारी बयान में बताया कि प्रभावित जहाज का नाम 'वीवा' है, जिस पर 11 तुर्किये नागरिक सवार थे। नौसेना के अनुसार, हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और जहाज सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा जारी रखते हुए मिस्र की ओर बढ़ रहा है।

बयान में कहा गया कि यह हमला खुले समुद्र में यूक्रेन के विशेष आर्थिक क्षेत्र में किया गया, जो यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों की सीमा से बाहर है। यूक्रेन ने इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का उल्लंघन बताते हुए रूस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

नौसेना ने यह भी स्पष्ट किया कि वह जहाज के कप्तान के संपर्क में है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

इससे पहले, 12 दिसंबर को रूस द्वारा किए गए हमलों में यूक्रेन के दो बंदरगाहों को निशाना बनाया गया था, जिसमें तुर्किये के स्वामित्व वाले तीन जहाज क्षतिग्रस्त हो गए थे। उन हमलों के दौरान एक जहाज में भीषण आग लगने की खबर भी सामने आई थी।

यूक्रेन का कहना है कि ये घटनाएं उस चेतावनी के बाद हुई हैं, जिसमें रूस ने यूक्रेन को समुद्री मार्गों से 'पूरी तरह अलग' करने की धमकी दी थी। यह चेतावनी तब दी गई थी, जब यूक्रेन ने रूस से तेल निर्यात के लिए जा रहे तथाकथित 'शैडो फ्लीट' के तीन टैंकरों को नुकसान पहुंचाया था।

काला सागर क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक जहाज़ों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले में कर्फ्यू लगाया गया

पेशावर (खैबर पख्तूनख्वा) पाकिस्तान। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के टैंक जिले में कर्फ्यू लगा दिया गया। यह शाम छह बजे तक प्रभावी रहेगा। जिला प्रशासन ने अधिसूचना जारी कर मीडिया को यह जानकारी दी। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अधिसूचना में कहा गया है कि कर्फ्यू की अवधि में टैंक जिले के जंडोला सब डिवीजन में बाजार बंद रहेंगे। सभी तरह की आवाजाही पर प्रतिबंधित रहेगी। कोक किला-खरगी हाइवे भी यातायात के लिए बंद रहेगा। आपात स्थिति में पुलिस या सुरक्षा बलों की इजाजत से और पहचान पत्र और दस्तावेज जमा करके प्रभावित रास्तों पर यात्रा की जा सकती है। अधिसूचना में सलाह दी गई है कि सुरक्षा बलों को देखकर गाड़ी 50 मीटर पहले रोक देनी चाहिए और सभी लोगों को नीचे उतर जाना चाहिए। उल्लंघन करने पर होने वाली कार्रवाई के लिए संबंधित व्यक्ति जिम्मेदार होगा।

आईएमएफ ने पाक पर 18 महीनों में थोपी कुल 64 शर्तें

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपने 7 अरब डॉलर के बेलआउट कार्यक्रम के तहत 11 नई शर्तें जोड़ दी हैं। कुल मिलाकर अब पाकिस्तान पर थोपी गई कुल शर्तों की संख्या अब 64 हो गई है। दूसरी समीक्षा की स्टाफ-लेवल रिपोर्ट में शामिल इन शर्तों के बाद पिछले 18 महीनों में लगाई गई कुल शर्तों की संख्या बढ़कर 64 हो गई है। नई शर्तें पाकिस्तान के सुशासन ढांचे की पुरानी खामियों, व्यापक भ्रष्टाचार जोखिमों और घाटे वाले क्षेत्रों में सुधार से जुड़ी हैं। सबसे अहम शर्तों में से एक यह है कि दिसंबर 2026 तक सभी उच्च स्तरीय केंद्रीय सिविल सेवकों (ग्रेड-19 और ऊपर) की संपत्ति घोषणाएं आधिकारिक सरकारी वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाएंगी। आईएमएफ का कहना है कि इससे आय और संपत्ति में विसंगतियों का पता लगाना आसान होगा। सरकार ने प्रांतीय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों पर भी यह नियम लागू करने का इरादा जाहिर किया है। बैंकिंग क्षेत्र को इन घोषणाओं की पूरी जानकारी दी जाएगी। आईएमएफ ने अक्टूबर 2026 तक 10 सबसे अधिक जोखिम वाले विभागों में भ्रष्टाचार के खतरे को कम करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना जारी करने को कहा है। नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) इन योजनाओं का समन्वय करेगा। प्रांतीय एंटी-करप्शन संस्थाओं को वित्तीय खुफिया जानकारी प्राप्त करने और वित्तीय अपराधों की जांच क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। ये कदम आईएमएफ-प्रायोजित गवर्नेंस एंड करप्शन डायग्नोस्टिक असेसमेंट की सिफारिशों पर आधारित हैं, जिसमें पाकिस्तान के कानूनी, प्रशासनिक और निगरानी ढांचे में व्यापक कमियां उजागर हुई थीं। आईएमएफ ने पाकिस्तान को मई 2026 तक विदेशी रेमिटेंस भेजने की लागत और बाधाओं की व्यापक समीक्षा पूरी करने को कहा है।

अमेरिका के ब्राउन विवि में परीक्षा के दौरान गोलीबारी, दो की मौत, आठ घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के रोड आइलैंड के ब्राउन विश्व विद्यालय (यूनिवर्सिटी) में गोलीबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और कई घायल हो गए। वारदात के समय विश्व विद्यालय में परीक्षा हो रही थी। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी करने के बाद संदिग्ध भाग गया। उसकी तलाश की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गोलीबारी शनिवार दोपहर ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई। शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रोविडेंस के मेयर ब्रेट स्माइली ने कहा कि स्थानीय समय के अनुसार शाम चार बजे के कुछ देर बाद उन्हें बारस एंड हॉली इंजीनियरिंग बिल्डिंग में गोलीबारी की सूचना मिली। स्माइली ने कहा कि कम से कम दो लोग मारे गए और आठ अन्य को गंभीर हालत में रोड आइलैंड अस्पताल ले जाया गया। स्माइली ने कहा, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इस संबंध में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। प्रोविडेंस के उप पुलिस प्रमुख टिम ओहारा ने बताया कि मौके से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने संदिग्ध का सिर्फ इतना हुलिया बताया गया है कि वह काले कपड़े पहने एक आदमी था। विश्वविद्यालय की सुरक्षा सेवा विभाग ने शुरू में बताया था कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। लेकिन बाद में उस बयान को वापस ले लिया गया।

एच1बी वीजा की फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने के विरोध में 20 राज्यों ने किया मुकदमा दर्ज

वाशिंगटन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

बीते वक्त में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय छात्रों, पेशेवरों (आईटी, तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े) द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयोग किए जाने वाले एच1बी वीजा की फीस को कई गुना बढ़ाकर 1 लाख डॉलर करने का फैसला अब उन पर ही भारी पड़ता हुआ नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा के नेतृत्व में अमेरिका के मैसाचुसेट्स, न्यूयॉर्क, इलिनॉइस जैसे डेमोक्रेटिक दल के बहुमत वाले 20 राज्यों ने राष्ट्रपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अमेरिकी राज्यों का तर्क है कि देश के राष्ट्रपति को इस प्रकार का कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए था। क्योंकि यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है। एच1बी वीजा की फीस बढ़ाने से अमेरिका की आवश्यक सेवाओं की सूची में शामिल चिकित्सा क्षेत्र जैसे अस्पतालों, सामाजिक क्षेत्र जैसे सार्वजनिक स्कूलों और विश्वविद्यालयों पर बड़ा जटिल खतरा आ जाएगा। भारत से सालाना करीब तीन लाख से अधिक छात्र इस वीजा के माध्यम से अमेरिका में उच्च-शिक्षा या रोजगार के सिलसिले में जाते हैं। लेकिन वर्तमान समय में वीजा की फीस में अचानक की गई भारी भरकम बढ़ोतरी की वजह से छात्रों और उनके अभिभावकों के माथे पर चिंता की लकीरें साफतौर पर देखी जा सकती हैं। बताते चलें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लिए गए निर्णयों की पूर्व में भी विपक्षी दलों ने तीखी आलोचना की है। लेकिन राष्ट्रपति आपातकालीन शक्तियों से जुड़े अधिनियम का हवाला देते हुए इन्हें क्रियान्वित करने का दम भरते हैं। जबकि न्यायालय में उनका यह फैसला कितना टिकेगा या नहीं। यह तो आने वाले वक्त में ही साफ हो सकेगा।

21 सितंबर से लागू है निर्णय – अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वीजा के संबंध में की गई इस फीस बढ़ोतरी से पहले ही इसे लेकर सख्त रुख अपनाते हुए नजर आ रहे थे। उनके प्रशासन द्वारा छात्रों यानी आवेदकों के सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच को अनिवार्य बनाया गया और इसके साथ ही कई अन्य फैसले भी लागू किए गए। इन सबके बीच 19 सितंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति ने एच1बी वीजा की फीस बढ़ाकर 1 लाख करने की घोषणा की और 21 सितंबर से आने वाले सभी नए आवेदनों पर इस बढ़ी हुई फीस को लागू करने का फरमान सुना दिया।

71 फीसदी लाभार्थी भारतीय – गौरतलब है कि अमेरिका ने 1990 में यानी करीब तीन दशक से भी पहले एच1बी वीजा की शुरुआत की गई थी। वर्तमान में इसके 71 फीसदी लाभार्थी भारतीय हैं। 'द यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज'(यूएससीआईएस) के मुताबिक, पिछले साल 2024 में एच1बी वीजा को लेकर कुल स्वीकृत 4 लाख आवेदनों में से तीन लाख भारतीय हैं। यह सभी इस वक्त अमेरिका में काम कर रहे हैं। भारत में अमेरिका के फैसले से बढ़ते तनाव और असमंजस के बीच वाशिंगटन प्रशासन ने हालिया समय में कहा था कि एच1बी वीजा के संबंध में बढ़ी हुई फीस मौजूदा वीजा धारकों या वीजा नवीनीकरण कराने वाले लोगों पर लागू नहीं होगी।

आईएमएफ ने पाक पर 18 महीनों में थोपी कुल 64 शर्तें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपने 7 अरब डॉलर के बेलआउट कार्यक्रम के तहत 11 नई शर्तें जोड़ दी हैं। कुल मिलाकर अब पाकिस्तान पर थोपी गई कुल शर्तों की संख्या अब 64 हो गई है। दूसरी समीक्षा की स्टाफ-लेवल रिपोर्ट में शामिल इन शर्तों के बाद पिछले 18 महीनों में लगाई गई कुल शर्तों की संख्या बढ़कर 64 हो गई है। नई शर्तें पाकिस्तान के सुशासन ढांचे की पुरानी खामियों, व्यापक भ्रष्टाचार जोखिमों और घाटे वाले क्षेत्रों में सुधार से जुड़ी हैं। सबसे अहम शर्तों में से एक यह है कि दिसंबर 2026 तक सभी उच्च स्तरीय केंद्रीय सिविल सेवकों (ग्रेड-19 और ऊपर) की संपत्ति घोषणाएं आधिकारिक सरकारी वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाएंगी। आईएमएफ का कहना है कि इससे आय और संपत्ति में विसंगतियों का पता लगाना आसान होगा। सरकार ने प्रांतीय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों पर भी यह नियम लागू करने का इरादा जाहिर किया है। बैंकिंग क्षेत्र को इन घोषणाओं की पूरी जानकारी दी जाएगी। आईएमएफ ने अक्टूबर 2026 तक 10 सबसे अधिक जोखिम वाले विभागों में भ्रष्टाचार के खतरे को कम करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना जारी करने को कहा है। नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) इन योजनाओं का समन्वय करेगा। प्रांतीय एंटी-करप्शन संस्थाओं को वित्तीय खुफिया जानकारी प्राप्त करने और वित्तीय अपराधों की जांच क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। ये कदम आईएमएफ-प्रायोजित गवर्नेंस एंड करप्शन डायग्नोस्टिक असेसमेंट की सिफारिशों पर आधारित हैं, जिसमें पाकिस्तान के कानूनी, प्रशासनिक और निगरानी ढांचे में व्यापक कमियां उजागर हुई थीं। आईएमएफ ने पाकिस्तान को मई 2026 तक विदेशी रेमिटेंस भेजने की लागत और बाधाओं की व्यापक समीक्षा पूरी करने को कहा है।

कृतज्ञ बांग्लादेश ने शहीद बुद्धिजीवी दिवस पर सपूतों को श्रद्धांजलि दी

ढाका, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

कृतज्ञ बांग्लादेश 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मारे गए बुद्धिजीवियों की स्मृति में हर वर्ष मनाए जाने वाले शहीद बुद्धिजीवी दिवस के मौके पर सपूतों को याद कर रहा है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने शहर के मीरपुर स्थित शहीद बुद्धिजीवी स्मारक पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। रिपोर्ट के अनुसार, इस अवसर पर मुख्य सलाहकार ने देश के महान सपूतों की याद में गहरे सम्मान के प्रतीक के रूप में कुछ देर तक मौन धारण किया। बांग्लादेश सशस्त्र बलों की टुकड़ी ने राजकीय सलामी देने के साथ बिगुल पर अंतिम धुन बजाई।

इसके बाद मुख्य सलाहकार ने मुख्य न्यायाधीश, अंतरिम सरकार के सलाहकारों, शीर्ष नागरिक और सैन्य अधिकारियों, घायल बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीद बुद्धिजीवियों के परिवार के सदस्यों के साथ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। मुक्ति संग्राम के अंतिम चरण में नवोदित बांग्लादेश को बौद्धिक रूप से कमजोर करने के प्रयास में देश के होनहार सपूतों की हत्या कर दी गई थी।

इससे पहले राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने सुबह करीब 7: 04 बजे शहीद बुद्धिजीवी स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीद बुद्धिजीवियों को श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तान की सेना ने बुद्धिजीवियों (शिक्षकों, डॉक्टरों, पत्रकारों, लेखकों आदि) का अपहरण कर उन्हें सामूहिक रूप से मौत के घाट उतार दिया था। इसका मकसद बांग्लादेश के भविष्य के बौद्धिक और रचनात्मक क्षमता को खत्म करना था।

घंटों के हिसाब से पति किराए पर लिया जाता है लातविया में

रीगा। पुरुषों की भारी कमी के कारण यूरोपीय देश लातविया में महिलाओं के बीच 'घंटों के हिसाब से पति किराए पर लेने' की सेवा तेजी से बढ़ रही है। ये अस्थायी साथी अकेलेपन के दौर से गुजर रही महिलाओं को बातचीत व भावनात्मक सहारा भी प्रदान करते हैं। यह सेवा महिला ग्राहकों को ऐसे पुरुष उपलब्ध कराती है, जो घर के छोटे-मोटे कामों से लेकर मरम्मत, प्लंबिंग, बढ़ईगिरी और अन्य घरेलू जिम्मेदारियां पूरी करने में मदद करते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, लातविया में लैंगिक असंतुलन बेहद गंभीर स्तर पर पहुंच चुका है। देश में पुरुषों की संख्या महिलाओं की तुलना में लगभग 15.5 प्रतिशत कम है, जो यूरोपीय संघ के औसत से तीन गुना अधिक है। वर्ल्ड एटलस की रिपोर्ट बताती है कि लातविया में पुरुषों की औसत आयु महिलाओं की तुलना में काफी कम है। 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में महिलाओं की संख्या पुरुषों से लगभग दोगुनी है। यह असमानता रोजमर्रा के जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। राजधानी रीगा में इवेंट ऑर्गनाइजिंग का काम करने वाली दानिया नाम की महिला ने बताया कि उनकी पूरी टीम में एक भी पुरुष नहीं है। उन्होंने भर्ती के दौरान कई पुरुष उम्मीदवारों की तलाश की, लेकिन उपलब्धता ही नहीं मिली।

अमेरिका का दावा: बेलारूस ने लिथुआनिया में गुब्बारों की घुसपैठ रोकने पर सहमति जताई

विलनियस, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने कहा है कि बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने अपने देश से लिथुआनिया की ओर उड़ाए जा रहे गुब्बारों को रोकने का आश्वासन दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जॉन कोएल ने शनिवार को यह जानकारी दी।

जॉन कोएल ने लिथुआनिया की राजधानी विलनियस में मीडिया से बातचीत में बताया कि बेलारूस के राष्ट्रपति ने हाल ही में उनसे कहा है कि वह गुब्बारों की उड़ान रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। कोएल के मुताबिक, लुकाशेंको के साथ यह बातचीत दो दिनों की बैठकों के बाद हुई।

गौरतलब है कि ये गुब्बारे सिगरेट तस्करों द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनकी वजह से हाल के महीनों में विलनियस हवाई अड्डे को एक दर्जन से अधिक बार बंद करना पड़ा है। लिथुआनिया का आरोप है कि बेलारूस इस गतिविधि को बढ़ावा देकर उसके खिलाफ 'हाइब्रिड हमला' कर रहा है।

इसी को लेकर लिथुआनिया ने पहले ही आपातकाल घोषित कर दिया है और संसद से पुलिस व सीमा सुरक्षा बलों की मदद के लिए सेना को अधिकार देने का अनुरोध किया है।

हालांकि, बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको ने मंगलवार को कहा था कि लिथुआनिया इस समस्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। इसके बावजूद अमेरिकी दूत कोएल का कहना है कि उन्हें विश्वास है कि बेलारूस इस मुद्दे को शांत करने की दिशा में गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लुकाशेंको अपने पड़ोसी देशों के साथ सामान्य रिश्ते चाहते हैं और इस समस्या के समाधान में समय लग सकता है।

कोएल ने यह भी कहा कि लिथुआनिया ने भी अपने स्तर पर तस्करी रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं और दोनों पक्ष मिलकर इस मसले पर काम कर रहे हैं।

इससे पहले, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 1 दिसंबर को सीमा पर हालात बिगड़ने की चेतावनी देते हुए इन गुब्बारों की घुसपैठ को बेलारूस की ओर से 'पूरी तरह अस्वीकार्य हाइब्रिड हमला' बताया था।

तानाशाह किम जोंग ने अपनी सेना की तारीफ में कहा- हमारे बहादुर जवान नहीं होते तो रूस को बड़ा नुकसान होता

प्योंगयांग,14 दिसंबर (एजेंसियां)।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग अपने सैनिकों की जमकर तारीफ कर रहे है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि यदि उत्तर कोरिया की सेना रुस की मदद नहीं करती तो वहां की सेना को भारी नुकसान हो सकता था। वजह ये है कि यूक्रेन की तरफ से बिछाई गई बारुद की सुरंग को हटाने का काम उत्तर कोरिया की सेना ने किया है। अपनी जान जोखिम में डालकर रुसी सेना को भारी नुकसान से बचाने का काम हमारे सैनिकों ने किया है। तानाशाह किम के मुताबिक इस साल की शुरुआत में कुर्स्क क्षेत्र में भेजे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों ने यहां पर बारूदी सुरंगे हटाने का काम किया, जिसकी वजह से हजारों रूसी सैनिकों की जान बची।

शनिवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया पर प्रसारित एक कार्यक्रम में किम जोंग उन ने रूस से वापस लौटे अपने इन सैनिकों की सराहना की। तानाशाह ने कहा, अगस्त से शुरू हुई 120 दिनों की

तैनाती के दौरान हमारे सैनिकों ने अभूतपूर्व साहस दिखाया।

चाहे अधिकारी हों या सैनिक सभी ने लगभग हर दिन अपनी कल्पना से परे मानसिक और शारीरिक दबावों पर काबू पाते हुए सामूहिक वीरता का परिचय दिया। बारूदी सुरंगे हटाने के काम के दौरान यह लोग अपने शहरों और गांवों को पत्र भी भेजते थे। किम ने आगे कहा, तीन महीने से भी कम समय में हमारे सैनिकों ने एक बड़े खतरनाक क्षेत्र को रूसी सेना के लिए पूरी तरह से सुरक्षित कर दिया। इसमें हमारे जिन भी सैनिकों की जान गई है। उनकी बहादुरी को हमेशा के लिए अमर बनाने के उद्देश्य से राज्य उनको सम्मान प्रदान करेगा। सरकारी मीडिया की तरफ से जारी की गई फोटोस में किम साफ तौर पर वापस आए सैनिकों को गले लगाते हुए देखे जा सकते हैं। इनमें से कुछ सैनिक घायल और व्हील चेयर पर भी दिखाई दिए। इससे पहले, उत्तर कोरिया शुरुआत से ही पुतिन की मदद के लिए कुर्स्क क्षेत्र में सैनिक भेज रहा है। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक इस युद्ध में उत्तर कोरिया ने हजारों सैनिक भेजे हैं। इसके बदले में रूस उसकी वित्तीय सहायता, सैन्य तकनीक, खाद्य सामग्री और ऊर्जा आपूर्ति में मदद कर रहा है। इसकी वजह से अपने परमाणु कार्यक्रम के कारण अलग-थलग पड़े इस देश को अपने अभियान चलाने में मदद मिल रही है।

हवा चली और पत्ता बुजुर्ग के मुंह में चला गया उसे थूकने पर लगा भारी जुर्माना

लिंकनशायर। यूके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। 86 साल के बुजुर्ग, जिन्हें चलने में कठिनाई होती है, गंभीर दमा और दिल की बीमारी से भी जूझ रहे हैं, उन पर सिर्फ 250 पाउंड यानी 26,250 रुपए का जुर्माना लगा दिया, क्योंकि हवा में उड़ा एक पत्ता उनके मुंह में चला गया और उन्होंने उसे थूक दिया। यह घटना लिंकनशायर के एक बोटिंग लेक के पास हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुजुर्ग रॉय मार्श टहल रहे थे, तभी अचानक तेज हवा के झोंके में एक सूखी घास जैसा पत्ता उनके मुंह में चला गया। उन्होंने तुरंत उसे खांसी के साथ बाहर थूक दिया। इतने में दो अधिकारी उनके पास आ गए और उन पर भारी जुर्माना लगा दिया। मार्श ने बताया कि वह बैठे थे कि अचानक हवा के तेज झोंके में एक पत्ता उनके मुंह में चला गया। उसे थूक दिया और जैसे ही आगे बढ़े, दो लोग उनके पास आ गए। मार्श का कहना है कि यह एक पूरी तरह से दुर्घटनावश हुआ मामला था और उन्हें माफी का मौका दिया जाना चाहिए था। उन्होंने अधिकारियों पर बेहद सख्त रवैया अपनाने का आरोप लगाया। इस मामले के बाद स्थानीय काउंटी काउंसलर को भी कई शिकायतें मिलीं, जिसमें लोगों ने ऐसे ही अनुचित जुर्माने लगने की बात कही। अपील करने पर भारी जुर्माना घटाकर 150 पाउंड यानी करीब 15,750 रुपए कर दिया गया। बता दें यूके में थूकने पर सख्त कार्रवाई के पीछे एक और वजह है। रिपोर्ट के मुताबिक लंदन का ब्रेंट काउंसिल हर साल 30,000 पाउंड से ज्यादा सिर्फ सड़कों और इमारतों पर पड़े पान के लाल दाग साफ करने में खर्च करता है।

नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप : अमन सहरावत और अंतिम पंघाल ने दिखाया दम, अलग-अलग वजन वर्ग में जीते स्वर्ण

अहमदाबाद, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

अहमदाबाद में आयोजित नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के शीर्ष पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन किया। पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम पंघाल ने स्वर्ण पदक जीतकर सुर्खियां बटोरीं। खास बात यह रही कि दोनों पहलवानों ने अपने परंपरागत वजन वर्ग से अलग श्रेणियों में उतरकर खिताब अपने नाम किए।

अमन सहरावत ने 61 किग्रा में मचाया धमाल - आमतौर पर 57 किग्रा वर्ग में मुकाबला करने वाले अमन सहरावत ने इस बार 61 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में हिस्सा लिया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए वजन कम न करने का फैसला किया। इससे पहले अमन को इस साल क्रोएशिया में वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप के दौरान वजन ज्यादा होने पर अयोग्य ठहराया गया था। इसके चलते भारतीय कुश्ती महासंघ ने उन्हें एक साल के लिए निलंबित किया था, लेकिन बाद में यह निलंबन हटा लिया गया, जिससे वह अहमदाबाद में प्रतिस्पर्धा कर सके।

वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए फाइनल में अमन ने निखिल को 10-0 से हराया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टरफाइनल में आदित्य नारायण को 12-1 और ललित को 10-0 से मात दी। सेमीफाइनल में उन्होंने चोटिल भौंह और खून बहने के बावजूद अनुज कुमार को 13-2 से हराया।

मैच के बाद अमन की प्रतिक्रिया - मुकाबले के बाद अमन ने एएनआई से बात करते हुए रेसलिंग प्रीमियर लीग , 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स और विनेश फोगाट की वापसी पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'यह बहुत अच्छा लग रहा है। एक नेक्स्ट-लेवल प्रतियोगिता है। स्टेडियम और सुविधाएं शानदार हैं। इससे 2028 के लिए कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल दिखता है।' कॉमनवेल्थ गेम्स पर अमन ने कहा कि 2026 संस्करण में कुश्ती शामिल नहीं है, लेकिन वह 2030 के लिए पूरी मेहनत करेंगे। विनेश फोगाट की वापसी पर उन्होंने कहा, 'उनका फैसला अच्छा है। 2028 ओलंपिक में उनसे हमें पदक की उम्मीद है।'

अंतिम पंघाल ने 55 किग्रा में जीता खिताब - दो बार की विश्व चैंपियन अंतिम पंघाल ने भी अपने सामान्य 53 किग्रा की बजाय 55 किग्रा वर्ग में हिस्सा लिया। क्वार्टरफाइनल में उन्होंने हंसिका को 8-0 से हराया, सेमीफाइनल में अहिल्या शिंदे को 14-8 से मात दी और फाइनल में ज्योति को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

न्यूज़ ब्रीफ

मेसी को न देख पाने का दुःख: टिकट की भरपाई के लिए मैदान से कारपेट घर ले गया फैन; शादी छोड़ आया प्रशंसक हुआ निराश

कोलकाता। लियोनल मेसी के टूर ऑफ इंडिया का कोलकाता चरण शनिवार को अव्यवस्था और हंगामे में बदल गया। एक तरफ, हजारों रुपये का टिकट लेकर आए फैंस को मेसी की झलक तक नहीं मिली, वहीं दूसरी तरफ निराशा इतनी बढ़ी कि एक फैन टिकट के दाम की भरपाई के लिए सॉल्ट लेक स्टेडियम का कारपेट कंधे पर उठाकर घर ले गया। इसी भीड़ में एक ऐसा भी प्रशंसक था, जो अपनी शादी छोड़कर मेसी को देखने आया था, लेकिन हाथ लगी केवल मायूसी। कोलकाता में अफरातफरी : कुछ मिनट में खत्म हुआ कार्यक्रम कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में मेसी के पहुंचते ही हालात बिगड़ने लगे। भारी टिकट कीमतें चुकाने वाले दर्शकों की उम्मीदें उस वक्त टूट गईं, जब मैदान पर उतरते ही मेसी 100 से ज्यादा लोगों, राजनीतिक नेताओं, वीआईपी, सुरक्षाकर्मियों से घिर गए। नतीजा यह रहा कि स्टैंड्स में बैठे फैंस को सुपरस्टार ठीक से दिख ही नहीं पाए। स्थिति बेकाबू होती देख मेसी को सिर्फ कुछ ही मिनट में मैदान से बाहर ले जाया गया। इसके बाद गुस्सा हिंसा में बदल गया। बोतलें और कुर्सियां उछाली गईं, बैनर फाड़े गए और नुकसान हुआ। कारपेट उठा ले गया फैन, निराशा की हद हंगामे के बीच एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक फैन स्टेडियम का कारपेट कंधे पर उठाए नजर आया। रिपोर्टर के सवाल पर उसने कहा, 'मैंने टिकट के 10,000 रुपये दिए, लेकिन मेसी का चेहरा तक नहीं देख पाया। बस नेताओं के चेहरे दिखे।

इंदौर में राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता 15 दिसम्बर से

इंदौर। इंदौर शहर एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों का केंद्र बनने जा रहा है। 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता-2025 का पाँच दिवसीय आयोजन 15 दिसम्बर से 19 दिसम्बर 2025 तक किया जाएगा, जिसमें देश के मेधावी स्कूली खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रतिष्ठित आयोजन की संगठन सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी, डॉ. शांता स्वामी भार्गव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के तत्वावधान में आयोजित हो रही है। इस वर्ष की राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता विशेष रूप से कराते स्पर्धा पर केंद्रित रहेगी। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए 14 वर्षीय आयु वर्ग के बालक और बालिका खिलाड़ी सम्मिलित होंगे। यह मंच न केवल युवा एथलीटों को प्रतिस्पर्धा का मौका देगा, बल्कि खेल भावना और अनुशासन को भी बढ़ावा देगा। प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन समारोह 15 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे से डेली कॉलेज, मुसाखेड़ी, इंदौर में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान शिक्षा, खेल और प्रशासन जगत की कई महत्वपूर्ण हस्तियों की उपस्थिति अपेक्षित है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागी टीमों, प्रशिक्षकों और संबंधित अधिकारियों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दी हैं और उम्मीद जताई है कि यह प्रतियोगिता इंदौर में खेल संस्कृति को और मजबूत करेगी।

विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं रोहित शर्मा और विराट कोहली

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली इस साल विजय हजारे ट्रॉफी खेल सकते हैं। कोहली का नाम भारत के प्रमुख 50 ओवर के घरेलू टूर्नामेंट के लिए दिल्ली की संभावित टीम में शामिल होने के बाद , रोहित का चयन भी लगभग तय है। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की मुंबई में विजय हजारे ट्रॉफी के कुछ मैचों में खेलने की संभावना हैं ताकि भारत की अगली वनडे सीरीज से पहले उन्हें तैयारी का मौका मिल सके। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सफल सीरीज के बाद, भारत की अगली वनडे द्विपक्षीय सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होगी। इसका मतलब है कि उस सीरीज से पहले काफी समय है और अब केवल वनडे फॉर्मेट में खेलने वाले रोहित शर्मा और कोहली घरेलू क्रिकेट में खेल सकेंगे।

तीसरा टी 20 मैच: भारत ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से रौंदा, सीरीज में 2-1 से बढ़त

धर्मशाला, 14 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में रविवार को खेले गए टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में 7 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम महज 117 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 44 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान एडेन मार्करम ने पारी को संभालने की कोशिश की। मार्करम ने 2 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 61 रन की पारी खेली। डोनोवन फरेरा ने 20 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि एनरिक नॉर्त्जे ने 12 रन जुटाए। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सका। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट निकाले, जबकि हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे को 1-1 विकेट हाथ लगा। इसके जवाब में भारत ने 15.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। मेजबान टीम को अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 5.2 ओवरों में 60 रन की साझेदारी की। अभिषेक 18 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि गिल ने 28 रन बनाए। तिलक वर्मा ने 25 रन और शिवम दुबे ने 10 रन की नाबाद पारी खेलते हुए भारत को जीत दिलाई। साउथ अफ्रीका की तरफ से लुंगी एनगिडी, मार्को जानसेन और कॉर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

भारत ने कटक में खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले को 101 रन से अपने नाम किया था। इसके बाद साउथ अफ्रीका ने न्यू चंडीगढ़ में आयोजित दूसरे मुकाबले को 51 रन से जीतकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली थी, लेकिन अब एक बार फिर बढ़त भारत के पास है। दोनों देशों के बीच टी20 सीरीज के शेष दो मुकाबले लखनऊ और अहमदाबाद में क्रमशः 17 दिसंबर और 19 दिसंबर को खेले जाने हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन आईपीएल में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने रविवार को स्पष्ट किया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने आईपीएल नीलामी में खुद को बल्लेबाज के तौर पर लिस्ट किए जाने का कारण अपने मैनेजर की गलती को बताया है।

ग्रीन ने आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन के लिए खुद को एक स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के रूप में रजिस्टर किया है, जबकि वह एक फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में होगा।

'ईएसपीएनक्रिकइंफो' के अनुसार रविवार सुबह एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के प्रशिक्षण सत्र से पहले ग्रीन ने कहा, 'मैं गेंदबाजी करने के लिए तैयार हूं। मुझे नहीं पता कि मेरे मैनेजर को यह सुनकर अच्छा लगेगा या नहीं, लेकिन उनकी तरफ से कुछ गलती हो गई। उनका मतलब 'बल्लेबाज' कहना नहीं था। मुझे लगता है कि उन्होंने गलती से गलत बॉक्स चुन लिया। यह सब जिस तरह से हुआ वह काफी मजेदार है, लेकिन वास्तव में गलती उनकी तरफ से ही हुई थी।'

लंबे कद के 26 वर्षीय ऑलराउंडर ग्रीन ने 2023 में मुंबई इंडियंस और 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह नीलामी में हिस्सा लेने वाले सबसे बड़े नामों में से हैं और उनके लिए मोटी बोली लगने की उम्मीद है। ग्रीन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है।

पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण ग्रीन 2025 सत्र से बाहर रहे थे। उन्होंने जून में एक बल्लेबाज के तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी। हालांकि, इसके बाद उन्हें गेंदबाजी करने की इजाजत मिल गई और वह ऑस्ट्रेलिया तथा इंग्लैंड के बीच चल रही एशेज सीरीज में गेंदबाजी कर रहे हैं।

हांगकांग में डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के मिश्रित युगल

हांगकांग में डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के मिश्रित युगल में खेलती हुई दक्षिण कोरियाई जोड़ी।

मंधाना ने हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड बनने पर दी बधाई, कहा मुझे तुम पर गर्व है

नई दिल्ली, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर एक स्टैंड का नाम किये जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि मुझे तुम पर गर्व है। मंधाना ने हरमनप्रीत को सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए लिखा कि महिला क्रिकेट के लिए ये दिन दिन काफी अच्छा रहा जब किसी खिलाड़ी के नाम पर स्टैंड बना है। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने विश्व विजेता टीम की कप्तान हरमनप्रीत को सम्मानित करने उनके नाम पर एक स्टेडियम का उद्घाटन किया था।

बीसीसीआई ने हरमनप्रीत का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। इसे साझा करते हुए मंधाना ने लिखा, 'बधाई हो हरमनप्रीत। महिला क्रिकेट के लिए क्या शानदार दिन है, मुझे तुम पर बहुत गर्व है।' इस वीडियो में हरमनप्रीत ने कहा, 'विश्व कप जीतने के बाद मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदल गया है पर मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक खास पल है जिस मैदान पर मैंने खेलना शुरू किया था, आज आखिरकार उसपर मेरे नाम पर एक स्टैंड बना है। ये मेरे लिए बेहद गर्व का पल है और मैं इसके लिए पीसीए की आभारी हूं। लंबे संघर्ष के बाद ये दिन आया है। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। वह तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं जिनके नाम पर एक स्टैंड का नाम रखा गया है. इससे पहले झूलन गोस्वामी और मिताली राज के नाम पर स्टैंड बने थे पर हरमनप्रीत को सक्रिकय क्रिकेटर के तौर पर ये सम्मान मिला है। इसके साथ ही हरमनप्रीत को 11 लाख रुपये का चेक भी मिला है। के अलावा अमनजोत कौर और हरलीन देओल को भी 11 लाख रुपये मिले हैं।

गनथर के खिलाफ हार के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर समाप्त हुआ

वाशिंगटन, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिग्गज डब्ल्यू डब्यलू ई रेसलर जॉन सीना को यहां कैपिटल वन एरीना में हुए अपने अंतिम मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। सीना को इस मैच में गनथर ने हराया। गनथर के सामने इस मुकाबले में सीना टिक नहीं पाये और उन्होंने हार मान ली। मैच के बाद सीना ने अपनी टी-शर्ट और रिस्टबैंड रिंग में छोड़ने और दर्शकों का अभिवादन करने के बाद रिंग से विदायी दे ली। इस मुकाबले में सीना ने अंतिम बार अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किय पर गनथर के सामने उनकी एक न चली।

इस मुकाबले के साथ ही सीना का 25 साल लंबा डब्ल्यू डब्यलू ई करियर समाप्त हो गया। इसमें सीना का बनाया हुआ गीत 'माय टाइम इज नाउ' बज रहा था। सीना के प्रतिद्वंदी गुंथर के नाम भी कई रिकार्ड हैं। वह डब्ल्यू डब्यलू ई इतिहास के सबसे लंबे समय तक इंटरकॉन्टिनेंटल चैंपियन रहे हैं और पूर्व विश्व हेवीवेट चैंपियन भी हैं। ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांच मुठभेड़ देखने को मिली। इसमें सीना पूरी ताकत से उतरे। सीना ने पहले ही साफ कर दिया था कि यह उनका आखिरी मैच है और इसके बाद वह सक्रिय रेसर के रूप में नहीं उतरेंगे। सीना ने कहा है कि मुझे अच्छा लगता है कि प्रशंसक सोचते हैं कि मैं फिर लौट सकता हूं हालांकि इस बार ऐसा नहीं होगा। उनके अनुसार यह मुकाबला उनके करियर का अंतिम मैच था। भले ही भविष्य में रेसलमेनिया जैसे बड़े इवेंट हों पर अब वह रिंग में नहीं उतरतेंगे। सीना को पीपल्स चैंपियन भी कहा जाता है। उन्होंने डब्ल्यू डब्यलू ई के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर इसे पूरी दुनिया में लोकप्रिय बनाया था। उन्होंने अपने फाउंडेशन के जरिए हजारों बीमार बच्चों की इच्छाएं पूरी कीं। इसी कारण रिंग के अंदर और बाहर, दोनों जगह उनके प्रशंसकों की भारी संख्या रही है।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण में इस बार 22 प्रेरक पेसर शामिल किए गए

नई दिल्ली । टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के 10वें संस्करण में इस बार 22 प्रेरक पेसर शामिल किए गए हैं, जो 21 दिसंबर को हजारों धावकों को सही गति देने के लिए ट्रैक पर उतरेंगे। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल से सम्मानित यह दुनिया की पहली 25 किलोमीटर रोड रेस है। इस वर्ष पेसर्स का समूह विविधता और प्रेरणा का अद्भुत संगम पेश कर रहा है। इनमें सीमाओं पर देश सेवा कर चुके रक्षा बलों के जवान, चुनौतियों को पछाड़कर दौड़ को अपनाने वाली महिलाएं और अपने व्यस्त पेशे के बीच फिटनेस को जीवन का हिस्सा बनाने वाले लोग शामिल हैं। यह सभी टाटा स्टील वर्ल्ड की 'डिकेड ऑफ डिफरेंस' थीम को साकार करते हैं।

यात्रियों का आरोप – कई एयरलाइंस तय सीमा से अधिक किराया वसूल रही

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)।

देश भर में घरेलू उड़ानों की टिकट बुकिंग करने वाले यात्रियों का कहना है कि सरकार द्वारा तय की गई किराया सीमा के बावजूद एयरलाइंस ऊंचे दाम वसूल रही हैं। कम्युनिटी प्लेटफॉर्म लोकलसर्किल्स के हालिया सर्वे में यह बात सामने आई है कि करीब 10 में से 6 यात्रियों ने किराया सीमा के उल्लंघन के मामले देखे हैं।

10 में 6 यात्रियों ने एयरलाइंस पर नियम तोड़ने का आरोप लगाया

यह शिकायतें 6 दिसंबर के बाद भी जारी हैं, जबकि इसी दिन नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अस्थायी तौर पर किराए की अधिकतम सीमा लागू की थी। दरअसल, 3 से 6 दिसंबर के बीच घरेलू उड़ानों के टिकटों के दाम अचानक काफी बढ़ गए थे। यात्रियों की लगातार शिकायतों के बाद सरकार ने इकोनॉमी क्लास की नॉन-स्टॉप घरेलू उड़ानों पर बेस किराया सीमा तय की। इसके तहत 500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए अधिकतम 7,500 रुपये, 500 से 1,000 किलोमीटर के लिए 12,000 रुपये, 1,000 से 1,500 किलोमीटर के लिए 15,000 रुपये और 1,500 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए 18,000 रुपये किराया तय किया गया। टैक्स और एयरपोर्ट शुल्क इससे अलग हैं। सरकार ने इसे अस्थायी कदम बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अधिक वसूली पर रोक लगाना है। लोकलसर्किल्स ने देश के 291 जिलों में यात्रियों से बातचीत की, जिसमें 25,519 लोगों ने अपनी राय दी। सर्वे के अनुसार, 59 प्रतिशत यात्रियों ने बताया कि उन्हें किराया सीमा के उल्लंघन के मामले मिले, जबकि सिर्फ 21 प्रतिशत ने माना कि हर बार नियमों का पालन हुआ। शेष यात्री इस पर स्पष्ट राय नहीं दे पाए। वहीं एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी बड़ी एयरलाइंस ने नियमों के पालन का दावा किया है। उनका कहना है कि बुकिंग सिस्टम को अपडेट किया जा रहा है और व्यस्त रूटों पर अतिरिक्त उड़ानें भी जोड़ी जा रही हैं। इस बीच, इंडिगो की कई उड़ानों के रद्द होने और डीजीसीए के नए ड्यूटी टाइम नियमों को किराया बढ़ने की प्रमुख वजह माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

डिग्री नहीं, सोच बनाती है अमीर या गरीब: रॉबर्ट कियोसाकी

नई दिल्ली। मशहूर लेखक और निवेशक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक बार फिर अमीरी और गरीबी के अंतर को लेकर अपनी सोच साझा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनके गरीब पापा के पास पीएचडी की डिग्री थी, जबकि उनके अमीर पापा ने हाई स्कूल तक की पढ़ाई भी पूरी नहीं की थी। इसके बावजूद गरीब पापा की मौत कर्ज और आर्थिक तंगी में हुई, जबकि अमीर पापा करोड़पति बनकर रिटायर हुए। कियोसाकी के मुताबिक इस फर्क की वजह पढ़ाई या बुद्धि नहीं, बल्कि पैसे को लेकर सोच है। गरीब सोच यह सवाल करती है कि कौन-सा निवेश सबसे सुरक्षित है, जबकि अमीर सोच यह देखती है कि किस निवेश में नियंत्रण, उधार (लीवरेज) और नियमित नकद आय मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोई भी निवेश अपने आप में अच्छा या बुरा नहीं होता, असली फर्क निवेशक की जानकारी से पड़ता है। गरीब सोच सुरक्षा ढूंढती है और कहती है मेरे पास पैसे नहीं हैं, जबकि अमीर सोच शिक्षा, समझ और हर बाजार में कमाई करने के तरीकों पर भरोसा करती है। कियोसाकी के अनुसार असली जोखिम निवेश करना नहीं, बल्कि हमेशा गरीब बने रहना है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की टैक्सपेयर-फ्रेंडली पहल शुरू

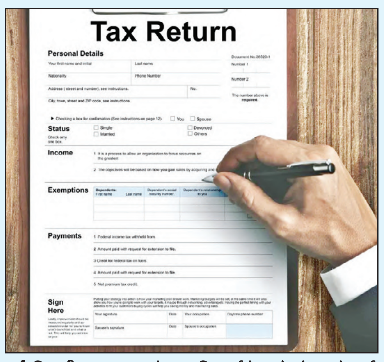

नई दिल्ली। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर्स को राहत देते हुए एक टैक्सपेयर-फ्रेंडली पहल शुरू की है। इसके तहत विभाग लोगों को एसएमएस और ईमेल के जरिए सूचित कर रहा है कि वे अपने इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) की समीक्षा करें और यदि किसी तरह का गलत डिडक्शन या क्लेम किया गया हो, तो उसे स्वयं सुधार लें। इस बारे में वित्त मंत्रालय ने जानकारी दी। यह अभियान उन कार्रवाइयों के बाद शुरू किया गया है, जिनमें इनकम टैक्स विभाग ने ऐसे बिचौलियों पर शिकंजा कसा था जो टैक्सपेयर्स के लिए फर्जी डोनेशन क्लेम दाखिल कर टैक्स देनदारी कम करवा रहे थे। जांच में सामने आया कि ये फर्जी क्लेम मुख्य रूप से रजिस्टर्ड लेकिन अनरिकग्नाइज्ड पॉलिटिकल पार्टियों (आरयूपीपी) और कुछ चैरिटेबल संस्थाओं को दिए गए डोनेशन के नाम पर किए गए थे। इनसे टैक्स कम किया गया और कई मामलों में फर्जी रिफंड भी लिया गया। विभाग की जांच में पाया गया कि कई आरयूपीपी न तो इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर रही थीं, न ही अपने रजिस्टर्ड पते पर मौजूद थीं और न ही किसी राजनीतिक गतिविधि में शामिल थीं। इन संस्थाओं का इस्तेमाल फंड रूटिंग, हवाला लेनदेन, क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस और फर्जी डोनेशन रसीदें जारी करने के लिए किया गया। इसके अलावा, कुछ कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा किए गए फर्जी सीएसआर और डोनेशन क्लेम के सबूत भी मिले हैं।

एसयूवी 'कैट' ब्राज़ील में ग्लोबली लॉन्च

नई दिल्ली। अपनी नई कॉम्पैक्ट एसयूवी 'कैट' को निसान ने ब्राज़ील में ग्लोबली लॉन्च किया है। कंपनी को उम्मीद है कि एसयूवी 'कैट' निसान की एंट्री-लेवल एसयूवी लाइनअप को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई मजबूती देगी। निसान कैट का डिज़ाइन मौजूदा वी-प्लेटफार्म पर आधारित है, लेकिन लुक पहले से ज्यादा आधुनिक और दमदार है। यह मॉडल अब तक उपलब्ध किक्स प्ले की जगह लेगा और 2026 से 20 से अधिक देशों में एक्सपोर्ट किया जाएगा। स्प्लिट एलईडी हेडलैम्प्स, नए डीआरएलएस, चौड़ा ग्रिल और अपडेटेड एलईडी टेल-लैंप्स एसयूवी को प्रीमियम और मस्कुलर अपीयरेंस देते हैं। 4,304 एमएम लंबी इस एसयूवी में 432 लीटर बूट स्पेस मिलता है, जो इसे सेगमेंट में व्यावहारिक बनाता है। इंटीरियर में ब्लैक थीम के साथ कई सुधार किए गए हैं, जिनमें 9-इंच पायोनियर टचस्क्रीन, 7-इंच डिजिटल इंस्ट्रुमेंट क्लस्टर, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो-एप्पल कारप्ले और वायरलेस चार्जिंग शामिल हैं।

मर्सिडीज-बेंज की नई सीएलए कार को मिली 5-स्टार रेटिंग

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)।

हाल ही में यूरो एनकैप की सेफ्टी टेस्टिंग में मर्सिडीज-बेंज की नई सीएलए कार ने धाकड़ प्रदर्शन करते हुए 5-स्टार रेटिंग हासिल कर ली है। मर्सिडीज सीएलए ने अपनी सुरक्षा के हर अहम पहलू में जबरदस्त स्कोर प्राप्त किए हैं। इस साल की आखिरी टेस्टिंग राउंड में यह अपने सेगमेंट की टॉप-रेटिंग कारों में शामिल हो गई है। यह टेस्ट यूरोप की सबसे भरोसेमंद सुरक्षा एजेंसी यूरो एनकैप द्वारा किया जाता है जो ये जांचता है कि किसी गाड़ी में सवार इंसानों और सड़क पर चलने वाले लोगों की सुरक्षा कितनी बेहतर है। टेस्टिंग से पता चला कि मर्सिडीज सीएलए ने एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में दमदार 94 पर्सेंट स्कोर हासिल किया। यानी आगे और पीछे बैठे यात्रियों की सेफ्टी के लिहाज से यह बेहद मजबूत कार है।

दूसरी ओर बच्चों की सेफ्टी के मामले में भी सीएलए ने 89 पर्सेंट स्कोर हासिल किए। खास बात यह है कि कार का सिस्टम अपने-आप समझ लेता है कि चाइल्ड सेफ्टी सीट लगी है या नहीं। यह उसी हिसाब से एयरबैग्स को एक्टिव या डी-एक्टिव कर देता है। सड़क पर चलने वाले पैदल यात्रियों और बाइकर्स की सुरक्षा को लेकर भी सीएलए ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वल्नरेबल रोड यूजर्स प्रोटेक्शन कैटेगरी में इसे शानदार 93 पर्सेंट स्कोर मिला। यह स्कोर बताता है कि कार की ब्रेकिंग और सेफ्टी टेक्नोलॉजी किसी भी संभावित दुर्घटना में नुकसान को काफी हद तक कम कर सकती है। बता दें कि यूरो एनकैप ने खासतौर पर इसकी ऑटोनॉमस इमरजेंसी ब्रेकिंग (एईबी) तकनीक की प्रशंसा की है जो खतरा भांपकर खुद ब्रेक लगा देती है। आखिर में सेफ्टी असिस्ट टेक्नोलॉजी के टेस्ट में सीएलए ने 85 पर्सेंट स्कोर कर यह साफ कर दिया कि इसके ड्राइवर-असिस्ट फीचर्स भी बेहद भरोसेमंद हैं।

गूगल पिक्सल 9 प्रो फोल्ड पर मिल रहा 77 हजार रुपये डिस्काउंट

नई दिल्ली। वर्तमान में फ्लिपकार्ट पर स्मार्टफोन्स गूगल पिक्सल 9 प्रो फोल्ड की खरीदी पर जबर्दस्त छूट मिल रही है। ये फोन इस वक्त 77 हजार रुपये के डिस्काउंट पर मिल रहा है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर गूगल पिक्सल 9 प्रो फोल्ड इस वक्त 99,999 रुपये में लिस्ट है। यानी इस पर 73 हजार का फ्लैट डिस्काउंट है। इस फोन को कंपनी ने पिछले साल 1,72,999 रुपये में लॉन्च किया था। इस कीमत में आपको 16जीबी रैम प्लस 256जीबी स्टोरेज वाला ये फोन मिल रहा है। इस पर बैंक ऑफर भी मिलेगा।बैंक ऑफर के तहत आप इस पर 4000 रुपये की बचत कर सकते हैं। ये ऑफर फ्लिपकार्ट एसबीआई और फ्लिपकार्ट एक्सिस बैंक कार्ड पर मिल रहा है। दोनों ऑफर के बाद आप फोन पर 77 हजार रुपये की बचत कर सकते हैं। इसके अलावा 5000 रुपये का एडिशनल एक्सचेंज बोनस भी मिल रहा है। हालांकि, ये ऑफर चुनिंदा फोन्स के एक्सचेंज पर मिलेगा। ये फोन 6.3-इंच के कवर डिस्प्ले और 8-इंच के मेन डिस्प्ले के साथ आता है। फोन गूगल टेंसॉर जी 4 प्रोसेसर के साथ आता है। इसमें 48एमपी प्लस 10.5एमपी प्लस 10.8 एमपी का ट्रिपल रियर और 10एमपी का फ्रंट कैमरा मिलता है। फोन 4650 एमएएच की बैटरी के साथ आता है।

स्पेसएक्स की आईपीओ की तैयारी, 800 अरब डॉलर तक पहुंचा मूल्यांकन

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)।

2.56 अरब डॉलर तक की शेयर खरीद को मंजूरी

एलॉन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स अगले कुछ वर्षों में शेयर बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने हाल ही में एक सेकेंडरी शेयर सेल शुरू की है, जिसके आधार पर उसका अनुमानित मूल्यांकन लगभग 800 अरब डॉलर आंका गया है। यह जानकारी कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) ब्रेट जॉनसन ने शेयरहोल्डर्स को भेजे गए एक पत्र में दी है। 12 दिसंबर को लिखे गए पत्र में जॉनसन ने बताया कि स्पेसएक्स ने एक ऐसी व्यवस्था को मंज़ूरी दी है, जिसके तहत नए और मौजूदा निवेशक, साथ ही कंपनी खुद मिलकर 2.56 अरब डॉलर तक के शेयर खरीदेंगे। इन शेयरों की कीमत 421 डॉलर प्रति शेयर तय की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी 2026 में संभावित आईपीओ के लिए खुद को तैयार कर रही है, हालांकि आईपीओ की तारीख, कीमत और अंतिम फैसला अभी तय नहीं है। स्पेसएक्स को सार्वजनिक करने के पीछे सबसे बड़ी वजह उसकी स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा की तेज़ी से बढ़ती लोकप्रियता है। कंपनी डायरेक्ट-टू-मोबाइल इंटरनेट सेवा पर काम कर रही है, जिससे मोबाइल फोन बिना टावर के भी सैटेलाइट के ज़रिये कनेक्ट हो सकेंगे। इसके साथ ही, कंपनी का स्टारशिप रॉकेट प्रोग्राम भी लगातार प्रगति कर रहा है, जिसे चांद और मंगल मिशनों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। आईपीओ या शेयर बिक्री से जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल स्टारशिप उड़ानों की संख्या बढ़ाने, अंतरिक्ष में एआई डेटा सेंटर, मूनबेस अल्फा और मंगल ग्रह पर मानव मिशनों के लिए किया जाएगा। निवेशकों ने संभावित आईपीओ की खबरों का स्वागत किया है और माना जा रहा है कि इससे स्पेसएक्स का मूल्यांकन भविष्य में 1 ट्रिलियन डॉलर से भी ऊपर जा सकता है।

सेफ्टी फर्स्ट! गोयल टीएमटी ने इंदौर में जुटाए निर्माण दिग्गज, वंडरस आर्किटेक्चर पर मंथन

इंदौर। इंदौर के मेट्रो शहर में तब्दील होने के साथ, सुरक्षित और टिकाऊ निर्माण पर ज़ोर देने के लिए, गोयल टीएमटी की पहल पर होटल रेडिसन रेड में एक अभूतपूर्व पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। वंडरस आर्किटेक्चर थ्रू एडवांस्ड स्ट्रक्चरल टेक्नोलॉजीज़ विषय पर हुए इस महामंच पर देश के शीर्ष आर्किटेक्ट्स और स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स ने हिस्सा लिया और भवन सुरक्षा का ब्लूप्रिंट साझा किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के सीईओ, डॉ. परीक्षित संजयराव झाड़े (आईएएस) उपस्थित रहे, जिन्होंने इंदौर के विकास में स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की भूमिका को रेखांकित किया। पैनल का संचालन करते हुए आईआईए इंदौर सेंटर की मानद सचिव, आर्किटेक्ट स्नेहल सोनटक्के ने एक महत्वपूर्ण सवाल उठाया: हमारा उद्देश्य केवल इमारतें खड़ी करना नहीं, बल्कि वंडरस आर्किटेक्चर रचना है, जहाँ सौंदर्य और सुरक्षा का संतुलन हो। दुर्भाग्यवश, लोग घर की बाहरी सुंदरता पर खर्च करते हैं लेकिन उसकी स्ट्रक्चरल हेल्थ को नजरअंदाज कर देते हैं।

बोनस, डिविडेंड और स्प्लिट से भरपूर होगा अगला हफ्ता

मनीबॉक्स, सिल्फ, डॉ. लाल पैथलैब्स और यूनिफिंज कैपिटल जारी करेंगी बोनस इश्यू

नई दिल्ली,14 दिसंबर (एजेंसियां)।

शेयर बाजार में आने वाला हफ्ता निवेशकों के लिए काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इसकी वजह है कई कंपनियों द्वारा किए जा रहे कॉरपोरेट एक्शन, जिनमें बोनस शेयर, डिविडेंड और स्टॉक स्प्लिट जैसे फैसले शामिल हैं। ऐसे फैसले निवेशकों की होल्डिंग, रिटर्न और शेयरों की कीमतों पर सीधा असर डालते हैं। इस दौरान रिकॉर्ड डेट और एक्स-डेट पर नजर रखना बेहद जरूरी हो जाता है, क्योंकि इन्हीं तारीखों के आधार पर यह तय होता है कि कौन निवेशक इन फायदों के हकदार होंगे।

बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, मनीबॉक्स फाइनेंस, सिल्फ टेक्नोलॉजीज, डॉ. लाल पैथलैब्स और यूनिफिंज कैपिटल इंडिया बोनस इश्यू करने जा रही हैं। इन कंपनियों ने इसके लिए एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट तय कर दी है। जिन निवेशकों का नाम रिकॉर्ड डेट तक कंपनी के शेयरधारकों की सूची में रहेगा, उन्हें बोनस शेयर मिलेंगे। मनीबॉक्स फाइनेंस लिमिटेड 15 दिसंबर 2025 को बोनस इश्यू के लिए एक्स-डेट पर ट्रेड करेगी। कंपनी ने 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने का फैसला किया है, यानी एक शेयर पर एक अतिरिक्त शेयर मिलेगा। यही तारीख इसकी रिकॉर्ड डेट भी होगी। माइक्रो और स्मॉल बिजनेस फाइनेंसिंग से जुड़ी यह कंपनी हाल के दिनों में निवेशकों के बीच चर्चा में रही है।

वहीं सिल्फ टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने 17 दिसंबर को बोनस इश्यू की एक्स-डेट तय की है। कंपनी 5:11 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करेगी, यानी 11 शेयरों पर 5 बोनस शेयर मिलेंगे। टेक्नोलॉजी सेक्टर की यह कंपनी लंबे समय से सक्रिय निवेशकों के रडार पर बनी हुई है। हेल्थकेयर और डायग्नोस्टिक सेक्टर की दिग्गज कंपनी डॉ. लाल पैथलैब्स लिमिटेड 19 दिसंबर को बोनस इश्यू की एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट रखेगी। कंपनी 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करेगी। भरोसेमंद ब्रांड मानी जाने वाली इस कंपनी का यह कदम निवेशकों के लिए अहम माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ऑस्ट्रेलिया: बोंडी ...

उपलक्ष्य में समुद्र तट पर आयोजित एक कार्यक्रम के लिए सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए थे। एक चश्मदीद ने बताया कि हमलावरों ने बच्चों और बुजुर्गों को अंधाधुंध निशाना बनाया। एक अन्य चश्मदीद ने बताया कि उसने कम से कम 10 लोगों को जमीन पर पड़े देखा और हर जगह खून बिखरा हुआ था।इस हमले से जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इनमें से एक में समुद्र तट और पास में मौजूद लोग गोलियों की तड़तड़ाहट और पुलिस वाहनों के सायरन की आवाज सुनकर इधर-उधर भागते दिखाई दे रहे हैं। एक वीडियो में काले रंग की कमीज पहने एक व्यक्ति को बड़ी बंदूक चलाते हुए देखा जा सकता है, जिसके बाद सफेद टी-शर्ट पहने एक अन्य व्यक्ति ने उसे पकड़ लिया और उससे बंदूक छीन ली। एक अन्य व्यक्ति को पैदल यात्री पुल से बंदूक चलाते हुए देखा गया। एक अन्य वीडियो में वर्दीधारी पुलिसकर्मी एक छोटे पैदल यात्री पुल पर दो पुरुषों को जमीन पर दबाते नजर आ रहे हैं। पुलिसकर्मी इनमें से एक को होश में लाने की कोशिश कर रहे है।पीएम मोदी ने हमले पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, आज ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर यहूदी त्योहार हनुक्का के पहले दिन जश्न मना रहे लोगों को निशाना बनाकर किए गए भयानक आतंकवादी हमले की हम कड़ी निंदा करते हैं। भारत के लोगों की ओर से मैं उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। दुख की इस घड़ी में हम ऑस्ट्रेलिया के लोगों के साथ खड़े हैं। भारत आतंकवाद के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस रखता है और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ लड़ाई का समर्थन करता है।

मिशन 2027:.....

वैसे पंकज चौधरी के प्रदेश अध्यक्ष बनने से पूर्वांचल, खासकर गोरखपुर का राजनीतिक महत्व और बढ़ गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पंकज चौधरी, दोनों ही गोरखपुर क्षेत्र से आते हैं। ऐसे में अब एक के हाथ में सरकार की कमान है तो दूसरे के हाथ में संगठन की जिम्मेदारी, जिससे गोरखपुर भाजपा की सत्ता और रणनीति का नया केंद्र बनकर उभरा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, निवर्तमान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह और जोश देखने को मिला।

पंकज चौधरी प्रदेश भाजपा के 17वें अध्यक्ष बने हैं। वे कुर्मी बिरादरी से आने वाले पार्टी के चौथे प्रदेश अध्यक्ष हैं। इससे पहले विनय कटियार, ओम प्रकाश सिंह और स्वतंत्रदेव सिंह इस बिरादरी से प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। अध्यक्ष पद की दौड़ में शुरुआत में कई नामों की चर्चा थी, लेकिन पंकज चौधरी का नाम सामने आते ही सियासी समीकरण तेजी से उनके पक्ष में बनते चले गए। गौरतलब है कि भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के इतिहास में यह महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। लक्ष्मीकांत बाजपेयी के चुनाव के बाद यह पहला मौका है जब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया अपनाई गई। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी नेतृत्व को उम्मीद है कि पंकज चौधरी के नेतृत्व में संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल बनेगा और आगामी चुनावों में भाजपा को इसका लाभ मिलेगा।

भाजपा और चुनाव आयोग...

बारे में भी कहा गया है, लेकिन मोहन भागवत कहते हैं, विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है। जिसके पास शक्ति है, उसे माना जाता है। यह आरएसएस और मोहन भागवत की सोच है। जहां एक तरफ हमारा धर्म कहता है कि सत्य सबसे जरूरी है। वहीं दूसरी तरफ मोहन भागवत कहते हैं, सत्य का कोई मतलब नहीं है, सत्ता जरूरी है। आज देश में सत्य और असत्य के बीच लड़ाई है।

हम सत्य के लिए नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आरएसएस की सरकार को हिंदुस्तान से हटाएंगे।राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा का आत्मविश्वास खत्म हो चुका है क्योंकि उन्हें पता है कि हमारी वोट चोरी पकड़ी गई है। अमित शाह भी तभी तक बहादुर हैं, जब तक इनके हाथ में सत्ता है।वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव आयोग पर हमला बोलते हुए कहा कि आज भाजपा को चुनाव आयोग की जरूरत है, क्योंकि उसके बिना नरेंद्र मोदी चुनाव नहीं जीत सकते। हमें चुनाव आयोग के तीन अधिकारियों के नाम नहीं भूलने हैं, क्योंकि ये लोग लोकतंत्र पर वार कर रहे हैं। इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब पूरा विपक्ष कह रहा है कि चुनाव आयोग पर हमें भरोसा नहीं रहा। चुनाव प्रक्रिया के हर कदम को चुनाव आयोग ने संदिग्ध बना दिया है। आज देश की हर संस्था को मोदी सरकार ने अपने सामने झुका दिया है।उन्होंने कहा कि मैं चुनौती देती हूं, भाजपा एक बार बैलेट पेपर पर निष्पक्ष चुनाव लड़ ले।

ये कभी नहीं जीत पाएंगे और यह बात भाजपा भी जानती है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज हालात ये हैं कि पिछले आम चुनाव में मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया, कांग्रेस का बैंक अकाउंट बंद कर दिया गया, भ्रष्टाचार के नाम पर बेबुनियाद आरोप लगाए गए।उन्होंने कहा कि जिन लोगों का दिल कमजोर था, जो इस दबाव को सह नहीं पाए, वे भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ऐसे नेताओं को अपने वॉशिंग मशीन में धोकर पाक-साफ बनाती रही।उन्होंने यह भी कहा कि संसद में जब मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने वोट चोरी का मुद्दा उठाया तो मोदी सरकार नहीं मानी। आखिर में सरकार ने कहा कि हम पहले 'वंदे मातरम' पर चर्चा करेंगे, फिर एसआईआर और वोट चोरी पर बात करेंगे। सदन में हम 'वंदे मातरम' पर चर्चा करते रहे, लेकिन मोदी सरकार में जनता के मुद्दों पर बात करने की हिम्मत नहीं दिखी।

सफला एकादशी व्रत आज

पंचांग के अनुसार पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को सफला एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस साल 15 दिसंबर 2025 को सफला एकादशी का व्रत रखा जा रहा है। इस दिन सृष्टि के संचालक भगवान विष्णु की आराधना करने पर सभी कार्यों में सफलता हासिल होती हैं। जैसा कि इस एकादशी के नाम से ही समझ आ रहा है कि ये व्रत बाधाओं को दूर करके सफल होने की कामना से किया जाता है। इस तिथि पर भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है और दिनभर विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत किया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि सफला एकादशी का व्रत 15 दिसंबर को रखा जाएगा। सफला एकादशी का व्रत करने से सभी शुभ कार्यों में सिद्धि का आशीर्वाद मिलता है और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। सफला एकादशी पौष मास की एकादशी है और इस दिन पवित्र नदी में स्नान के साथ ही भगवान विष्णु की पूजा का खास महत्व शास्त्रों में बताया गया है।

पौष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी घर-परिवार की और कार्यों में आ रही परेशानियों को दूर करना वाला व्रत है। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य नाम के अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण ने पांडवों के बड़े भाई युधिष्ठिर को एकादशियों के व्रत के बारे में बताया है। एकादशी पर विष्णु जी के साथ ही उनके अवतारों की भी पूजा करनी चाहिए, खासतौर पर श्रीराम और

श्रीकृष्ण की पूजा जरूर करें। श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल को भी माखन-मिश्री का भोग तुलसी के साथ लगाएं। कृं कृष्णाय नम: मंत्र का जप करें।

श्रीराम दरबार की पूजा करें। राम दरबार में श्रीराम के साथ देवी सीता, लक्ष्मण, हनुमान शामिल होते हैं। इन सभी की पूजा करने से घर-परिवार में सुख-शांति और प्रेम बना रहता है। कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होती हैं और लक्ष्य पूरे होते हैं। ऐसी मान्यता है। सफला एकादशी की शाम घर के आंगन में तुलसी के पास दीपक जलाएं और परिक्रमा करें। सूर्यास्त के बाद तुलसी को स्पर्श नहीं करना चाहिए। पूजा में शालिग्राम जी की प्रतिमा भी रखनी चाहिए। तुलसी और शालिग्राम जी को हार-फूल, वस्त्र आदि पूजन सामग्री अर्पित करें। फलों का भोग लगाएं। तुलसी के सामने बैठकर विष्णु जी के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय का जप करें।

सफला एकादशी

पंचाग के अनुसार पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 14 दिसंबर को रात 08:46 मिनट पर हो रही है। वहीं, इस तिथि का समापन 15 दिसंबर को रात 10:09 मिनट पर हो रहा है। ऐसे में 15 दिसंबर को सफला एकादशी व्रत किया जाएगा।

ऐसे कर सकते हैं व्रत

सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद घर के मंदिर में गणेश पूजा करें। गणेश पूजन के बाद भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करें। भगवान के सामने व्रत करने का संकल्प लें। एकादशी व्रत करने वाले भक्तों को दिनभर अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए। जो लोग भूखे नहीं रह पाते हैं, वे फलाहार कर सकते हैं। फलों के रस का सेवन करें। दूध पी सकते हैं। इस दिन सुबह-शाम विष्णु जी की पूजा करें। दिनभर विष्णु के मंत्र जपें, विष्णु जी कथाएं पढ़ें-सुनें। अगले दिन या द्वादशी पर सुबह फिर से विष्णु पूजन करें। पूजा के बाद जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं और फिर खुद भोजन करें। इस तरह एकादशी व्रत पूरा होता है।

सफला एकादशी का महत्व

सफला एकादशी के शुभ अवसर पर घर में तुलसी का पौधा लगाने का विशेष महत्व होता है। इस दिन घर के उत्तर या पूर्व या फिर उत्तर-पूर्व दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से आपकी धन समृद्धि में वृद्धि होती है। सफला एकादशी पर यदि आप व्रत नहीं कर सकते तो भी विधि विधान के साथ पूजा करने के बाद आप ग्रहण कर सकते हैं। ऐसा करने से भी भगवान विष्णु की कृपा आपको प्राप्त होती है। सफला एकादशी के दिन भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाना चाहिए और उसमें तुलसी का पत्ता भी जरूर डालें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

पुराणों में बताया गया है कि सफला एकादशी का व्रत जो भक्त पूर्ण विधि विधान से रखते हैं उन पर भगवान नारायण की कृपा बनी रहती है। एकादशी के व्रत वाले दिन आप फलाहार चीजें खाने में ग्रहण करें और इस दिन अन्न बिल्कुल भी न खाएं। इस दिन आप भगवान हरि के निमित्त उनके विष्णु सहस्रनाम का पाठ कर सकते हैं। संध्या काल के समय जब सूर्यास्त हो जाए उसके बाद आप तुलसी जी के पास गाय के घी का दीपदान कर सकते हैं। इस दिन चावल बिल्कुल भी न खाएं ऐसा करने से आप घोर पाप के भीगी बनेंगे। इसी के साथ सफला एकादशी की व्रत कथा इस दिन अवश्य सुनें तभी आपका व्रत पूर्ण माना जाएगा। शास्त्रों में व्रत वाले दिन रात्रि जागरण कर भगवान विष्णु के नाम का जप करने का विधान बताया गया है। सफला एकादशी का व्रत जो लोग नियम पूर्वक रखते हैं उनके जीवन में सभी मनोरथ श्री नारायण पूर्ण करते हैं और व्रत रखने वालों को जीवन में अपार सफलता मिलती है।

सीखना चाहते हैं हाथ देखना, तो पहले जानें जीवन रेखा के संकेतों को पहचानना

हस्तरेखा में जीवन रेखा, जिसे लाइफ लाइन, आयु रेखा भी कहते हैं, तर्जनी उंगली और अंगूठे के बीच से शुरू होकर अंगूठे के निचले हिस्से को घेरते हुए कलाई की ओर जाती है। यह रेखा व्यक्ति के स्वास्थ्य, जीवन शक्ति, महत्वपूर्ण जीवन घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में बताती है।

जीवन रेखा जितनी ज्यादा गहरी, स्पष्ट और बिना टूटी हुई होती है, वह उतनी ही ज्यादा अच्छी कहलाती है। अगर किसी के हाथ में जीवन रेखा कटी-फटी अथवा टूटी हुई या फिर अस्पष्ट दिखाई दे, तो उसका जीवन संघर्षों से भरा रहता है। जीवन रेखा पर यदि आड़ी-तिरछी लकीरें दिखाई दें, तो उस व्यक्ति का स्वास्थ्य कमजोर समझना चाहिए। जीवन रेखा के बारे में संक्षेप में इस प्रकार समझना चाहिए।

छोटी जीवन रेखा – कम आयु का संकेत

पतली जीवन रेखा – मृत्यु के समक्ष कष्ट का संकेत

टूटी हुई जीवन रेखा – बीमारियों का संकेत

धंसी हुई गहरी जीवन रेखा – अशिष्टता पूर्ण व्यवहार का संकेत

स्पष्ट जीवन रेखा – न्यायपूर्ण जीवन का संकेत

जीवन रेखा के प्रारम्भ स्थल पर शाखा पुंज – अस्थिर जीवन का संकेत

जीवन रेखा के मध्य में शाखा – क्षय पूर्ण जीवन का संकेत

जीवन रेखा के अंतिम सिरे पर शाखाएं – दुखदायी बुढ़ापे की ओर संकेत

जीवन रेखा का अन्त में दो भागों में विभक्त होना – निर्धनता पूर्ण मृत्यु का संकेत

जीवन रेखा के अन्त में जाल का चिन्ह – धन हानि के बाद मृत्यु की संभावनाएं अधिक

जीवन रेखा पर काला धब्बा – रोग प्रारम्भ का संकेत

जीवन रेखा का बीच में टूटना – आर्थिक हानि एवं संकट

जीवन रेखा को कई जगह पर काटती हुई अन्य रेखाएं – स्थायी रोग की प्रबल संभावना

जीवन रेखा पर वृत्त का निशान – हत्या

जीवन रेखा के प्रारम्भ में क्रास – दुर्घटना से अंग-भंग के संकेत

जीवन रेखा के प्रारम्भ में द्वीप का चिन्ह – अध्यात्मिक विद्याओं में रुचि का संकेत

जीवन रेखा के मध्य में द्वीप का चिन्ह – शारीरिक कमजोरी का संकेत

जीवन रेखा को काटकर भाग्य रेखा तक जाने वाली रेखा – व्यापार में पूर्ण असफलता का संकेत

जीवन रेखा तथा हृदय रेखा को काटती हुई रेखा – प्रेम में असफलता का संकेत

जीवन रेखा तथा भाग्य रेखा पर त्रिकोण – आर्थिक हानि की संभावनाओं का संकेत

इस प्रकार जीवन रेखा को देखकर हस्तरेखा विशेषज्ञ अपने अनुभव एवं मतानुसार व्यक्ति के भावी जीवन के संकेतों को प्रकट करते हैं।

नववर्ष 2026 का राशिफल कैसा रहेगा

मेष राशि

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 मेष राशि के लोगों के जीवन में बहुत अच्छे बदलाव लेकर आएगा। इस साल मेहनत तो बहुत होगी, लेकिन आपको उसके बेहतरीन परिणाम भी प्राप्त होंगे। छात्रों को इस वर्ष अपने सपनों को साकार करने में सफलता मिलेगी और इस साल घर में नया वाहन आ सकता है। इस वर्ष आपके व्यक्तिगत संबंध सुर्खियों में रहेंगे क्योंकि शुक्र और बुध का गोचर आपको स्पष्टता और स्नेह के साथ संवाद करने के लिए प्रेरित करता है। परिवार और दोस्तों के साथ संबंध और भी गहरे होने वाले हैं, खासकर अगर आप साझा गतिविधियों में समय लगाते हैं। यह सुलह और क्षमा का वर्ष है, जिससे पिछली गलतफहमियों को दूर किया जा सके। खुले संवाद से रोमांटिक रिश्ते पनपेंगे, हालाँकि सद्भाव बनाए रखने के लिए बुध के वक्री होने से होने वाली गलतफहमियों से सावधान रहें। मेष राशि के स्वामी मंगल पंचम भाव में सूर्य के घर मघा नक्षत्र में स्थित हैं। यह स्थिति आपके लिए अत्यंत सकारात्मक है और सफलता की ओर अग्रसर करती है। वर्ष 2026 में यह योग जीवन में प्रगति और उपलब्धियों के अवसर प्रदान करेगा। राहु और केतु क्रमशः दूसरे और आठवें भाव में स्थित रहेंगे, जिससे स्वास्थ्य, प्रेम और वित्त के मामलों में शुभ परिणाम प्राप्त होंगे तथा शत्रुओं पर विजय मिलेगी। सूर्य का तीसरे भाव में गोचर समाज में आपकी पहचान और प्रभाव को मजबूत करेगा। चतुर्थ भाव में कर्क राशि का बुध लग्ज़री और नई रचनात्मकताओं के योग लाएगा। वहीं, छठे घर में बृहस्पति और चंद्रमा की स्थिति आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगी। मेष राशि के लिए साल का दूसरे भाग की तिमाही यानि के अप्रैल मई और जून के समय पर होंगे कुछ उतार-चढ़ाव। अप्रैल माह के समय पर रहेगा बाहरी संपर्क से कुछ प्राप्ति और काम में भागदौड़ से भरा समय। इस समय पर लग्नेश का राहु के साथ होना और फिर बारहवें भाव में चला जाना आपको सामाजिक स्तर पर और बाहरी स्तर पर दोनों ही तरह से प्रभावित करने वाला होगा। खर्चों की अधिकता के अलावा इस समय आध्यात्मिक पक्ष भी मन में जोर मारेगा। इस समय धर्म कर्म से जुड़े कामों में खर्च होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से मई माह के आरंभ का समय थोड़ा कमजोर हो सकता है लेकिन जल्द ही स्थिति नियंत्रण में होगी। विदेश यात्रा के योग बन सकते हैं। लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है। करियर के मामले में विदेश में काम की प्राप्ति का समय होगा। लोगों के साथ और मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा और इस साल आपको बड़े भाइयों का सहयोग भी मिलेगा। शनि का बारहवें भाव से गोचर आपके लिए बेहतर मौके लेकर आएगा, जिससे आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। बिजनेस में सफलता मिलने के योग हैं और यदि आप नए व्यापार की शुरुआत करने की सोच रहे हैं, तो यह समय आपके लिए लाभकारी रहेगा। छात्रों के लिए यह साल बहुत अच्छा रहेगा और उन्हें अपनी मेहनत का अच्छा फल मिलेगा।

कैरियर–ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 मेष राशि वालों के लिए औसत रहेगा। हालांकि, यह वर्ष आपसे ज्यादा मेहनत करवा सकता है। हालांकि, मेहनत करने वालों को निराशा का सामना नहीं करना पड़ेगा। शनि के द्वादश भाव में गोचर को चंद्र राशि के अनुसार साढ़े साती माना जाता है। लेकिन, छठे भाव पर शनि की दृष्टि धैर्यपूर्वक और समर्पण से काम करने वाले जातकों को अच्छे परिणाम दे सकती है। जनवरी से मार्च तक काम के मामले में आपको मिलेगा अपनी मेहनत से आगे बढ़ने का मौका। साल की पहली तिमाही कर्म क्षेत्र का स्वामी चाहे द्वादश में बैठा हो लेकिन मंगल की मजबूत स्थिति आपको जोश और ऊर्जा देगी। मंगल आपके लिए एक आगे बढ़ने वाली शक्ति के रूप में कार्य करेगा, जिससे आप अपने कार्यों में अधिक सक्रियता और समर्पण से जुड़ पाएंगे। इस समय आपके लिए नौकरी में आगे बढ़ने या व्यवसाय में नये अवसरों को पकड़ने का उपयुक्त समय है। शनि की स्थिति कुछ काम के लिहाज से लंबी दूरी की यात्राओं को भी देने वाला होगा। पंचमेश की स्थिति नए काम में जोश देगा। मानसिक रूप से काम में नई नई युक्तियों को अपनाना चाहेंगे। फिजिकली एक्टिव होकर काम करेंगे, लीडरशिप का गुड़ अच्छे से काम करेगा। शनि का प्रभाव काम के लिए स्थान बदलने का योग भी दे सकता है। कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अच्छे से प्रदर्शन कर पाएंगे। विदेश में काम करने के अवसर भी बन सकते हैं। ग्रहों का प्रभाव इस बात का संकेत देता है कि आपको विदेश में काम के अवसर मिल सकते हैं या फिर आप विदेश से जुड़े किसी कार्य में सफलता पा सकते हैं। विदेश में काम करने का सपना देख रहे हैं, तो यह समय आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है। इस समय में आप खुद को नई योजनाओं में शामिल कर सकते हैं और बिजनेस में हैं तो चेंज के मूड में होंगे। साल की तीसरी तिमाही के दौरान शनि का प्रभाव आपके करियर पर गहरा असर डालने वाला होगा। आपको अधिक मेहनत और अनुशासन की आवश्यकता महसूस कराएंगे। यह समय आपके करियर में उतार-चढ़ाव का हो सकता है। इस स्थिति का असर जिम्मेदारियों और काम को लेकर गंभीर बना सकता है, जिससे आपकी कार्य क्षमता में वृद्धि हो सकती है। गुरु के प्रभाव से आपको विदेश से जुड़े काम या दूर स्थानों पर काम करने का मौका मिल सकता है। यह समय आपके व्यवसाय में विस्तार का भी है, आपके लिए नए कनेक्शन और अवसरों का निर्माण कर सकता है। आपने सोशल नेटवर्किंग और मार्केटिंग के माध्यम से अपने कारोबार को बढ़ाने की योजना बना सकते हैं।

आर्थिक स्थिति – साल 2026 बहुत अच्छा रहेगा। आपको अच्छे लाभ देखने को मिलेंगे। साल के आरंभिक समय में ही परिवार की ओर से भी धन प्राप्ति के योग बन सकते हैं और राहु की स्थिति कहीं ना कहीं से धन प्रदान करेगी। शनि की स्थिति खर्चों में बढ़ोतरी करेगी। बिजनेस में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी और नई योजनाओं के निवेश के अवसर मिलेंगे। शनि और गुरु का गोचर साल के मध्य में यात्राएं कराएगा, उससे कुछ खर्च भी होगा। धन के मामले में इस वर्ष आपको मिलेगा अच्छा लाभ, साल के आरंभिक समय में लाभेश की स्थिति आपको काम के साथ साथ अपने परिवार की ओर से भी अच्छे लाभ को दिलाने में सहयोग कर सकती है। इस साल के दौरान राहु की स्थिति लाभ भाव में होने से धन की प्राप्ति किसी न किसी तरह से तो होती रहेगी। आर्थिक स्तर पर इस दौरान सामाजिक गतिविधियों से लाभ मिल सकता है, कोई संपत्ति से लाभ के योग बनते हैं। इसके अलावा छोटी मोटी इन्वेस्टमेंट होने से भी आर्थिक दृष्टिकोण से समय अनुकूल कहा जा सकता है। आध्यात्मिक रूप से आप मजबूत होंगे और आध्यात्मिक गतिविधियों पर भी खर्च करेंगे। इसी समय अवधि में कुछ समस्याएं आएंगी, जो धन की स्थिति को अल्पविराम लगा सकती हैं, इसके बाद जुलाई

अगस्त में अच्छा इंक्रीमेंट मिल सकता है। शेयर मार्केट में सफलता मिल सकती है। नया वाहन, दुकान या मकान खरीदने की स्थिति बन सकती है। साल के अंतिम महीना में खर्च बढ़ेंगे और धन की कमी हो सकती है, जिससे कुछ आर्थिक कष्ट बने रहेंगे। इस समय अवधि पर बचत करने की प्रवृत्ति को अपनाएं, जिससे कि व्यावसायिक रूप से आप स्थिर रह सके और आर्थिक रूप से उन्नत होने की दिशा में आगे बढ़ें। इस वर्ष आपको अपने व्यापार में निवेश के अच्छे अवसर मिलेंगे। गुरु साल के अंतिम महीने यानी कि नवंबर-दिसंबर में सपोर्ट करेंगे। सरल शब्दों में कहें तो, 7 महीने गुरु का साथ और लगभग 11 महीने राहु का साथ मिलने के कारण आप अच्छी कमाई कर सकेंगे। लेकिन, बचत के दृष्टिकोण से साल थोड़ा कमजोर रह सकता है। अतः आय की तुलना में बचत कम होगी। कुल मिलाकर आर्थिक मामले में साल 2026 आपको औसत से बेहतर परिणाम दे सकता है।

परिवार– इस वर्ष मेष राशि के लोगों के लिए पारिवारिक जीवन में कुछ चिंताएं हो सकती हैं। वर्ष की शुरुआत में घर-परिवार में सुख-समृद्धि आएगी और पारिवारिक जनों का सहयोग बना रहेगा। किसी मांगलिक कार्य या उत्सव से घर में हर्ष और उल्लास का वातावरण रहेगा। मध्यकाल में घर की सजावट और लग्जरी सामान पर खर्च होने की संभावना है। परिवारजनों के साथ संबंधों में मजबूती आएगी, हालांकि कुछ मतभेद भी उत्पन्न हो सकते हैं। संवाद और समझदारी से स्थितियां सुधर जाएंगी। वर्ष के अंतिम महीनों में आपके ऊपर अधिक जिम्मेदारियां आ सकती हैं, जिनसे आपको धैर्य और संयम से निपटना होगा। गृहस्थ जीवन से जुड़े मामलों के लिए साल 2026 मिला-जुला या औसत रह सकता है। साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक बृहस्पति देव आपके तीसरे भाव में रहेंगे। अतः घर-गृहस्थी को प्रभावित नहीं करेंगे, बल्कि सप्तम भाव पर इनकी दृष्टि होने से यह आपकी मदद करना चाहेंगे। वहीं, 2 जून से 31 अक्टूबर के बीच बृहस्पति उच्च अवस्था में आपके चौथे भाव में रहेंगे। वैसे तो, चौथे भाव में बृहस्पति के गोचर को बहुत अच्छा नहीं माना जाता है, लेकिन उच्च अवस्था में होने के कारण कई मामलों में बृहस्पति आपको अनुकूल परिणाम भी दे सकते हैं। 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति ग्रह पंचम भाव में चले जाएंगे और वहां से आपको अच्छे परिणाम प्रदान करेंगे। लेकिन, पारिवारिक जीवन में कुछ समस्याएं बनी रह सकती हैं, परंतु गृहस्थ जीवन में आपको औसत या औसत से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। साल की प्रथम तिमाही वैवाहिक जीवन के लिए अच्छी रहेगी। आप जबकि साल का दूसरा और तीसरा तिमाही वैवाहिक जीवन में उथल-पुथल की स्थिति लेकर आएगा। वैवाहिक जीवन में समस्याओं का सामना करने की स्थिति बनेगी, जिसका सामना धैर्य से ही किया जा सकता है। परिवार का सहयोग मिलता रहेगा। साल के अंतिम महीनो में मैरिज लाइफ बढ़िया हो जाएगी। आप रिश्ते में अच्छा संतुलन महसूस करेंगे। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की और आपका झुकाव भी हो सकता है। आप अपने रिश्ते में सुधार लाने की कोशिश करें। साल के अंतिम दिनों में विवाह की बात पक्की हो सकती है।

प्रेम – रोमांस – यह साल खुशियां लेकर आएगा। अगर आपके रिश्ते में परेशानी चल रही थी, तो वर्ष की शुरुआत से उसमें सकारात्मक स्थिति देखने को मिल सकती है। आपके रिश्तों में इस वर्ष कई बदलाव देखने को मिलेंगे। आपके अंदर रोमांटिक जोश रहेगा और कभी अपने आप कुछ परिस्थितियों में फसता हुआ महसूस करेंगे। ग्रहों के प्रभाव से आपका प्रेम प्रभावित होता रहेगा। वर्ष की शुरुआत से अप्रैल तक का समय प्रेम जीवन में भरपूर जोश रहेगा। आप बहुत ज्यादा रोमांस से भरे रहेंगे। आप बेहद ऊर्जावान रहेंगे और आपके अंदर आकर्षण बढ़ेगा। अपने प्रियजन के साथ अधिक समय बिताएंगे, जिससे आपका रिश्ता मजबूत होता जाएगा। आप किसी को पसंद करते हैं, तो इस समय अवधि में उनसे अपनी भावनाओं को व्यक्त करें। साल के बीच में शनि का प्रभाव लव लाइफ में गंभीर स्थितियां उत्पन्न करेगा। किसी विदेशी व्यक्ति के संपर्क में आने की स्थिति बनेगी। आप अपने संबंधों में शीघ्रता और गंभीरता की तलाश करेंगे और अपने प्रयोजन के साथ साल के अंतिम महीना में खुशी से जीवन व्यतीत करेंगे। शादीशुदा लोगों के लिए साल के पहले छ महीने प्यार, आपसी समझ और गहरे जुड़ाव से भरपूर रहेंगे। लाइफपार्टनर के साथ अच्छे संबंध बनेंगे और एक-दूसरे के प्रति समर्पण महसूस होगा। हालांकि, साल के दूसरे भाग में कुछ चुनौतियाँ आ सकती हैं, लेकिन अगर आप खुलकर बातचीत करेंगे और एक-दूसरे को समझने की कोशिश करेंगे, तो आप इन मुश्किलों को आसानी से पार कर पाएंगे और आपका रिश्ता और मजबूत होगा। साल के अंत में लव और मैरिज लाइफ बेहतर हो सकती है। आप अपने रिश्ते में स्थिरता और संतुलन महसूस करेंगे। विवाह भाव के स्वामी का प्रभाव रिश्ते को लेकर अतिरिक्त प्रेम संबंध भी दे सकता है लेकिन इस समय वह सब हल हो जाएगा और आपके लिए रिश्तों में सुधार होने की संभावना है।अगर आप शादी के विचार में हैं, तो अक्टूबर के बाद यह समय आपके लिए उपयुक्त हो सकता है।

शिक्षा – शोध के विद्यार्थी के लिए भी समय अच्छा रहेगा। लेकिन, आपको अपने पूरे मन से पढ़ाई करने की भी आवश्यकता होगी। नवंबर-दिसंबर में गुरु का गोचर पुन: आपके तीसरे भाव में होगा। ऐसे में, यह अवधि नाज़ुक रह सकती है। सामान्य शब्दों में कहें तो, इस पूरे वर्ष ही आपको मन लगाकर पढ़ाई करनी होगी क्योंकि लापरवाही बरतने की स्थिति में राहु, केतु और शनि देव शिक्षा से जुड़े मामलों में समस्याएं पैदा कर सकते हैं। साल 2026 थोड़ा कमजोर रह सकता है क्योंकि इस दौरान आप एकाग्रचित होकर पढ़ाई करने में समस्या का अनुभव कर सकते हैं। यदि आप कोशिश करके विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए पूरी लगन के साथ पढ़ाई करेंगे, तो आप शिक्षा में नकारात्मक परिणामों से बच सकेंगे। इस वर्ष उच्च शिक्षा का कारक ग्रह बृहस्पति साल की शुरुआत से लेकर जून के शुरुआती सप्ताह तक तीसरे भाव में रहकर भाग्य भाव को देखेगा इसके फलस्वरूप, गुरुजनों व वरिष्ठों का मार्गदर्शन शिक्षा के मामले में कल्याणकारी सिद्ध होगा। जून से लेकर अक्टूबर तक बृहस्पति का गोचर चतुर्थ भाव में रहेगा जो अष्टम तथा द्वादश भाव को प्रभावित करेगा। ऐसे में, घर से दूर रहकर पढ़ाई करने वाले या फिर विदेश में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को बेहतर परिणाम मिल सकेंगे। नवंबर-दिसंबर में गुरु का गोचर पुन: आपके तीसरे भाव में होगा। ऐसे में, यह अवधि नाजुक रह सकती है। सामान्य शब्दों में कहें तो, इस पूरे वर्ष ही आपको मन लगाकर पढ़ाई करनी होगी क्योंकि लापरवाही बरतने की स्थिति में राहु, केतु और शनि देव शिक्षा से जुड़े मामलों में समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

स्वास्थ्य – आपकी हेल्थ के लिए साल की शुरुआत अच्छी है और आपको सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। आपकी राशि के स्वामी मंगल का प्रभाव आपको भरपूर एनर्जी देगा। आप कुछ नई शारीरिक एक्टिविटी में शामिल हो सकते हैं, जिससे आप मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे और पहले से स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे लोगों को लाभ होगा। मार्च के अंत से स्किन प्रॉब्लम और ब्लड प्रेशर, गैस्ट्रिक समस्याएं, शारीरिक सूजन और थकान जैसी समस्याएं सामने आ सकती है, इसलिए सेहत का ध्यान रखें। जून से स्वास्थ्य में सुधार होगा। विशेषकर उन लोगों को जिन्हें नींद की शिकायत रहती है या फिर जो पैर संबंधित समस्याओं से परेशान रहते हैं, उन्हें इस वर्ष अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और योग-व्यायाम करने की सलाह दी जाती है। तीसरे भाव में बैठे बृहस्पति देव की उपस्थिति भी इस तरफ संकेत कर रही है कि हृदय रोगियों या फिर जिन्हें पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या रही है, उन्हें अपनी सेहत को लेकर जागरूक रहना होगा। साथ ही, आपको अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का सही तरीके से इलाज करवाना होगा। आपके जीवनसाथी की सेहत पर भी प्रभाव पड़ सकता है। आपके पार्टनर की सेहत में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। विशेष रूप से गुरु और शनि का वक्री प्रभाव सेहत पर असर डाल सकता है। यह समय विशेष रूप से स्वास्थ्य के लिए सतर्क रहने का है। किसी प्रकार की दुर्घटना, चोट या बीमारी का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए किसी भी अनावश्यक जोखिम से बचना और सावधानी बरतना जरूरी है। नियमित स्वास्थ्य जांच और डॉक्टर से संपर्क करना आवश्यक हो सकता है।

ज्योतिष उपाय – हनुमान जी की आराधना करें। हनुमान चालीसा का पाठ करें। सुंदरकांड का पाठ करें। प्रत्येक मंगलवार को हनुमान जी का व्रत रखें। हर मंगलवार मसूर दाल, लाल रंग के वस्त्र, धन, गुड़, मूंगफली, काले तिल, चमडे. के जूते-चप्पल आदि चीजों का दान करें। श्रीराम के नामों का मंत्र जप करें।

कहां से आया था कचरा सेठ का करेक्टर? जिसने बदल दी मनोज जोशी की किस्मत

डेढ सौ रुपया देगा, कचरा सेठ और चाणक्य जैसे रोल निभाने वाले मनोज जोशी बहुमुखी प्रतिभा के धनी एक्टर हैं। उन्होंने हमेशा ऐसे रोल प्ले किए हैं, जिन्होंने उनके करियर पर चमचमाते सितारे का काम किया है। अभिनेता का 'कचरा सेठ' का किरदार बहुत पॉपुलर हुआ, जिसे आज भी मीम्स पर याद किया जाता है। फिल्म में उनके द्वारा बोला गया हर डायलॉग आज भी दर्शकों को याद है। साल 2006 में आई फिल्म 'फिर हेरा फेरी' में मनोज जोशी ने 'कचरा सेठ' का रोल प्ले किया था और उनका डायलॉग, 'डेढ़ सौ रुपया देगा,' आज भी दर्शकों का फेवरेट डायलॉग है, लेकिन 'कचरा सेठ' का किरदार कहां से आया? 'कचरा सेठ' का किरदार मनोज जोशी की कद-काठी और उनके प्ले से प्रेरित होकर ही बनाया गया था। दरअसल, 'फिर हेरा फेरी' मिलने से पहले मनोज सिन्हा एक प्ले कर रहे थे, जब दिवंगत डायरेक्टर और अभिनेता के दोस्त रहे नीरज वोरा उनका प्ले देखने पहुंचे थे। मंच पर अपनी लंबी कद-काठी से डायलॉग बोलते मनोज का कॉमेडी अंदाज नीरज वोरा को पसंद आया, लेकिन उन्हें कचरा सेठ बनाने के लिए उनके लुक में बदलाव किए गए।

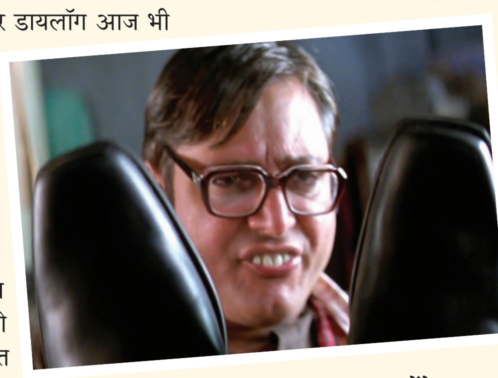

अभिनेता का सबसे पहले चश्मा व दांतों को बदला गया और ड्रेसिंग सेंस के लिए कुर्ता पजामा पहनाया गया, लेकिन बोलने का लहजा वही रखा गया, जो मंच में उनके पहले किरदार का था। एक इंटरव्यू में मनोज जोशी ने बताया था कि साल 2006 से 2024 तक उनके लिए यह किरदार आइकॉनिक रहा, क्योंकि उनका किरदार इतना फेमस हुआ कि आज भी सोशल मीडिया पर मीम्स बन रहे हैं।

मनोज जोशी का करियर हिंदी सिनेमा में अपने अलग-अलग किरदारों के लिए जाना जाता है। मराठी, गुजराती और हिंदी थिएटर में अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता ने सीरियस रोल भी प्ले किए हैं। उन्होंने टीवी सीरियल 'एक महल हो सपनों का' में अभिषेक पुरुषोत्तम नानावटी का रोल प्ले किया था, जो अपने परिवार का मुखिया हुआ करता था। इसके अलावा, उन्होंने साल 2015 में आए चक्रवर्ती सम्राट अशोक में 'चाणक्य' और साल 1991 में आए सीरियल 'चाणक्य' में मंत्री श्रीयाक का रोल प्ले किया था। अभिनेता को बतौर कॉमेडियन फिल्म 'हंगामा' से हिंदी सिनेमा में ब्रेक मिला था, जिसके बाद उन्होंने 'हलचल', 'धूम', 'भागम भाग', 'फिर हेरा फेरी', 'चुप चुप के', 'भूल भुलैया', और 'बिल्लो बार्बर' जैसी फिल्मों में कॉमेडी रोल से दर्शकों को गुदगुदाने का काम किया। अब वे नीम करौली बाबा पर फिल्म लाने की तैयारी कर रहे हैं।

दिव्या दत्ता की सिंगिंग परफॉर्मेंस, भाई राहुल संग गुनगुनाया बॉलीवुड गीत

अभिनेत्री दिव्या दत्ता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी जिंदगी के यादगार पल शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया पर अपने भाई के साथ वीडियो शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया, जिसमें वे अपने भाई के साथ दिलीप कुमार का मशहूर गाना 'दिल तड़प तड़प के' गाती नजर आ रही हैं। वीडियो पोस्ट कर अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, भाई राहुल के साथ हमेशा बैठकर दिनभर की थकान गाने के जरिए बाहर निकालना बहुत सुकून देता है। मेरा भाई भी हमेशा इशारों-इशारों में गाने का सुर पकड़ने में मदद करता है। मिले सुर मेरा तुम्हारा।

अभिनेत्री ने आखिरी में मजेदार अंदाज में लिखा कि मेरी गायिकी को जज मत करना।

दिव्या का ये पोस्ट फैंस और उनके दोस्तों को काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

सॉन्ग 'दिल तड़प-तड़प के' की बात करें तो इसे साल 1958 में रिलीज की गई फिल्म 'मधुमती' में फिल्माया गया था। गाने को स्वर कोकिला लता मंगेशकर और मुकेश कुमार ने अपने स्वरों से सजाया था और संगीत की रचना सलिल चौधरी ने की थी। गाने में दिलीप कुमार और वैजंतीमाला रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं।

फिल्म मधुमती की बात करें तो इसका निर्देशन और निर्माण बिमल रॉय ने किया था। फिल्म में दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला, प्राण, और जॉनी वॉकर मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। यह फिल्म अपने समय की सबसे सफल फिल्मों में से एक थी और इसे कई पुरस्कार भी मिले, जिसमें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार शामिल है।

यह फिल्म पुनर्जन्म पर आधारित पहली प्रमुख हिंदी फिल्मों में से एक थी। फिल्म की कहानी आनंद नाम के एक लड़के के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार दिलीप कुमार निभाते हैं। फिल्म में आनंद बारिश की रात में कहीं फंस जाता है, और उसकी गाड़ी भी खराब हो जाती है, तो वह एक पुरानी हवेली में शरण लेता है। हवेली उसे परिचित लगती है, और जल्द ही उसे अपने पिछले जन्म की बात याद आने लगती है। कहानी में पुनर्जन्म, प्रेम और रहस्य का मिश्रण है, जिसमें आनंद को मधुमती (वैजयंतीमाला) नाम की एक आदिवासी महिला से प्यार हो जाता है।

द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली की शूटिंग का अनुभव पुरानी जिंदगी में लौटने जैसा : कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसमें कृतिका ने बानी अहमद नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो अमेरिका में अपनी ड्रीम जॉब के लिए कड़ी मेहनत करती है, लेकिन परिवार के प्रति जिम्मेदारी उसे इस सपने को पूरा करने से रोकती है। इस फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हुई। शूटिंग को लेकर कृतिका कामरा ने अपना अनुभव साझा किया। कृतिका ने कहा, ''शूटिंग के दौरान हर लोकेशन से मेरी कोई न कोई याद जुड़ी हुई थी। जब मैं गलियां देखती, तो मुझे अपने स्कूल के रास्ते याद आ जाते थे। जब सड़क किनारे ठेले दिखाई देते थे, तो कॉलेज के दिनों में दोस्तों के साथ खाया गया स्ट्रीट फूड याद आ जाता था। मेरे लिए फिल्म की शूटिंग एक काम की तरह नहीं थी, बल्कि अपनी पुरानी जिंदगी में फिर से लौटने जैसा अनुभव था।''

उन्होंने कहा, ''किरदार निभाते समय मुझे कोई बनावटीपन नहीं लाना पड़ा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत हद तक मेरी जिंदगी के कुछ हिस्सों जैसी है।'' कृतिका ने कहा, ''दिल्ली में शूटिंग का अनुभव मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास रहा। शहर की ऊर्जा, लोगों का अपनापन और यहां के खाने की खुशबू ने मुझे रिफ्रेश रखा। सेट पर हर दिन की शुरुआत मुस्कुराहट के साथ होती थी। फिल्म की टीम भी ज्यादातर महिलाएं थीं, ऐसे में पूरा माहौल गर्मजोशी से भर जाता था। निर्देशक अनुषा रिजवी फिल्म में वास्तविकता और संवेदनशीलता लेकर आईं, जैसे ये घटना कहीं यहीं आसपास घट रही हो।'' फिल्म में कृतिका कामरा के साथ पूरब कोहली, श्रेया धनवंतरी, जूही बब्बर, शीबा चड्ढा और डॉली अहलूवालिया अहम भूमिकाओं में हैं।फिल्म एक दिन की कहानी है। इसमें दिल्ली के एक मुस्लिम परिवार को दिखाया गया है, जिसमें बानी (कृतिका कामरा) तलाकशुदा है। वह पेशे से राइटर है और अमेरिका में नौकरी करना चाहती है। इसके लिए उसे अपना प्रेजेंटेशन 12 घंटे के अंदर देना होता है, लेकिन उसी दिन उसके घर में परिवार के लोग एक के बाद एक आने लगते हैं। बानी की बहन इरम (श्रेय धनवंतरी) भी तलाकशुदा है। वह बैंक में पैसे जमा करवाने के लिए उसे बुलाने आती है। बानी का भाई जोहेब (निशांक वर्मा) अपनी गर्लफ्रेंड पल्लवी (अनुष्का बनर्जी) के साथ आता है।वहीं, बानी का प्रोफेसर अमिताव (पूरब कोहली) भी उसके घर पहुंचता है। घर के बुजुर्ग अक्को (फरीदा जलाल), आसिया (डॉली आहलूवालिया), साफिया (शीबा चड्ढा), और नबीला (नताशा रस्तोगी) हज पर जाने की योजना बनाते हैं।ऐसे में एक तरफ 12 घंटे की डेडलाइन है, तो दूसरी तरफ परिवार के सदस्यों का शोर है। इस दौरान रिश्ते में टकराहट, हल्के-फुल्के ड्रामे और भावनात्मक सीन देखने को मिलते हैं। 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध है।

फिल्म धुरंधर को मिला एयर इंडिया से खास प्यार, यामी गौतम ने दिखाई झलक

आदित्य धर के निर्देशन में बनी मल्टीस्टारर 'धुरंधर' की दमदार कहानी और तगड़ी स्टारकास्ट को जमकर तारीफ मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। फिल्म को एयर इंडिया ने भी खास अंदाज में सराहा। अभिनेत्री और फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एयर इंडिया की ओर से पति आदित्य धर को लिखा गया एक स्पेशल लेटर पोस्ट किया। लेटर में एयर इंडिया ने लिखा है कि क्रू मेंबर्स फिल्म से काफी प्रभावित हैं, 35,000 फीट की ऊंचाई पर जश्न! मिस्टर धर, एक अद्भुत और शानदार फिल्म बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह फिल्म इतनी शानदार है कि हमारी पूरी टीम उत्साह और जोश से भर गई है। फ्लाइट नंबर का जिक्र करते हुए एयर इंडिया ने आगे लिखा, 12660 बेसब्री से इंतजार कर रहा है।

'धुरंधर' रणवीर सिंह स्टारर एक्शन थ्रिलर है, जिसमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। कुछ ही दिनों में यह 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है।

आमजन के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। अल्लू अर्जुन, विवेक रंजन अग्निहोत्री, अशोक पंडित, राजकुमार राव, विक्की कौशल, ऋतिक रोशन, तारा शर्मा समेत अन्य एक्टर्स ने पोस्ट कर न केवल कहानी, बल्कि स्टारकास्ट को भी बेहतरीन बताया। वहीं, रोहित शेट्टी ने 'धुरंधर' को नया सिनेमा तक कह दिया।

जासूसी और देशभक्ति से भरपूर फिल्म की बड़ी सफलता के बाद सीक्वल भी आने की तैयारी में है। मेकर्स ने हाल ही में ऐलान कर बताया कि 'धुरंधर पार्ट 2' अगले साल मार्च में रिलीज होगी।

'वो' हिट फिल्में जिनके सीक्वल रहे सुपरफ्लॉप
नहीं चला बड़े स्टार्स का जादू

हर साल पर्दे पर कई फिल्में रिलीज होती है, कुछ फिल्में दर्शकों को इतनी ज्यादा पसंद आती हैं कि फिल्मों के सीक्वल बनाए जाते हैं। साल 2025 के अंत में हम फिल्मों के उन सीक्वल के बारे में बताएंगे जो बॉक्स ऑफिस पर फुस्स साबित हुए।

अक्षय कुमार की साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'केसरी' को खूब पसंद किया गया था, लेकिन इसी साल 18 अप्रैल को फिल्म का सीक्वल 'केसरी- चैप्टर 2' रिलीज हुआ। फिल्म का बजट लगभग 150 करोड़ रुपये बताया गया, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना बजट भी नहीं निकाल पाई। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का कलेक्शन विश्व भर में 135 करोड़ के आस-पास रहा।

कॉमेडी से भरपूर फिल्म 'हाउसफुल 5' 6 जून को रिलीज हुई थी। इससे पहले फिल्म के चार सीक्वल रिलीज किए जा चुके हैं, लेकिन मल्टीस्टारर होने के बाद भी फिल्म 'हाउसफुल 5' बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाई करने में कामयाब नहीं रही। फिल्म का देशभर में कुल कलेक्शन 179.75 करोड़ रुपये था, जबकि फिल्म 240 करोड़ के बजट के साथ तैयार की गई थी। फिल्म ने वैश्विक स्तर पर भी कम ही कमाई की थी। फिल्म को फ्लॉप नहीं, लेकिन एवरेज कह सकते हैं।

साल 2018 की फिल्म 'धड़क' का सीक्वल 'धड़क 2' भी इसी साल रिलीज हुई थी। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी का रोमांस दिखाया गया था। फिल्म प्रेम और छोटी जाति के नाम पर होने वाली हिंसा को दिखाती है। फिल्म का बजट 60 करोड़ रुपये था और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 25 करोड़ रुपये ही कमा पाई थी। फिल्म अपना बजट भी नहीं निकाल पाई। फिल्म 1 अगस्त को रिलीज हुई थी।

अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल 'सन ऑफ सरदार-2' 1 अगस्त को रिलीज हुई थी। फिल्म का बजट 130 करोड़ था, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 44.9 करोड़ के आंकड़ों पर ही सिमट कर रह गई। फिल्म में अजय देवगन की कॉमेडी भी इस बार दर्शकों का दिल नहीं जीत पाई। फिल्म में मृणाल ठाकुर, रोशनी वालिया और रवि किशन भी अहम रोल में हैं।

ऋतिक रोशन की एक्शन फिल्म 'वॉर 2' भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। फिल्म में जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी भी थे, लेकिन फिर भी फिल्म फ्लॉप रही। 'वॉर 2' का बजट 400 करोड़ रुपये था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 244.29 करोड़ रुपये ही कमा पाई और फिल्म की कुल कमाई 303 करोड़ रुपये रही। फिल्म 14 अगस्त को रिलीज हुई थी।

टाइगर श्रॉफ की 5 सितंबर को रिलीज हुई फिल्म 'बागी' को बहुत पसंद किया था। इतना ही नहीं, फिल्म का दूसरा पार्ट भी दर्शकों को खूब पसंद आया था, लेकिन इस साल रिलीज हुई 'बागी 4' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 67.07 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर पाई, जबकि फिल्म का बजट 80 करोड़ रुपये था। वहीं 'तारे जमीन पर-2' और 'रेड-2' जैसी ही फिल्में इस साल की हिट फिल्मों में शामिल रहीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप सूर्य नमस्कार करते रहें दिन शानदार गुजरेगा । पुराने साथियों से मुलाकात होगी। आज पार्टी में शामिल हो सकते हैं। आज सकारात्मकता ज्यादा रहेगी।छात्रों को लाभ होगा। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर सहयोगियों के साथ मधुरता रहेगी। नया काम शुरू कर सकते हैं। लाइफ पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। नए विचार आएंगे। धन लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। दिनचर्या में बदलाव होगा। रिश्तेदारों के यहां धार्मिक काम पूजा पूठा का कार्यक्रम रहेगा आप व्यस्त रहेंगे ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज छात्रों को कडी महनत करने पर प्रतियोगीता मे कामयाबी मिलेगी । कारोबार की स्थिति ठीक रहेगी। यात्रा पर जाने का प्लान बनाएंगे। चुनौतियों का बखूबी मुकाबला कर पाएंगे। आपके शासकीय कार्य पूरे होंगे। पारिवारिक जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। विद्यार्थियों को ज्यादा मेहनत करनी होगी। धन संबंधी दिक्कतें दूर होंगी। सेहत का ख्याल रखें। प्रभु की आराधना करें। मानसिक शांति मिलेगी। निवेश को फिलहाल टाल दें। पदोन्नति और तबादला हो सकता है,व्यर्थ का खर्चा करने की आदत को सुधारें उन्नति निश्चित होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज विरोधी आप को नुकसान पहुंचा सकते हैं । विरोधियों से सावधान रहना होगा । अनजान लोगों के सामने निजी चर्चा करने से बचें। कोई आपके सरल स्वभाव का फायदा उठा सकता है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ज्यादा खर्च हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश कर सकते हैं। बुजुर्गों की सेहत बिगड़ सकती है। सगे संबंधियों से मुलाकात हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। अपने काम के प्रति जिम्मेदार रहें। डिनर मे कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य बहतर रहेगा सुबह योग और व्यायाम भी करते रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लक्ष्मी जी को कनेर के पुष्प से सहस्त्रार्चन करें धन कोष मे वृद्धि होगी रुकी हुई रकम वापस मिलेगी। आपको मित्रों से लाभ होगा। घूमने के लिए जाएंगे। पारिवारिक आयोजन होंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। पुरानी रूकी हुई रकम मिलेगी। आपकी आर्थिक समस्या का हल होगा। युवाओं के लिए रिश्ते की बात चल सकती है। सामाजिक आयोजन में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी का ख्याल रखें। सेहत ठीक रहेगी। निवेश के मौके मिल सकते हैं। छात्रों को पढ़ाई अव्वल आना हो तो अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धन से जुडी हुई दिक्कतें दूर होंगी आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी रहेगी। आर्थिक स्थिति में उतार–चढ़ाव हो सकती है। आज जीवनसाथी भरपूर सहयोग मिलेगा। नया काम शुरू कर सकते है। छात्रों को सफलता मिलेगी। यात्रा कर सकते हैं। परिवार की स्थिति बेहतर होगी। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। जोखिम वाले कार्य सावधानी से करें। हर किसी पर भरोसा न करें। सरकारी कार्य मे रुकावटें आ रही हैं तो नंदी को गेहूँ का दलीया खिलाए कार्य मे तेजी आएगी ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अपिरिचित लोगों से धन का लेनदेन करते समय सावधानी बरतें क्योंकि आप के विरोधी सक्रिय रहेंगे। आपको सतर्क रहना होगा। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। आज आपको आवश्यक काम में परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में लाभ होगा। दंपत्ति धार्मिक कार्यों में शामिल हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतर है। सेहत अच्छी रहेगी। जोखिम न लें। अगर आप आलस्य को दूर करते हैं आप के सभी काम पूरें होंगे आप शाम का वक्त सुकून से गुजारेंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन उर्जा से भरपूर रहेगा तरक्की के रास्ते खुलेंगे आपको खुशखबरी मिलेगी। आपका कार्य आसानी से पूरा है। सामाजिक जिम्मेदारियों को आज पूरा कर पाएंगे। आज मानसिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। निवेश कर सकते हैं। व्यवसायियों के लिए आज का दिन अच्छा है। धार्मिक काम में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। यात्रा कर सकते हैं। संतान आप को खुशखबरी वाली खबर सुनाएंगे परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परेशानियों में बीत सकता है। जोखिम वाले कार्य करते समय लापरवाही न करें। चोट लगने की आशंका है। नौकरीपेशा लोगों को काम का तनाव रहेगा। धन लाभ होगा। परिवार के लोगों के साथ दिन बिता सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं। यात्रा करने के दौरान अनजान लोगों के संपर्क में न रहें। शत्रु शांत रहेंगे। सेहत का ख्याल रखें। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। खानपान को लेकर लापरवाही न करें पेट सम्बंधित तकलीफ आप को परेशान करेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पारिवारिक जीवन ते उत्सव का माहौल रहेगा । रिश्तेदारों का आनाजाना लगा रहेगा । आज आपका खर्च ज्यादा होगा। कुसंगति से हानि हो सकती है। किसी के बहकावे में आकर अपने परिवार के लोगों पर संदेह न करें। जुआ, सट्टा, लाटरी जैसे व्यसनों से दूर रहें। नुकसान की आशंका है। लाइफ पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिलेगी। कैरियर मे दिक्कतें आ रही हैं तो रोज हनुमानजी को तेल सिन्दूर का श्रृंगार करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन जोरदार रहेगा परन्तु अतिउत्साही नही होना हैं परिवार का सहयोग मिलेगा। लेकिन अपनी निजी बात किसी से शेयर न करें। नए लोगों से मुलाकात होगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिल सकती है। कारोबार ठीक चलेगा। सेहत ठीक रहेगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात होगी। आपकी योजना फलीभूत होने की संभावना है। आपका आध्यात्मिकता की ओर रूझान रहेगा। व्यवसाय में लाभ की स्थिति रहेगी दिनजनो की सेवा करनी चाहिए

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को धन की सेवींग जरूर करना चाहिए आने वाले समय मे परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ने से आप चिंतित रहेंगे। मासिक बजट बिगड़ सकता है। तनाव दूर करने के लिए ईश्वर की आराधना करें। कठिन परिस्थिति निर्मित हो सकती है। किसी मित्र की मदद से आपका राहत मिल सकती है। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं। यात्रा करते समय सतर्क रहें। किसी की बातों में न आएं। व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी। अनजान लोगों पर भरोसा करना आप को जोखिम मे डाल सकता हैं व्यापार मे सतर्कता जरुरी हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को अपने क्रोध पर नियंत्रण करना बहुत जरूरी हैं किसी के साथ तनाव हो सकता है। अपरिचित लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल रहेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर पाएंगे। छात्रों के लिए आज का दिन बेहतर है। कारोबारियों को आर्थिक लाभ होगा। सेहत का ध्यान रखें। जोखिम न लें। खर्च सावधानी से करें। दफ्तर का माहौल सामान्य रहेगा।बेरोजगारी दूर होने का समय हैं नौकरी की तलाश जारी रखें।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 दिसंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 09:22 तक
नक्षत्र : चित्रा प्रातः 11:08 तक
योग : शोभन दोपहर 12:29 तक
करण : बव प्रातः 08:06 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 05:55 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 05:47 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 05:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सफला एकादशी व्रत , मूल में रवि धनु संक्रान्ति रात्रि 04:19 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्वच्छता योद्धाओं का करें सम्मान और सहयोग : भजनलाल

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वच्छता समाज और सरकार की साझा जिम्मेदारी है तथा राज्य सरकार प्रदेश को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आमजन स्वच्छता योद्धाओं का सम्मान और सहयोग कर इनका मनोबल बढ़ाएं ताकि ये स्वच्छता की मुहिम में और तेज गति से कार्य कर सकें। उन्होंने आह्वान किया कि पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें। शर्मा रविवार को जल महल की पाल पर आयोजित राज्य स्तरीय स्वच्छता जागरूकता एवं श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल महल हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहर है। अपनी धरोहरों, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और स्वच्छ पर्यावरण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एक बड़ी चुनौती है। इसी क्रम में राज्य सरकार प्रतिबंधित एकल उपयोग प्लास्टिक की रोकथाम के लिए

एक्शन प्लान लेकर आई है। मुख्यमंत्री ने लगाई झाड़ू, आमजन को दिलाई स्वच्छता की शपथ

इस अवसर पर शर्मा ने ऐतिहासिक जल महल की पाल पर श्रमदान व पौधारोपण कर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने झाड़ू लगाई और कचरा संग्रहित किया तथा उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। शर्मा ने स्वच्छता योद्धाओं को पीपीई किट और चयनित लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि योजना के चेक वितरित करने के साथ ही रोड स्वीपिंग मशीन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 'इंप्लिमेंटेशन प्लान फॉर सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री सिटीज' पुस्तिका का विमोचन किया तथा स्वच्छता के कर्तव्य पट्ट पर हस्ताक्षर भी किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन से राष्ट्रीय जागृति की शुरुआत की, जिससे देश में सड़कें और नालियां साफ होने के साथ ही लोगों की आदतों में भी बड़ा बदलाव आया। इस अभियान के तहत अब तक देशभर में 12 करोड़ से ज्यादा शौचालयों का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि आज यह मिशन जन स्वास्थ्य, महिलाओं के सम्मान और पर्यावरण जिम्मेदारी के प्रति दृष्टिकोण को नया आकार दे रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2017 में शुरू किया गया 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम इस मिशन के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में उभरा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता के जनआंदोलन में राजस्थान प्रमुखता से कार्य कर रहा है। प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत 2 लाख 62 हजार व्यक्तिगत तथा 4 हजार से अधिक सामुदायिक शौचालयों का निर्माण हुआ है। वहीं 42 हजार 492 से अधिक गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित किया जा चुका है।

राज्य सरकार की द्वितीय वर्षगांठ पर भजनलाल शर्मा गौसेवा से करेंगे शुरूआत

जयपुर, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार सोमवार (15 दिसम्बर) को अपने कार्यकाल के 2 सफल वर्ष पूर्ण करने जा रही है। इस अवधि में राज्य सरकार ने आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रदेश की जनता के कल्याण के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। राज्य सरकार की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सोमवार (15 दिसम्बर) को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सांगानेर स्थित पिंजरापोल गौशाला में जाकर गौसेवा करेंगे। इसके पश्चात वे सांगानेर क्षेत्र में ही आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करेंगे। शर्मा राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) परिसर में आयोजित आरोग्य कैम्प एवं रक्तदान शिविर में भी शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में सौगात देते हुए चिकित्सा संस्थानों में आउटसोर्स मोड पर 22 मदर लैब एवं 800 स्पोक्स का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही वे 1 हजार दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरणों का भी वितरण करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में नेत्र जांच शिविर का भी शुभारंभ करेंगे।

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र ने सांसद खेल उत्सव का किया उद्घाटन

कोटपुतली विधानसभा में 6800 प्रतिभागियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

कोटपूतली–बहरोड़, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने शनिवार को सांसद खेल उत्सव–2025 का विधिवत उद्घाटन राजकीय एलबीएस महाविद्यालय कोटपुतली के खेल मैदान से दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस दौरान कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी व प्रतिभागी मौजूद रहे. सिंह ने कबड्डी प्रतियोगिता में भाग ले रही सभी टीमों के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विभिन ब्लॉक से प्रतियोगिता में खेलने वाली प्रथम दोनों टीमों के कप्तानों के साथ टॉस कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिये सांसद खेल उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस उत्सव के अंतर्गत लोकसभा क्षेत्र में विभिन्न चरणों में खेल आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमे कब्बड्डी, वॉलीबॉल और दौड़ (100–200 मीटर) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिता में 300 से अधिक टीमे टीमों और विधानसभा कोटपुतली में 6800 प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन किए गए हैं, जिनमे महिला प्रतिभागी बड़ी संख्या में शामिल हैं।

सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विजेता टीमों को श्रेष्ठ पुरस्कार दिए जाएंगे और यहां पर जो खिलाड़ी चुने जाएंगे उनकी प्रोफेशनल ट्रेनिंग कराई जाएगी साथ ही राष्ट्र लेवल का रिकॉर्ड तोड़ने वाले खिलाड़ी को 1 लाख रुपये इनाम स्वरूप दिए जाएँगे।

क्षेत्र के विकास के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी : जगत सिंह

रूपवास (भरतपुर), 14 दिसंबर (एजेंसियां)

।क्षेत्र के खानुआं में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व गढ़ी स्थित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन का शुभारंभ स्थानीय विधायक जगत सिंह के मुख्य आतिथ्य व भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा की अध्यक्षता में अनावरण पट्टिका का का अनावरण व फीता काट कर किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुंवर हिम्मत सिंह, सीएमएचओ गौरव कपूर, पंचायत समिति सदस्य निधि गर्ग, दिनेश भातरा, भामाशाह सुनील गेरा, विकास अधिकारी काजल शर्मा, सीओ सुरेश कुड़ी, उपखण्ड अधिकारी विष्णु बंसल, बिट्टू राजावत, उदयभान शर्मा, गोविन्द भगौर, बीसीएमओ डॉ ओम भारती, नरेंद्र गर्ग, विनोद गुप्ता मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नंदवई विधानसभा में विकास के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। विधानसभा में दो वर्ष के कार्यकाल में 5 सौ करोड़ से ज्यादा के विकास कार्य करवाए गए

हैं। भाजपा का मुख्य ध्येय सबका साथ सबका विकास है। विधानसभा में विकास की गंगा बहाई जाएगी। नंदवई में सोमवार को रोडवेज बस स्टैंड के भवन का शुभारंभ किया जाएगा। इसी के साथ आगामी बजट में उच्चैन में भी रोडवेज बस स्टैंड की स्थापना करवाई जाएगी। वहीं जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने कहा कि भाजपा सरकार सबको साथ लेकर चलती है। भाजपा सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में बहुत सी उपलब्धियां धरातल पर उतारी है। पिछली सरकार में विधानसभा में दर्जनों की संख्या में दलाल मौजूद थे लेकिन भाजपा सरकार आते ही वह दलाल गायब हो गए हैं।

आरआरटीएस से बदलेगी रेवाड़ी व बावल की सूरत : राव इंद्रजीत

चंडीगढ़, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय सांख्यिकी, कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन एवं योजना राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने रविवार को गांव बाम्बड़ में कूडिय़ाराम यादव की मूर्ति का अनावरण किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट से जल्द ही आरआरटीएस की मंजूरी मिलने जा रही है। आरआरटीएस के निर्माण के बाद रेवाड़ी व बाबल की सूरत तेजी से बदलेगी। केंद्रीय मंत्री आज रेवाड़ी के गांव बाम्बड़ में एक सामाजिक कार्यक्रम में उपस्थित हुए। राव इंद्रजीत सिंह ने गांव में रोड के निर्माण कार्य के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। राव इंद्रजीत सिंह ने कार्यक्रम के संयोजक एवं कूडिय़ाराम यादव के पुत्र सरपंच प्रतिनिधि धर्मबीर गबरू, हरीश यादव और उनके परिवार की सराहना करते हुए कहा कि मूर्ति स्थापित करके अपने पूर्वजों का मान–सम्मान बढ़ाने का नेक कार्य किया है। हम सभी को अपने पूर्वजों को याद रखते हुए उनके सम्मान में ऐसे कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में पूरे देश और प्रदेश सहित रेवाड़ी जिले का भी तेजी से विकास हो रहा है। रेवाड़ी युवाओं को रोजगार मुहैया करवाने के साथ–साथ नेशनल हाईवे, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। जिले में विभिन्न तरह की संस्थाएं स्थापित होने से लोगों को इनका लाभ मिल रहा है। आज रेवाड़ी का देश–विदेश में डंका बज रहा है।

धान घोटाले ने सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही पर लगाए बड़े प्रश्नचिह्न : सैलजा

सिरसा, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में फर्जी गेट पास काटकर मंडियों में धान आए बिना ही बेच डाला। बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश से धान लाकर यहां के किसानों के नाम से बेचा गया। इस धान घोटाले ने प्रदेश की भाजपा सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़े प्रश्नचिह्न लगा दिए है जबकि सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन और प्रशासन का दावा करती आ रही है। सरकार

को चाहिए कि वह इस पूरे प्रकरण में सच सामने लाए, दोषियों पर कठोर कार्रवाई करे और किसानों को उनका उचित हक तथा राहत तुरंत प्रदान करे। कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ खड़ी है और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर आवाज उठाती रहेगी। मीडिया को जारी बयान में कहा है कि हरियाणा में अनाज खरीदी प्रणाली और सरकारी वित्तीय प्रबंधन को लेकर उठ रहे गंभीर आरोपों ने पूरे प्रदेश के किसान समुदाय को गहरी चिंता में डाल दिया है। धान और अन्य फसलों की सरकारी खरीद में व्यापक अनियमितताओं, कागज़ी खरीद के असामान्य रूप से बढ़े आंकड़ों तथा बिचौलियों और अधिकारियों की संभावित मिलीभगत की खबरों ने सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़े प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

जेजेपी युवा पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

चंडीगढ़, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

जुलाना रैली की सफलता के बाद जननायक जनता पार्टी ने संगठन मजबूती पर जोर दिया है। इस दिशा में जेजेपी के युवा पदाधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। रविवार को जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला युवा प्रदेश कार्यकारिणी के साथ राजस्थान के बीकानेर रवाना हुए। जेजेपी द्वारा यहां 14 और 15 दिसंबर को आयोजित इस युवा प्रशिक्षण शिविर में संगठनात्मक मजबूती के साथ–साथ राजनीतिक और सामाजिक विषयों पर विस्तृत मंथन किया जाएगा। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी की युवा टीम संगठन की अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से संगठन मजबूती के मूल मंत्र दिए जाएंगे। दिग्विजय ने कहा कि युवाओं से जुड़े अनेक मुद्दों पर भी गंभीरता चर्चा की जाएगी ताकि आने वाले समय में फील्ड में उतरकर युवाओं की आवाज मजबूती बुलंद की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण शिविर के उपरांत युवा जेजेपी अपने युवा योद्धा सम्मेलन कार्यक्रमों को दोबारा शुरू करने जा रही है। दिग्विजय ने कहा कि 28 दिसंबर को जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला की कर्मभूमि महेंद्रगढ़ और तीन जनवरी को भिवानी में युवा योद्धा सम्मेलन किए जाएंगे।

खिलाड़ियों की उपलब्धि हरियाणा और पूरे देश के लिए गर्व का विषय: सैनी

चंडीगढ़, 14 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज बहरीन में आयोजित एशियन यूथ गेम्स–2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली लड़के एवं लड़कियों की भारतीय कबड्डी टीमों के सदस्य रहे हरियाणा के खिलाड़ियों के एक प्रतिनिधिमंडल को सम्मानित किया। ये खिलाड़ी मुख्यमंत्री से आज चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में मिले। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टीम के कप्तान ईशांत राठी सहित सभी खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और हरियाणा का नाम रोशन करने वाले युवा खिलाड़ियों से मिलना उनके लिए अत्यंत हर्ष और

गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता में विजय नहीं है, बल्कि हरियाणा की ग्रामीण संस्कृति, कठोर अनुशासन, मजबूत इच्छाशक्ति और युवाओं की जुझारू भावना की जीत है।

नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ियों के कोच और प्रशिक्षकों की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि वे भले ही अक्सर पर्दे के पीछे रहते हैं, लेकिन खिलाड़ियों की सफलता के असली शिल्पकार वही होते हैं। उनकी योजना, अनुशासन, प्रशिक्षण पद्धतियां और निरंतर परिश्रम ने ही इस उपलब्धि को संभव बनाया है।उन्होंने कहा कि यह विजय हरियाणा के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। गांवों में खेल रहे हजारों बच्चे अब इन खिलाड़ियों को अपना आदर्श मानेंगे और बड़े सपने देखेंगे। इन खिलाड़ियों की गांव के मैदानों से अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम तक की यात्रा हर युवा में यह विश्वास जगाती है कि मेहनत और अनुशासन से बड़े से बड़ा सपना भी साकार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 11 वर्ष पहले खेलों के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण विकसित किया था, जिसका उद्देश्य हर बच्चे को खेलों से जोड़ना, प्रत्येक गांव में खेल मैदान विकसित करना और खेलों के प्रति जुनून रखने वाले हर युवा को अवसर प्रदान करना है। इस दृष्टिकोण का लक्ष्य हरियाणा को न केवल भारत की खेल राजधानी बनाना है, बल्कि एक वैश्विक खेल केंद्र के रूप में स्थापित करना भी है।उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 2036 ओलंपिक खेलों तक भारत को एक खेल–महाशक्ति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इन खेलों की मेजबानी भारत में कराने का संकल्प व्यक्त किया है। आज हरियाणा को खेलों की नर्सरी के रूप में पहचाना जाता है, जो राज्य के लिए गर्व की बात है।

अखिल भारतीय खान बचाव प्रतियोगिता में सिंगरेनी की बड़ी जीत, महिला बचाव दल का शानदार प्रदर्शन

पेद्दापल्ली, 14 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगरेनी कोलियरी कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के पुरुष और महिला बचाव दलों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 2 से 7 दिसंबर तक महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित 54वीं अखिल भारतीय खान बचाव प्रतियोगिता में शीर्ष सम्मान हासिल किया।

पुरुष टीम ने पहला पुरस्कार और समग्र चैंपियनशिप जीती, वहीं राष्ट्रीय आयोजन में पहली बार हिस्सा ले रही महिला टीम ने दूसरा पुरस्कार हासिल किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 36 टीमों में से सिंगरेनी टीमों ने विभिन्न श्रेणियों में कुल 20 पुरस्कार जीतकर इतिहास रचा, जो सर्वाधिक संख्या है।समग्र रूप से दूसरा स्थान हासिल करने के अलावा, महिला टीम ने प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) में भी पहला पुरस्कार जीता और अन्य स्पर्धाओं में कई पुरस्कार हासिल किए। व्यक्तिगत उपलब्धियों में, गायत्री चाल्ला ने सर्वश्रेष्ठ बचावकर्ता (बेस्ट रेस्क्यूअर) का पुरस्कार जीता, कृष्णावेणी को सर्वश्रेष्ठ कप्तान (बेस्ट कैप्टन) का पुरस्कार मिला, और ए मोनिका को दूसरा सर्वश्रेष्ठ बचावकर्ता चुना गया।यह सफलता कोयला खनन, जिसमें भूमिगत परिचालन भी शामिल है, में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के एससीसीएल के लगातार प्रयासों के बीच आई है। पिछले दो वर्षों में, कंपनी ने विभिन्न भूमिकाओं में 1,900 महिला कर्मचारियों को नियुक्त किया है। इसी पहल के तहत, एक समर्पित महिला बचाव दल का भी गठन किया गया था।

एससीसीएल ने अपने 136 साल के इतिहास में पहली बार 13 अधिकारियों को मिलाकर एक महिला बचाव दल का गठन किया, जिन्होंने इस साल जून में 14 दिनों का विशेष प्रशिक्षण लिया।टीमों को बधाई देते हुए, एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन बलराम ने कहा कि यह विशेष रूप से संतोषजनक है कि नवगठित महिला बचाव दल ने अपनी पहली राष्ट्रीय स्तर की उपस्थिति में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने दोनों टीमों से ज़ाम्बिया में होने वाली आगामी अंतर्राष्ट्रीय खान बचाव प्रतियोगिता में भी इसी भावना और उत्कृष्टता को बनाए रखने का आग्रह किया।

पंचायत चुनावों में जीत बीआरएस पार्टी की मजबूती का प्रतीक : विधायक कोवलक्ष्मी

मंचेरियाल , 14 दिसम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधायक कोवलक्ष्मी ने कहा कि पंचायत चुनावों में जीत हासिल करना बीआरएस पार्टी की मजबूत संगठनात्मक शक्ति और जनसमर्थन को दर्शाता है। उन्होंने यह बात आदिलाबाद जिले के नारनूर मंडल की विभिन्न पंचायतों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान कही।

शनिवार को नारनूर मंडल की मनकापुर, गंगापुर, महागांव, बेतालगुडा, जमादा, गुंजला और मालेपुर पंचायतों के सरपंच, उप-सरपंच और वार्ड सदस्यों ने कोमुराम भीम जिला (आसिफाबाद) स्थित विधायक शिविर कार्यालय में विधायक कोवलक्ष्मी से भेंट की। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधियों ने विधायक को शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक कोवलक्ष्मी ने कहा कि सरपंच, उप-सरपंच और वार्ड सदस्य जनता के समर्थन और अपनी कड़ी मेहनत से चुने गए हैं, इसलिए उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को पंचायतों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की सलाह दी।

विधायक ने यह भी आह्वान किया कि भले ही वर्तमान में बीआरएस सरकार सत्ता में न हो, फिर भी पंचायतों के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकारों से करोड़ों रुपये की धनराशि लाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आनी चाहिए और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना सभी जनप्रतिनिधियों का दायित्व है।

इस कार्यक्रम में इंद्रावल्ली बाजार समिति के पूर्व अध्यक्ष श्रीराम जाधव, राय सेंटर जिला सर मेदि मेसराम दुर्गु पटेल, पूर्व एमपीपी मेसराम रूप देव, नेता उर्वेथा रूप देव, सैयद कासिम, राठौड़ दिगंबर, मलकु पटेल सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बार्क ने आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली में अनुसंधान एवं विकास परिसर के विस्तार की योजना बनाई

अमरावती (आंध्र प्रदेश), 14 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) अनाकापल्ली जिले में अपने 3,000 एकड़ में फैले अनुसंधान और विकास परिसर का विस्तार करने की योजना बना रहा है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इस प्रमुख बहु-विषयक परमाणु अनुसंधान केंद्र ने इस उद्देश्य के लिए 148.15 हेक्टेयर (366 एकड़) भूमि के डायवर्जन (विचलन) के लिए आंध्र प्रदेश सरकार से संपर्क किया है।

मंत्रालय के तहत एक विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) ने इस महीने की शुरुआत में इस प्रस्ताव की जांच की और वन भूमि पार्सल के डायवर्जन के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी की सिफारिश की।

ईएसी ने बैठक के मिनटों में उल्लेख किया, ''भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र रणनीतिक कारणों से विशाखापत्तनम के पास पूर्वी तट पर एक नया परिसर स्थापित कर रहा है। साइट का चयन साइट चयन समिति की सिफारिशों पर आधारित था और परमाणु ऊर्जा आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया था।''

बार्क परियोजना के लिए पहले ही 1,200 हेक्टेयर (लगभग 3,000 एकड़) राजस्व भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। ईएसी ने आगे कहा कि डायवर्जन के लिए प्रस्तावित 148.15 हेक्टेयर वन भूमि इस अधिग्रहित भूमि से सटी हुई है और परियोजना स्थल तथा समुद्र के बीच स्थित है।

यह परियोजना केंद्र सरकार की एक रणनीतिक पहल है, और इसलिए, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (बीपीआर) को प्रकटीकरण से सुरक्षित रखा गया है। मिनटों के अनुसार, गतिविधि की प्रकृति को निर्दिष्ट किए बिना, इस प्रस्ताव में एक परिधि यौगिक दीवार, क्षेत्रीय सुरक्षा बाड़, गश्त सड़कें, एक पंप हाउस, वॉच टॉवर, नाले, सेवा लाइनें और क्षेत्र विकास कार्यों का निर्माण शामिल है।

भूमि पर मौजूद 21,244 पेड़ों में से 1,722 पेड़ों को काटा जाएगा। हालांकि, समुद्र के करीब स्थित पेड़ों को नहीं काटा जाएगा, और ईएसी ने कहा कि इससे सामान्य पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित नहीं होगा।

ईएसी ने कहा, ''यह केंद्र केंद्र द्वारा अनिवार्य ऊर्जा सुरक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, जल और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में अनुप्रयोगों के साथ परमाणु क्षेत्र में अनुसंधान करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देगा।''

संपर्क करने पर, वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि बार्क ने विस्तार के लिए भूमि के आवंटन का अनुरोध करते हुए राज्य सरकार से संपर्क किया था। सावधानीपूर्वक जांच के बाद, वन भूमि बार्क को आवंटित कर दी गई।

ईएसी ने मंजूरी के लिए प्रस्ताव की सिफारिश करते हुए जोड़ा कि भविष्य में डायवर्ट की गई भूमि पर गैर-साइट-विशिष्ट गतिविधियों के लिए किसी भी भूमि-उपयोग परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अटल जी के आदर्श 'आत्मनिर्भर भारत' को लगातार आकार दे रहे हैं : धामी

मदनपल्ले (आंध्र प्रदेश), 14 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मूल्य, शासन मॉडल और राष्ट्रीय दृष्टिकोण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आत्मनिर्भरता की ओर यात्रा को लगातार प्रेरित कर रहे हैं।

अन्नामय्या जिले के मदनपल्ले के अन्नमय्या सर्किल में वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद अटल-मोदी सुशासन यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में एक जनसभा को संबोधित करते हुए धामी ने यह बात कही। धामी ने कहा, ''वाजपेयी के मूल्य, शासन का ढांचा और राष्ट्रीय दृष्टिकोण प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का मार्गदर्शन कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि अटल-मोदी सुशासन यात्रा, जो 11 दिसंबर को शुरू हुई, सभी जिलों में आयोजित की जा रही है और 25 दिसंबर तक जारी रहेगी, जिसमें वाजपेयी की प्रतिमाओं का अनावरण इस कार्यक्रम का हिस्सा है।

धामी ने कहा कि वाजपेयी का राजनीतिक जीवन सत्यनिष्ठा, राष्ट्रवाद और जन कल्याण में निहित था, जिसके कारण उन्हें विपक्षी नेताओं से भी सम्मान मिला।

1996 के अविश्वास प्रस्ताव के दौरान वाजपेयी के भाषण को याद करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने दृढ़ता से कहा था कि सरकारें आ-जा सकती हैं, लेकिन राष्ट्र को बने रहना चाहिए।

धामी ने कहा कि वाजपेयी ने 'आत्मनिर्भर भारत' की नींव रखी और स्वर्णिम चतुर्भुज राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और दूरसंचार क्षेत्र के विस्तार जैसी पहलों के माध्यम से देश को बदल दिया।

यह परियोजना भारत के चार प्रमुख महानगरीय शहरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को संदर्भित करती है, जो एक चतुर्भुज का निर्माण करते हैं। यह राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना का एक प्रमुख घटक है और इसका उद्देश्य कनेक्टिविटी में सुधार करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।गरीबी उन्मूलन की रणनीति के हिस्से के रूप में संपर्क रहित बस्तियों को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए झचत्रऋ्रध शुरू की गई थी। ग्रामीण सड़क नेटवर्क के स्थायी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार राज्य स्तर पर नीति विकास और योजना को सुविधाजनक बनाते हुए समान तकनीकी और प्रबंधन मानकों को स्थापित करने के लिए काम कर रही है।धामी ने कहा कि वाजपेयी ने केंद्र में देश की पहली स्थिर गैर-कांग्रेसी गठबंधन सरकार का नेतृत्व करके गठबंधन की राजनीति की ताकत का प्रदर्शन किया। उनके अनुसार, गरीबी उन्मूलन और समावेशी विकास वाजपेयी के शासन दृष्टिकोण के केंद्र में थे, जिसमें नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम शामिल थे।

वर्तमान से समानताएं खींचते हुए, धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, वाजपेयी से प्रेरित होकर, 'स्टार्टअप इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी विकास और कल्याणकारी पहलों के माध्यम से भारत को मजबूत कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की डिजिटल क्रांति, जो फोन-पे और गूगल-पे जैसे प्लेटफॉर्म से संचालित है, ने संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप के देशों सहित विकसित राष्ट्रों को भी चकित कर दिया है।उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में देश भर में लगभग 36,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा है, जबकि 99 प्रतिशत ग्रामीण सड़कों का कार्य पूरा हो चुका है।

मलकेपल्ली ग्राम पंचायत चुनाव: मतगणना को लेकर जारी तनाव समाप्त, प्रक्रिया सामान्य रूप से जारी

मंचेरियाल, 14 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के कासिपेटा मंडल अंतर्गत मलकेपल्ली ग्राम पंचायत में सरपंच और वार्ड सदस्य चुनावों की मतगणना को लेकर उत्पन्न तनाव अब समाप्त हो गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया सामान्य रूप से जारी रहेगी और मतदान भी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा।

इससे पहले उच्च न्यायालय ने मलकेपल्ली ग्राम पंचायत में रविवार को होने वाले सरपंच और वार्ड सदस्य चुनावों की मतगणना पर रोक लगाने के आदेश जारी किए थे। हालांकि मतदान को सामान्य रूप से कराने की अनुमति दी गई थी, लेकिन मतगणना को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। यह मामला मलकेपल्ली गांव को अनुसूचित क्षेत्र घोषित किए जाने से जुड़ा हुआ है।

गांव के कसाडी श्रीनिवास सहित कई ग्रामीणों ने इस मुद्दे पर उच्च न्यायालय का रुख किया था। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि राजस्व अभिलेखों के विपरीत मलकेपल्ली गांव, जो एक गैर-अनुसूचित क्षेत्र है, उसे अनुसूचित क्षेत्र के रूप में बनाए रखना अनुचित है। उन्होंने अधिकारियों से इस संबंध में कार्रवाई की मांग की और ग्राम पंचायत को गैर-अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने की अपील की। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने गैर-अनुसूचित क्षेत्र होने से संबंधित सभी आवश्यक सबूत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला।

याचिका में यह भी कहा गया है कि चुनाव निकट होने के बावजूद इस मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। अधिकारियों ने पहले यह बताया था कि अंतिम निर्णय आने तक मतगणना नहीं की जाएगी और गैर-अनुसूचित क्षेत्र के संबंध में अंतिम फैसले तक चुनाव परिणाम स्थगित रहेंगे। इस कारण मलकेपल्ली गांव में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया था।

हालांकि अब अधिकारियों ने बताया है कि स्थिति स्पष्ट हो चुकी है और मतगणना सामान्य रूप से की जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया नहीं रुकेगी और पहले की तरह जारी रहेगी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि आरक्षण और अनुसूचित/गैर-अनुसूचित क्षेत्र से संबंधित निर्णय उच्च न्यायालय के अंतिम आदेश के अनुसार ही लिया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, इस संबंध में स्पष्ट नीति और निर्देश प्राप्त हो चुके हैं, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया है कि फिलहाल चुनाव प्रक्रिया को बाधित नहीं किया जाएगा। मलकेपल्ली अनुसूचित क्षेत्र के मुद्दे पर न्यायालय में बहस जारी है और इस मामले में अंतिम फैसला आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेदक में विरोधी की वोट के लिए नकद बाँटने की कथित हरकत के विरोध में सरपंच उम्मीदवार सेल टॉवर पर चढ़ा

मेदक, 14 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपने प्रतिद्वंद्वी द्वारा मतदाताओं को नकदी वितरित किए जाने पर आधिकारिक मशीनरी की विफलता से नाराज़ होकर, एक सरपंच उम्मीदवार रविवार तड़के नारसिंगी मंडल के नरसम्पल्ली पेद्दा तांडा में एक सेल टॉवर पर चढ़ गया। जहाँ अधिकारियों ने मतदान के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली थीं, वहीं शंकर नायक नामक इस प्रत्याशी ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर लाभ हासिल करने के लिए प्रति वोट 2,000 वितरित करने का आरोप लगाया। उसने आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार के दौरान अधिकारी प्रतिद्वंद्वी को इन अनियमितताओं में शामिल होने से रोकने में विफल रहे। नायक ने दावा किया कि प्रचार पर रोक लगने के बावजूद उनका प्रतिद्वंद्वी मतदाताओं को लुभाने के लिए घर-घर जाकर नकदी बांट रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे सेल टॉवर से नीचे आने के लिए राजी किया।

मंचेरियाल में नैतिक उल्लंघन के आरोपों में अयोग्य डॉक्टरों पर जांच तेज

मंचेरियाल, 14 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मेडिकल काउंसिल (टीजीएमसी) ने हाल ही में शहर के निजी अस्पतालों से जुड़े डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद और तेलंगाना चिकित्सा परिषद अधिनियमों के नैतिक नियमों का उल्लंघन करते हुए अपनी शैक्षणिक योग्यताओं से परे चिकित्सा का अभ्यास करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए।उदाहरण के लिए, कार्डियोवैस्कुलर टेक्नोलॉजी (डीसीटी) में डिप्लोमा होने का दावा करने वाले और एक मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल से जुड़े एक डॉक्टर पर ऑर्थोपेडिक बीमारियों से पीड़ित मरीजों का इलाज करने का आरोप लगाया गया था। एक मरीज ने टीजीएमसी के प्रतिनिधियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई, जिन्होंने अस्पताल का निरीक्षण किया और डॉक्टर को एक सप्ताह के भीतर अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की प्रतियां उपलब्ध कराने के लिए नोटिस जारी किया।

एक अन्य मामले में, एक डॉक्टर टीजीएमसी में अपना कोर्स पंजीकृत कराए बिना खुद को डायबेटोलॉजिस्ट बताकर मधुमेह रोगियों का इलाज कर रहा था। एमबीबीएस डिग्री धारक एक डॉक्टर स्थानीय एम्बुलेंस चालकों और ग्रामीण चिकित्सा चिकित्सकों (आरएमपी) की मदद से तंत्रिका विज्ञान और आघात के मामलों को संभाल रहा था। टीजीएमसी सूत्रों के अनुसार, दोनों डॉक्टरों को उचित योग्यता न होने के बावजूद मरीजों का अनुचित इलाज करके जनता को गुमराह करने के आरोप में नोटिस जारी किए गए हैं।इसी तरह के एक मामले में, शहर के एक वरिष्ठ जनरल सर्जन को बिना योग्यता के गुर्दे संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित कई मरीजों का इलाज करते हुए पाया गया। एक मरीज की हालत बिगड़ने पर सर्जन के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई। डॉक्टर को नोटिस जारी कर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया।इसी बीच, एम्बुलेंस वाहनों के मालिक द्वारा कथित तौर पर संचालित एक अस्पताल से जुड़े डॉक्टर सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करके जनता को धोखा दे रहे थे। एक बाल रोग विशेषज्ञ को आरएमपी को सम्मानित करके और उनकी बैठकों को प्रायोजित करके मरीजों की संख्या बढ़ाने के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जो कि एनएमसी और टीजीएमसी अधिनियमों के नैतिक नियमों और सिद्धांतों का उल्लंघन था।टीजीएमसी के प्रतिनिधियों ने बताया कि आवश्यक शैक्षणिक योग्यता प्राप्त किए बिना मरीजों का इलाज करके जनता को धोखा देने वाले अयोग्य डॉक्टरों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नोटिस के संबंध में डॉक्टरों द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर जल्द ही उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि यदि डॉक्टर का स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं हुआ तो उनका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.